@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 8 मार्च 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 122 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

घुसपैठियों पर सख्त अमित शाह, कहा-

'केदारनाथ से कन्याकुमारी तक, एक-एक को चुनकर भारत से बाहर करेंगे'

•,केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 2026 में पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में एनडीए की सरकार बनने जा रही है। 2027 का उद्घाटन उत्तराखंड की जनता को करना है।

एजेंसी

हरिद्वार । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घुसपैठियों को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि केदारनाथ धाम से लेकर कन्याकुमारी तक, एक-एक घुसपैठिए को चुन-चुनकर भारत से बाहर किया जाएगा। गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को उत्तराखंड सरकार के 4 साल पूरे होने पर हरिद्वार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, 'उत्तराखंड में पुष्कर सिंह धामी सरकार ने लगभग 10 हजार से अधिक अतिक्रमण उखाड़कर फेंक दिए हैं। यह सिर्फ अतिक्रमण की बात नहीं है। मैं प्रदेशवासियों से कहना चाहता हूं कि पूरे देश में जहां-जहां घुसपैठिए हैं, केदारनाथ धाम से लेकर कन्याकुमारी तक, एक-एक घुसपैठिए को चुन-चुनकर हम भारत के बाहर निकालने का काम करेंगे।' इस दौरान शाह ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'जो भारत का नागरिक नहीं है, उसका नाम मतदाता सूची से कटना चाहिए। भाजपा चुनाव आयोग की प्रक्रिया का पूरा समर्थन कर रही है, क्योंकि जिस देश में लोकतंत्र को संभालने वाली इकाई, यानी मतदाता सूची शुद्ध न हो, उस देश का लोकतंत्र कभी सलामत नहीं रह सकता है। राहुल गांधी को जितना विरोध करना है, उतना कर लें। वे एसआईआर का भी विरोध करते हैं। उन्हें हर चीज में नकारात्मकता दिखाई देती है। 'धामी सरकार के 4 साल पूरे होने पर उन्होंने कहा, 'आज पुष्कर सिंह धामी सरकार के 4 साल पूरे होने का अवसर है, लेकिन इसके साथ ही आज भाजपा सरकार के 9 साल पूरे होने का भी मौका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तराखंड आए थे। यहां राज्य के 25

साल पूरे होने का महोत्सव शुरू करके गए। मैं कार्यक्रम के माध्यम से उत्तराखंड की जनता को बताना चाहता हूं कि एक जमाना था जब उत्तराखंड की भूमि अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रही थी। उत्तराखंड की संस्कृति बचाने के लिए यहां के युवा मैदान में उतरे थे। उस समय कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने सहन न करने वाला दमन हमारे युवाओं पर किया था। ' अमित शाह ने कहा, 'अनेक युवाओं को गोली लगी। उन्होंने बलिदान दिया। रामपुर तिराहा की घटना आज भी उत्तराखंड वासी भूले नहीं हैं। उस वक्त भाजपा के वरिष्ठ नेता अटल बिहारी वाजपेयी ने उत्तराखंड की रचना की थी। कांग्रेस के शो कॉल्ड विद्वान कर रहे थे कि छोटे राज्य कैसे टिकेंगे और अर्थव्यवस्थाएं कैसे चलेंगी। अटल जी ने 3 छोटे राज्य बनाए थे जिनमें उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ और झारखंड शामिल हैं। ये तीनों राज्यों विकास के रास्ते पर आगे बढ़ गए हैं। जब हमारी सरकार के 9 साल पूरे हो रहे हैं। ' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, 'जब त्रिवेंद्र सिंह रावत को मुख्यमंत्री बनाया गया था, तब पहले कार्यक्रम में मैंने हिस्सा लिया था। तब मैंने कहा था कि 'अटल जी ने बनाया है, पीएम नरेंद्र मोदी संवारने का काम करेंगे। ये 9 साल उत्तराखंड के विकास के थे। पिछले 4 साल के अंदर पुष्कर सिंह धामी ने एक-एक समस्या को चुन-चुनकर समाप्त करने का संकल्प लिया है। इसके कारण उत्तराखंड विकास के रास्ते पर तेज गति से आगे बढ़ रहा है। ' उन्होंने यह भी कहा कि आज 1132 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और भूमिपूजन हो रहा है। यहां पर नई न्याय संहिताओं की प्रदर्शनी का भी उद्घाटन हो रहा है। राज्य के वकील मित्रों को आग्रह है कि वे ये प्रदर्शनी जरूर देखें। पीएम मोदी के नेतृत्व में अंग्रेजों की ओर से बनाए गए 150 साल पुराने कानून समाप्त करके नागरिकों की सुरक्षा के लिए न्याय संहिताएं बनाई गई हैं। अमित शाह ने कहा कि नए कानूनों को 2028 में पूरी तरह से लागू कर दिया जाएगा। उसके बाद कोई भी नागरिक पुलिस थाने में जाकर एफआईआर कराएगा तो तीन साल में सुप्रीम कोर्ट तक पूरी न्याय प्रणाली समाप्त हो जाएगी। अब समय पर न्याय मिलेगा। ये दुनिया की सबसे आधुनिक न्याय संहिताएं हैं।

प्रधानमंत्री और भाजपा अध्यक्ष ने गुजरात के विधायक गोविंदभाई परमार के निधन पर शोक व्यक्त किया

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को गुजरात के विधायक गोविंदभाई परमार के निधन पर शोक जताया। दोनों नेताओं ने कहा कि परमार हमेशा समाज कल्याण के कामों के लिए समर्पित थे। परमार का 6

मार्च को 72 साल की उम्र में निधन हो गया था। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, 'गुजरात विधानसभा के सदस्य गोविंदभाई परमार के निधन की खबर से मुझे दुख हुआ है। वह हमेशा समाज कल्याण के कामों के लिए समर्पित और प्रतिबद्ध थे। दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना और दुखी परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना। ' भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'गुजरात से भाजपा विधायक गोविंदभाई परमार के निधन से बहुत दुख हुआ। एक समर्पित जनसेवक, उन्होंने उमरेठ के लोगों की भलाई और विकास के लिए बिना थके काम किया। '

लोकतंत्र को मजबूत करने और समाज में सार्थक बदलाव लाने के लिए महिलाओं को राजनीति में आगे आना चाहिए: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका

लुधियाना, 7 मार्च। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज लड़कियों को पंजाब के सुनहरे भविष्य के निर्माण में बराबरी का भागीदार बनने का आह्वान करते हुए कहा कि शासन, अर्थव्यवस्था और राजनीति में महिलाओं की भागीदारी के बिना राज्य देश का अग्रणी राज्य नहीं बन सकता। लुधियाना में पंजाब कृषि विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि किस प्रकार पंजाब सरकार उन बाधाओं को दूर कर रही है जो महिलाओं को प्रमुख क्षेत्रों से दूर रखती थीं। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरियों में मेरिट और योग्यता के आधार पर भर्ती की जा रही है, जिसके तहत 63,000 से अधिक सरकारी नौकरियाँ दी गई हैं और इनमें से अधिकांश लड़कियों को मिली हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि अनावश्यक शर्तों को समाप्त करने के बाद अब महिलाओं के लिए अग्निशमन सेवाओं में शामिल होने का रास्ता भी खोल दिया गया है। उन्होंने प्रशासनिक सेवाओं में महिला अधिकारियों की बढ़ती संख्या का भी विशेष रूप से उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने लड़कियों से राजनीति में आने और निर्णय-निर्माण प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील करते हुए कहा कि

मजबूत लोकतंत्र और प्रगतिशील पंजाब का सपना तभी साकार होगा जब महिलाएँ सार्वजनिक नीति और नेतृत्व में केंद्रीय भूमिका निभाएँगी। यह गर्व और संतोष की बात है कि आज लड़कियाँ हर क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन कर रही हैं। राज्य के मुखिया के रूप में मुझे यह देखकर बहुत खुशी होती है कि लड़कियाँ विभिन्न क्षेत्रों में नई ऊँचाइयाँ छू रही हैं। मैं उन्हें उज्ज्वल और समृद्ध भविष्य के लिए शुभकामनाएँ देता हूँ। आज की लड़कियाँ भाग्यशाली हैं कि उन्हें आगे बढ़ने के लिए अनुकूल वातावरण मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार ने पूरे राज्य में महिलाओं को शासन और प्रशासन में अधिक अवसर देकर उन्हें सशक्त बनाने के लिए ठोस प्रयास किए हैं। उन्होंने बताया कि कई महिला अधिकारियों को डिप्टी कमिश्नर और एस.एस.पी. के पदों पर नियुक्त किया गया है तथा कई को ए.डी.सी. बनाया गया है। उन्होंने कहा कि पहले किसी भी सरकार ने इन प्रतिष्ठित पदों पर महिलाओं को इतनी जिम्मेदारियाँ नहीं दी थीं। उन्होंने कहा कि इन पदों पर कार्यरत महिला अधिकारी पूरी निष्ठा और दक्षता के साथ समाज की सेवा कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन जिलों में महिला डिप्टी कमिश्नर कार्यरत हैं वहाँ भ्रूण हत्या की दर सबसे कम है, जो समाज के लिए संतोषजनक संकेत है। साथ ही ये अधिकारी अन्य सामाजिक बुराइयों को रोकने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। पंजाब सरकार की पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में युवाओं को 63,000 से अधिक सरकारी नौकरियाँ दी गई हैं।

शेष पृष्ठ 3 पर

रायसीना में बोले एस जयशंकर- भारत में सभी देशों को एक प्लेटफॉर्म पर लाने की काबिलियत

जयशंकर ने हिंद महासागर में भारत की कूटनीति की सराहना की

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत की राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में आयोजित रायसीना डायलॉग 2026 के 11वें संस्करण के आखिरी दिन पर भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कार्यक्रम को संबोधित किया और हिंद महासागर में भारत की कूटनीति की सराहना की। ईएएम जयशंकर ने बताया कि भारत के पास सभी देशों को एक प्लेटफॉर्म पर साथ लाने की काबिलियत है, क्योंकि वे हम पर ज्यादा भरोसा करते हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, 'जब हिंद महासागर की बात आती है तो भारत की एक खास अहमियत है और इसलिए एक खास जिम्मेदारी और एक खास योगदान है। यह सिर्फ इसलिए नहीं है कि हम बड़े और सेंट्रल हैं, बल्कि इसलिए भी है क्योंकि हमारे पास सच में बहुत सारे देशों को टेबल पर या प्लेटफॉर्म पर साथ लाने की क्षमता है क्योंकि हमारे उनके साथ अच्छे संबंध हैं। शायद वे हम पर ज्यादा भरोसा करते हैं या वे हमारे साथ ज्यादा कम्फर्टेबल हैं, इसे आप जो चाहें कह सकते हैं।' ईएएम जयशंकर ने आगे कहा, 'मेरे लिए इसका मतलब यह है कि गुरुग्राम के फ्यूजन सेंटर में इतने सारे लोग, इतने सारे देश, इतने सारे प्रतिनिधि हैं जो इस समय यहां एक साथ काम करने को तैयार हैं, साझा करने को तैयार हैं, एक समग्र तस्वीर बनाने को तैयार हैं। यह न केवल हिंद महासागर की महत्ता को दर्शाता है, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका को भी रेखांकित करता है। हम निरंतर ऐसे संस्थानों का निर्माण कर रहे हैं, जिनमें आईओआर, कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन और बिम्सटेक जैसे मंच शामिल हैं। यद्यपि हम जीसीसी जैसे कुछ समूहों का हिस्सा नहीं हैं, फिर भी ये सभी प्रयास एक वृहद हिंद महासागर की आधारशिला हैं। दूसरी ओर, प्रशांत क्षेत्र के देश भी इस व्यापक संरचना का आधार बन रहे हैं। ये एक बड़े प्रकार की समग्र तस्वीर की नींव हैं। अब इसके अलावा, यह द्विपक्षीय भी है। ' भारत और इसके

सहयोगियों के बारे में विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, 'जब मैं वहां अपने तीन सहयोगियों, सेशेल्स, मॉरीशस और श्रीलंका को उनकी नौसेनाओं और उनके तट रक्षकों के साथ देखता हूं, तो हमारा साथ मिलकर काम करने का एक लंबा इतिहास रहा है। उनमें से कई के पास भारतीय मूल के जहाज या शिल्प हैं। हमने एक साथ प्रशिक्षण किया है, हमने एक साथ अभ्यास किया है और सिर्फ उनके साथ ही नहीं, अगर आप वास्तव में हिंद महासागर या भारत-प्रशांत में बड़े अभ्यासों को देखें, तो ऑस्ट्रेलिया फिर से एक बहुत ही महत्वपूर्ण अभ्यास भागीदार है। ' उन्होंने कहा कि आप भारतीय नौसेना या भारतीय तट रक्षक को देखें, वास्तव में उनमें से प्रत्येक में यह एक सामान्य तत्व है।

थाईलैंड से 4 भारतीय श्रमिकों को सुरक्षित घर वापसी

उल्लेखनीय है कि 17 फरवरी 2026 को सोशल मीडिया में एक वीडियो सामने आया था जिसमें ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिले के श्रमिकों ने अपनी दुर्दशा बयां की।

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के हस्तक्षेप के बाद विदेश मंत्रालय ने थाईलैंड से 6 भारतीय श्रमिकों में से 4 की सुरक्षित घर वापसी करवाई। एनएचआरसी के अनुसार प्रकाशित खबरों का स्वतः संज्ञान लेते हुए 20 फरवरी को विदेश मंत्रालय को एक पत्र लिखा था जिसमें उन्होंने थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक स्थित एक कारखाने में अपने नियोक्ता द्वारा कई महीनों से बंधक बनाए गए 6 भारतीय श्रमिकों को शीघ्र छुड़ाने का आग्रह किया था।

पत्र के अगले दिन ही विदेश मंत्रालय के दक्षिणी प्रभाग ने थाईलैंड अधिकारियों से उन्हें छुड़ाने का अनुरोध किया और उस कंपनी के मालिक से भी संपर्क किया, जहां कथित तौर पर ये छह श्रमिक काम कर रहे थे। मंत्रालय की तुरंत कार्रवाई से 6 श्रमिकों में से 4 को तत्काल भारत वापस बुला लिया, जिसका पूरा खर्चा उनके नियोक्ता द्वारा वहन किया गया। विदेश मंत्रालय ने बताया कि वह शेष दो बचाए गए श्रमिकों की स्वदेश वापसी के मामले को थाईलैंड आव्रजन अधिकारियों के संपर्क में हैं क्योंकि वे अपने वीजा की अवधि से अधिक समय तक रुके हुए थे।

जन औषधि दिवस पर प्रधानमंत्री की शुभकामनाएं

सस्ती दवाओं से लाखों परिवारों को राहत

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को जन औषधि दिवस के अवसर पर देशवासियों, विशेष रूप से प्रधान मंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना से लाभान्वित लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह पहल हर नागरिक को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर माईगॉवइंडिया की ओर से साझा पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, 'जनऔषधि दिवस 2026 पर, उन सभी लोगों को मेरी शुभकामनाएं जिन पर प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना का अच्छा असर हुआ है। यह पहल यह पक्का करने के हमारे कमिटमेंट को दिखाती है कि हर नागरिक को सस्ती कीमतों पर अच्छी दवाइयां मिलें। जन औषधि केंद्रों के ज़रिए, अनगिनत परिवार हेल्थकेयर खर्च बचा रहे हैं और सही इलाज पा रहे हैं। 'उन्होंने एक अन्य पोस्ट में इस योजना के परिवर्तनकारी प्रभाव की झलक भी साझा की। माईगॉवइंडिया की ओर से साझा किए गए एक पोस्ट में कहा गया कि दीर्घकालिक बीमारी किसी परिवार के लिए आर्थिक बोझ नहीं बननी चाहिए। प्रधानमंत्री की सोच के अनुरूप यह योजना दीर्घकालिक बीमारियों के लिए आवश्यक दवाओं को सुलभ और किफायती बनाकर स्वास्थ्य सेवाओं में बदलाव ला रही है।

आंकड़ों के अनुसार जन औषधि केंद्रों पर उपलब्ध दवाएं ब्रांडेड दवाओं की तुलना में 50 से 80 प्रतिशत तक सस्ती हैं, जिससे देशभर के परिवारों के स्वास्थ्य खर्च में उल्लेखनीय कमी आई है। इन केंद्रों से दवाएं खरीदकर लोगों ने अब तक 40,000 करोड़ रुपये से अधिक की बचत की है और प्रतिदिन लगभग 15 लाख ग्राहक यहां से दवाएं खरीदते हैं।

योजना के तहत केंद्रों का नेटवर्क भी तेजी से बढ़ा है। वर्ष 2014 में जहां केवल 80 केंद्र थे, वहीं 2026 तक इनकी संख्या बढ़कर

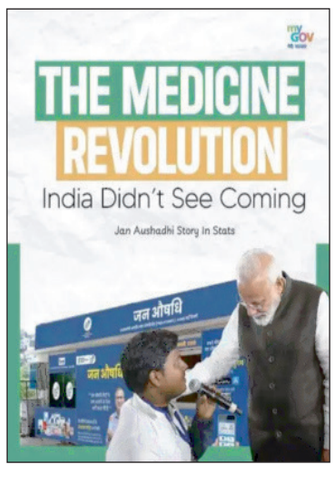

लगभग 18,000 हो गई है।जन औषधि केंद्रों की बिक्री में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2014-15 में 7.29 करोड़ रुपये की बिक्री से बढ़कर फरवरी 2025 तक यह आंकड़ा 2,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है, जो योजना पर बढ़ते जन विश्वास को दर्शाता है। इन केंद्रों पर वर्तमान में 29 चिकित्सीय श्रेणियों में 2,110 से अधिक दवाएं और 315 सर्जिकल उत्पाद उपलब्ध हैं। इसके साथ ही मासिक धर्म स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए यहां एक रुपये प्रति पैड की दर से सेनेटरी पैड उपलब्ध कराए जा रहे हैं और अब तक 100 करोड़ से अधिक पैड बेचे जा चुके हैं।

नारी राष्ट्र निर्माण की मजबूत शक्ति बनकर उभर रही है : रेखा गुप्ता

•मुख्यमंत्री ने 'भारती-नारी से नारायणी' महिला विचारकों के राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज नारी शक्ति राष्ट्र निर्माण की एक मजबूत शक्ति बनकर उभर रही है। महिलाओं को सशक्त बनाना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री शनिवार को विज्ञान भवन में 'भारती-नारी से नारायणी' महिला विचारकों के राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रही थीं। दो दिवसीय इस सम्मेलन का आयोजन राष्ट्र सेविका समिति, भारतीय विद्वत परिषद और शरण्या द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में लखपति बिटिया योजना, सहेली पिंक स्मार्ट कार्ड, कोलेट्रल-फ्री लोन और नाइट शिफ्ट में काम करने की अनुमति जैसे कदमों के माध्यम से नारी शक्ति को सुरक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख संचालिका वी. शांता कुमारी, राष्ट्र सेविका समिति की अखिल भारतीय तरुणी प्रमुख विजया शर्मा, भारतीय विद्वत परिषद की कार्यदर्शी प्रो. शिवानी वी., शरण्या की

अध्यक्ष अंजु आहूजा, शरण्या की सचिव प्रो. चारू कालरा, समाज सेविका डॉ. तेजस्विनी अनंत कुमार सहित अन्य समाजसेविकाएं उपस्थित रहीं। सम्मेलन में देशभर से लगभग 1500 महिला विचारक भाग ले रही हैं। महिला सांसदों, विश्वविद्यालयों की महिला कुलपतियों और महिला संतों के लिए अलग-अलग विशेष सत्र रखे गए हैं। साध्वी संगम में देशभर की महिला संत हिस्सा लेंगी। सम्मेलन में आठ प्रमुख विषयों- विद्या, शक्ति, मुक्ति, चेतना, प्रकृति, संस्कृति, सिद्धि और कृति पर विमर्श किया जाएगा। विद्या थीम के तहत महिलाओं की उच्च शिक्षा, बच्चियों के ड्रॉपआउट की समस्या और आत्मरक्षा को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने पर चर्चा होगी। शक्ति थीम में आत्मनिर्भरता और वित्तीय साक्षरता पर विचार होगा।

पत्रकार हत्याकांड में डेरामुखी राम रहीम बरी

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट का फैसला

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाते हुए डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को पत्रकार हत्याकांड में बरी कर दिया है। यह फैसला शनिवार सुबह चीफ जस्टिस शील नागू तथा जस्टिस वीरेंद्र अग्रवाल की खंडपीठ ने सुनाया। हाईकोर्ट का यह फैसला सीबीआई कोर्ट द्वारा करीब सात साल पहले पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में दोषी ठहराए जाने के बाद सुनाया गया है। रामचंद्र छत्रपति की हत्या वर्ष 2002 में हुई थी। लंबी जांच के बाद मामला सीबीआई को सौंपा गया। जिसने राम रहीम और दूसरों पर हत्या का मुकदमा चलाया। राम रहीम अभी दूसरे मामलों में जेल की सज़ा काट रहा है, जिसमें रेप और दूसरे अपराधों से जुड़े आरोप शामिल हैं। हाई

कोर्ट का नया फैसला लंबे समय से चल रहे छत्रपति मर्डर केस में एक बड़ा कानूनी मोड़ है। इस मामले की सीबीआई जांच के बाद वर्ष 2019 में दोषी ठहराया गया था। रामचंद्र छत्रपति सिरसा से अपना एक अखबार निकालते थे। उन्होंने डेरा से जुड़े कई समाचार प्रमुखता से उठाए थे। सबसे पहले साध्वी यौन शोषण हत्याकांड की खबर उन्होंने अपने लोकल अखबार में प्रकाशित की थी। जिसके कुछ समय बाद उनकी हत्या कर दी गई। हाईकोर्ट ने शनिवार को राम रहीम को इस मामले में बरी करते हुए तीन अन्य कुलदीप सिंह, निर्मल सिंह व कृष्णलाल की अपील खारिज कर उनकी सजा को बरकरार रखा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 9वें अंतरराष्ट्रीय संथाल सम्मेलन में शामिल हुईं

•राष्ट्रपति ने कहा कि 1925 में पंडित रघुनाथ मुर्मू ने ओल चिकी स्क्रिप्ट बनाई थी। हाल ही में, हमने इस इन्वेंशन की 100वीं सालगिरह मनाई है।

एजेंसी

दार्जिलिंग । भारतीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शनिवार को दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल में 9वें अंतरराष्ट्रीय संथाल कॉन्फ्रेंस में शामिल हुईं। इस मौके पर राष्ट्रपति ने कहा कि यह संथाल समुदाय के लिए गर्व की बात है कि हमारे पूर्वज तिलका मांझी ने करीब 240 साल पहले शोषण के खिलाफ बगावत का झंडा उठाया था। उनके बगावत के करीब 60 साल बाद, बहादुर सिदो-कान्हू और चांद-भैरव ने बहादुर फूलो-झानो के साथ मिलकर 1855 में संथाल हुल का नेतृत्व किया था। राष्ट्रपति ने कहा कि साल 2003 को संथाल समुदाय के इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा। उस साल, संथाल भाषा को भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया था। पिछले साल, पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी

की जयंती पर, संथाल भाषा में ओल चिकी स्क्रिप्ट में लिखा गया भारत का संविधान जारी किया गया था। राष्ट्रपति ने कहा कि 1925 में पंडित रघुनाथ मुर्मू ने ओल चिकी स्क्रिप्ट बनाई थी। हाल ही में, हमने इस इन्वेंशन की 100वीं सालगिरह मनाई है। उनके योगदान ने संथाल भाषा बोलने वालों को अपनी बात कहने का एक नया मौका दिया। उन्होंने 'बिदु चंदन,' 'खेरवाल वीर,' 'दलेगे धन,' और 'सिदो कान्हू - संताल हुल' जैसे नाटक भी लिखे। इस तरह, उन्होंने संथाल समुदाय में साहित्य और सामाजिक चेतना की रोशनी फैलाई। उन्होंने कहा कि संथाल समुदाय के लोगों को दूसरी भाषाएं और स्क्रिप्ट पढ़नी चाहिए, लेकिन अपनी भाषा से जुड़े रहना चाहिए।

सीकर में सुबह 3.5 तीव्रता का भूकंप, खाटूश्यामजी सहित कई क्षेत्रों में महसूस हुए झटके

सीकर (एजेंसी)। (ईएमएस)।राजस्थान के सीकर जिले में शनिवार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए, जिससे कुछ समय के लिए लोगों में दहशत का माहौल बन गया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार सुबह 6 बजकर 32 मिनट पर आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.5 दर्ज की गई। भूकंप का केंद्र सीकर जिले में ही बताया गया है। झटके खाटूश्यामजी, रानोली, फतेहपुर और लक्ष्मणगढ़ सहित आसपास के कई गांवों और कस्बों में महसूस किए गए। अचानक आए कंपन के कारण कई घरों में पंखे और बर्तन हिलने लगे, जिससे लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। स्थानीय लोगों के अनुसार झटके कुछ सेकंड तक ही महसूस हुए, लेकिन सुबह-सुबह भूकंप आने से लोग काफी घबरा गए और एहतियातन कुछ समय तक घरों के बाहर ही रहे। खाटूश्यामजी क्षेत्र में होटल और धर्मशालाओं में ठहरे श्रद्धालु भी झटके महसूस होने के बाद बाहर निकल आए। हालांकि प्रशासन और स्थानीय सूत्रों के मुताबिक इस भूकंप से किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। भूकंप की तीव्रता कम होने के कारण किसी बड़े नुकसान की आशंका नहीं रही।

जींद की फैक्ट्री में भीषण अग्निकांड : 4 महिलाओं की जिंदा जलकर मौत, 20 मजदूर झुलसे

जींद (एजेंसी)। हरियाणा के जींद जिले के सफीदों इलाके में एक रंग-गुलाल बनाने वाली फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। यह हादसा इतना भयानक था कि फैक्ट्री के मुख्य द्वार पर बाहर से ताला लगा होने के कारण अंदर फंसे मजदूर बाहर नहीं निकल सके। परिणामस्वरूप चार महिला मजदूर जिंदा जलकर मर गईं, जबकि करीब 20 मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए है। घटना भाट कॉलोनी स्थित फैक्ट्री में हुई, जहां होली के रंग और गुलाल का उत्पादन होता था। आग लगाने के दौरान फैक्ट्री में करीब 30 मजदूर काम कर रहे थे। आग लगने की सूचना पाते ही लोग और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं। बाहर से ताला लगा होने के कारण मजदूर अंदर फंस गए थे। लोगों ने दरवाजा तोड़कर कई मजदूरों को बाहर निकाला, लेकिन देरी होने से चार महिलाओं की मौत हो गई। दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया गया है। आग तेजी से फैल गई और पूरे परिसर में धुआं व लपटें उठने लगीं। फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घायल मजदूरों को पहले सफीदों के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से कई गंभीर मरीजों को पानीपत के बेहतर अस्पताल रेफर किया गया। उनका इलाज जारी है। इलाके में मातम का माहौल है। मृतक महिलाओं के परिजन रो-रोकर बिलख रहे हैं। मजदूरों का आरोप है कि ताला लगे होने के कारण वे समय पर बाहर नहीं निकल सके, जिससे हादसा और भयानक हो गया। प्रशासन ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है और फैक्ट्री मालिक से पूछताछ की जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़, 10 करोड़ रुपये का मादक पदार्थ बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने नेपाल, भारत और श्रीलंका से जुड़े एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने 77.60 किलोग्राम हैशिश ऑयल और 2 किलोग्राम चरस जब्त की है, जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 10 करोड़ रुपये बताई जा रही है। एनसीबी के अधिकारियों ने बताया कि इस ऑपरेशन में तस्करों द्वारा इस्तेमाल की गई दो कारें, एक मोटरसाइकिल और एक मछली पकड़ने वाली नाव भी जब्त की गई हैं। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि तस्कर समुद्री रास्तों और सीमावर्ती क्षेत्रों का इस्तेमाल करते हुए मादक पदार्थ भारत में लाते थे और फिर उन्हें विभिन्न राज्यों तथा अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाते थे। इस मामले में अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक श्रीलंकाई शरणार्थी भी शामिल है, जिसे नेटवर्क की अहम कड़ी माना जा रहा है। एजेंसी उससे पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस गिरोह के अन्य सदस्य कौन-कौन हैं और यह नेटवर्क किन-किन देशों में फैला हुआ है। सूत्रों के अनुसार, गिरोह नेपाल और श्रीलंका के रास्ते मादक पदार्थ भारत में लाता था। एनसीबी को इस नेटवर्क की गतिविधियों के बारे में खुफिया जानकारी मिली थी, जिसके आधार पर विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर यह कार्रवाई की गई। एनसीबी अधिकारियों ने कहा कि पूरे नेटवर्क की गहन जांच जारी है और आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। साथ ही यह पता लगाया जा रहा है कि इस तस्करी के पीछे कौन-कौन से अंतरराष्ट्रीय गिरोह सक्रिय हैं। एजेंसी ने स्पष्ट किया कि देश में मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

बादशाह के नए गाने पर विवाद, पुलिस और महिला आयोग ने उठाया कदम

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणवी रैपर और सिंगर बादशाह के नए गाने 'टटीरी' को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। गाने में कथित अश्लील शब्दों और आपत्तिजनक दृश्यों का इस्तेमाल किए जाने के आरोप लगे हैं। पंचकूला के एक व्यक्ति ने शिकायत की है कि वीडियो में 'पाठशाला' शब्द को बदलकर 'बादशाला' दिखाया गया और लड़कियों को स्कूल यूनिफॉर्म में डांस करते दिखाया गया। शिकायतकर्ता का कहना है कि इससे स्कूल जैसी पवित्र जगह की छवि खराब होती है और बच्चों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। शिकायत के आधार पर साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन ने बादशाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। इसमें इंडीसेंट रिप्रेजेंटेशन आफ वूमेन (प्रोहिविशन) एक्ट 1986 की धारा 3 और 4 तथा बीएनएस एक्ट की धारा 296 के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस कार्रवाई के बाद यूट्यूब ने भी विवादित गाने को अपने प्लेटफॉर्म से हटा दिया। हरियाणा महिला आयोग ने भी इस मामले पर गंभीर चिंता जताई और बादशाह को 13 मार्च को पानीपत डी.सी. ऑफिस में पेश होने का समन जारी किया। आयोग का कहना है कि वीडियो में हरियाणा की छात्राओं को आपत्तिजनक तरीके से दिखाया गया है। आयोग ने फिल्म सेंसर बोर्ड से भी गाने पर रोक लगाने की मांग की है। सोशल मीडिया पर गाने को लेकर बहस छिड़ गई है। कुछ लोग इसे संस्कृति और छात्राओं की छवि के खिलाफ मान रहे हैं, जबकि अन्य इसे केवल मनोरंजन का हिस्सा बता रहे हैं। विवाद लगातार बढ़ रहा है और 13 मार्च की पेशी पर सबकी नजरें टिकी हुई हैं।

केशव प्रसाद मौर्य के हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग... उड़ान भरते ही अचानक धुआं निकला

-पायलट से सूझ-बूझ दिखाकर अमौसी एयरपोर्ट पर आपातकालीन लैंडिंग कराई

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ में शनिवार को उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। वे शनिवार सुबह राजधानी लखनऊ से कौशांबी जा रहे थे और सुबह ला मार्टिनियर स्कूल के ग्राउंड से उड़ान भरी। उड़ान के दौरान हेलीकॉप्टर से अचानक धुआं निकलने लगा और 2000 फीट की ऊंचाई पर डिस्प्ले बोर्ड बंद हो गया। इसके बाद पायलट ने तकनीकी खराबी को समझते हुए तुरंत लखनऊ एटीसी से संपर्क कर अमौसी एयरपोर्ट पर आपातकालीन लैंडिंग की इजाजत मांगी।

पायलट ने हेलीकॉप्टर को एयरपोर्ट की ओर मोड़ते ही धुआं बढ़ गया और केबिन में फैल गया। सुरक्षा टीमों के पुख्ता इंतजाम के बीच हेलीकॉप्टर को सुरक्षित रूप से अमौसी एयरपोर्ट पर उतारा गया। उपमुख्यमंत्री मौर्य तुरंत बाहर निकले आए और अब वे दूसरे हेलीकॉप्टर से कौशांबी के लिए रवाना होने वाले है। वहां उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य केशव बाबू सिंह डिग्री कॉलेज मैदान, सयारा में दो दिवसीय सरस महोत्सव का उद्घाटन करने वाले है।

बात दें कि यह हेलीकॉप्टर यूपी सरकार का है और इसका संचालन नागरिक उड्डयन विभाग के तहत होता है। विभाग के निदेशक ईशान प्रताप सिंह हैं, जो सीएम योगी के विशेष सचिव भी हैं। केशव मौर्य के हेलीकॉप्टर की तकनीकी खराबियों की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले 28 फरवरी 2022 को चुनावी सभा के दौरान ईंधन की कमी के कारण कुशीनगर के महावीर इंटर कॉलेज मैदान में, 14 फरवरी 2019 को आजमगढ़ में और 30 मार्च 2018 को रायबरेली के फुरसतगंज में इमरजेंसी लैंडिंग हुई थी। ला मार्टिनियर स्कूल से अमौसी एयरपोर्ट की हवाई दूरी करीब 11-12 किलोमीटर है। हेलीकॉप्टर उड़ान भरने के 50 किलोमीटर दूर बछरावां तक पहुंचा था, जब तकनीकी गड़बड़ी सामने आई। पायलट की सतर्कता और सुरक्षा व्यवस्था के कारण उपमुख्यमंत्री सुरक्षित रहे। इस घटना ने हवाई सुरक्षा और सरकारी उड़ानों की तकनीकी जांच की आवश्यकता को फिर से उजागर किया है।

मैं उन सभी संतों के साथ हूं जो गो माता, गीता और सनातन की बात करते हैं : धीरेंद्र शास्त्री

-बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर काशी पहुंचे एक माह तक रहेंगे एकांतवास में

वाराणसी (एजेंसी)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि मैं उन सभी संतों के साथ हूं जो गो माता, गीता और सनातन की बात करते हैं। शंकराचार्य ने गाय का मुद्दा उठाया है। पूरे देश में गो माता को लेकर अभियान चल रहा है। हम गो सेवक होने के नाते उनका नैतिक रूप से समर्थन करते हैं। लेकिन लखनऊ के लिए हमें आमंत्रण नहीं मिला है। मैं एक महीने के लिए एकांतवास के लिए जा रहा हूं। धीरेंद्र शात्री शुक्रवार को अपनी मां के साथ काशी पहुंचे। उन्होंने बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम योगी से टकराव के बीच शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद गो, गंगा और सनातन की रक्षा के लिए 11 मार्च को लखनऊ में सभा करेंगे। हालांकि अभी उन्हें सभा की परमिशन नहीं मिली है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य भी काशी में थे। पत्रकारों ने उनसे सवाल किया कि क्या शंकराचार्य को सभा करने की अनुमति मिलेगी? इस पर केशव ने कहा कि परमिशन देना मेरा काम नहीं है। इसके बाद उन्होंने इस मसले पर चुप्पी साध ली। धीरेंद्र शास्त्री ने प्रशंसकों को सकारात्मक जीवन जीने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि काशी आना उनके लिए हमेशा विशेष अनुभव रहता है, क्योंकि यह भगवान शिव की नगरी है और यहां की आध्यात्मिक ऊर्जा पूरे देश को प्रेरित करती है। उन्होंने इंडियन क्रिकेट टीम के फाइनल में पहुंचने पर पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने विश्वास जताया कि इंडियन टीम निश्चित रूप से जीत हासिल करेगी और देश का नाम रोशन करेगी। शास्त्री ने यह भी कहा कि भारत की सनातन की विचारधारा से पूरे विश्व में शांति आ सकती है। सनातन की संस्कृति में वह ताकत है कि वह विश्व में शांति और संतुलन बना सकती है।

भारत को ईरान युद्ध में खींचा तो नहीं जाएगा, इसका असर साफ नजर आएगा

-कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा- भारत करे युद्ध रुकवाने और शांति की कोशिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध का सीधा असर दुनिया पर पड़ रहा है। इसी बीच कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद शशि थरूर ने कहा कि भारत को इस युद्ध में खींचा तो नहीं जाएगा लेकिन इसका असर साफ तौर पर नजर आएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक थरूर ने कहा कि भारत की कोशिश यही होना चाहिए कि किसी भी तरह से यह युद्ध जल्द रुक जाए। उन्होंने कहा कि भारत को भी युद्ध को रोकने और शांति स्थापित करने में पीछे नहीं रहना चाहिए।

रिपोर्ट के मुताबिक शशि थरूर ने कहा कि भारत के लाखों लोग खाड़ी देशों में रहते हैं। इसके अलावा ईरान में ही बड़ी संख्या में भारतीय रहते हैं। वे सभी इस युद्ध से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि करीब एक करोड़ के आसपास भारतीय खाड़ी देशों में रहते हैं। उनका ना केवल आना जाना प्रभावित हुआ है बल्कि जीविका पर भी संकट छा गया है। बता दें अमेरिका ने भारत समेत कई देशों को रूस से तेल खरीदने की 30 दिन की छूट दी है। युद्ध की वजह से दुनियाभर में कच्चे तेल की सप्लाई प्रभावित होने के बाद ट्रंप ने यह फैसला किया है। थरूर ने कहा कि अगर कंपनियां रूस से तेल खरीदती भी हैं तब भी एक महीने बाद उन्हें फिर से समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

थरूर ने शुक्रवार को कहा कि जी20 इस तरह से विकसित हो सकता है जिससे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की प्रधानता को खतरा पैदा हो सकता है क्योंकि यह आज की समकालीन वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करता है और किसी चार्टर से बाधित नहीं है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र का अस्तित्व बना रहेगा और भले ही यह वह संयुक्त राष्ट्र नहीं हो सकता है जिसकी 1945 में कल्पना की गई थी, लेकिन यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग का केंद्र होगा। उनका कहना था- मैं जो देख रहा हूं वह अंतरराष्ट्रीय सहयोग के कई स्वरूप हैं। उनमें से सबसे उल्लेखनीय जी20 है जो संयुक्त राष्ट्र के विपरीत किसी चार्टर द्वारा बाधित नहीं है।

बजट सत्र का दूसरा चरण: 9 मार्च को स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा की संभावना

भाजपा और कांग्रेस ने सांसदों को जारी किया तीन-लाइन व्हिप

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण 9 मार्च से शुरू होकर 2 अप्रैल तक चलेगा। सत्र के दूसरे चरण की शुरुआत ही राजनीतिक रूप से काफी अहम मानी जा रही है, क्योंकि पहले ही दिन लोकसभा अध्यक्ष को पद से हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा होने की संभावना जताई जा रही है। इस मुद्दे को देखते हुए भाजपा और कांग्रेस दोनों ने अपने-अपने लोकसभा सांसदों को 9 से 11 मार्च तक सदन में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के लिए तीन-लाइन व्हिप जारी किया है।

कांग्रेस ने अपने सांसदों को निर्देश दिया है कि वे इन दिनों सदन में उपस्थित रहें, क्योंकि विपक्ष की ओर से लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ लाए गए प्रस्ताव पर चर्चा हो सकती है। वहीं सत्तारूढ़ भाजपा ने भी अपने सांसदों को सदन में मौजूद रहने का निर्देश देते हुए महत्वपूर्ण मतदान के लिए तैयार रहने को कहा है। दरअसल, विपक्षी दलों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को उनके पद से हटाने के लिए प्रस्ताव का नोटिस दिया है। इस प्रस्ताव पर विपक्ष के 118 सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। हालांकि तृणमूल कांग्रेस के 29 सांसदों ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। इसके बावजूद पार्टी सूत्रों के अनुसार तृणमूल कांग्रेस के सांसद पार्टी नेतृत्व के निर्देश के अनुसार प्रस्ताव का समर्थन कर सकते हैं और मतदान के दौरान स्पीकर के खिलाफ वोट देने की संभावना है।

विपक्ष का आरोप है कि लोकसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही के संचालन में पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया और कई मौकों पर विपक्षी नेताओं को अपनी बात रखने का पर्याप्त अवसर नहीं दिया। इसी आरोप के आधार पर उन्हें पद से हटाने का प्रस्ताव लाया गया है।

संसदीय नियमों के अनुसार लोकसभा अध्यक्ष को हटाने का प्रस्ताव साधारण बहुमत से पारित किया जा सकता है। हालांकि मौजूदा लोकसभा की संख्या बल को देखते हुए इस प्रस्ताव के पारित होने की संभावना कम मानी जा रही है। वर्तमान में एनडीए के पास लगभग 290 से अधिक सांसदों का समर्थन है, जो प्रस्ताव को पारित होने से रोकने के लिए पर्याप्त माना जा रहा है।

प्रक्रिया के तहत जब इस प्रस्ताव पर चर्चा होगी, तब लोकसभा अध्यक्ष स्वयं सदन की अध्यक्षता नहीं करेंगे। हालांकि उन्हें अपनी बात रखने और प्रस्ताव पर होने वाले मतदान में हिस्सा लेने का अधिकार होगा। बजट सत्र के दूसरे चरण की शुरुआत से पहले ही इस मुद्दे ने संसद के भीतर के राजनीतिक माहौल को गर्मा दिया है।

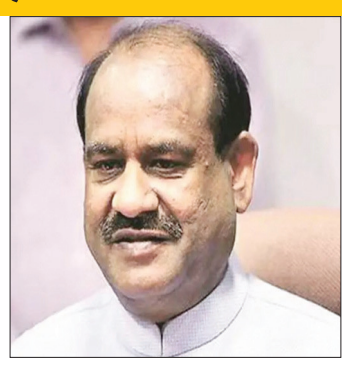

महिला कर्मचारियों के लिए आज से शुरु होगा, यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज करने के लिए एप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेल मंत्रालय ने महिला कर्मचारियों के लिए कार्यस्थल पर होने वाले सेक्सुअल हैरेसमेंट की शिकायत दर्ज कराने के लिए ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट सिस्टम (एचआरएमएस) एप में एक नया फीचर शुरू करने का फैसला किया है। यह फीचर 8 मार्च, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस से शुरू होगा। इसके जरिए महिला कर्मचारी अपनी शिकायत सीधे ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगी, जो संबंधित आंतरिक शिकायत समिति (आईसी) तक तुरंत पहुंच जाएगी। मंत्रालय के अनुसार सेक्सुअल हैरेसमेंट इंसीडेंट नॉटिफिकेशन फॉर एम्पॉवरमेंट नाम का मॉड्यूल शिकायतों को गोपनीय तरीके से और जल्दी निपटाने में मदद करेगा। इस पोर्टल पर बाहरी महिला आगंतुकों, ठेका कर्मचारियों, मजदूरों या छात्रों की ओर से भी शिकायत दर्ज की जा सकेगी।

धूप दिखाने लगी अपना असर, दिल्ली में रात का तापमान भी सामान्य से ज्यादा

-यूपी के ज्यादातर जिलों में तेज धूप खिलेगी, कुछ जगहों पर छा सकते हैं हल्के बादल

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर और पश्चिम भारत में तापमान सामान्य से दो या तीन डिग्री ज्यादा दर्ज किया जा रहा है। दिल्ली में भी चटक धूप पढ़ने से तापमान बढ़ गया है। शुक्रवार को राजधानी दिल्ली का अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो कि सामान्य से सात डिग्री ज्यादा था। दिल्ली में रात का तापमान भी सामान्य से ज्यादा दर्ज किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक यूपी में भी गर्मी का प्रकोप बढ़ रहा है। 7 मार्च तक मौसम शुष्क बने रहने का अनुमान है। यूपी में फिलहाल बारिश का कोई अलर्ट नहीं है। राज्य के ज्यादातर जिलों में तेज धूप खिलेगी। कुछ जगहों पर हल्के बादल छाए रह सकते हैं। इससे गर्मी से निजात नहीं मिलने वाली।

पंजाब और हरियाणा में भी लगातार पारा बढ़ने का अनुमान है। यहां सर्दी की करीब विदाई हो चुकी है। पंजाब और हरियाणा में दिन का अधिकतम तापमान 32 डिग्री के आसपास रह सकता है। वहीं राजस्थान में भी तापमान सामान्य से ज्यादा है। कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के ऐक्टिव होने की वजह से बाड़मेर और आसपास के इलाकों में 30 से 35 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है।

मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के चलते शनिवार से उत्तराखंड के मौसम में बदलाव देखा जा रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून की ओर से जारी पूर्वानुमान के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ का असर उत्तराखंड मे 12 मार्च तक देखने को मिल सकता है। शनिवार को उत्तराखंड के उत्तरकाशी चमोली पिथौरागढ़ जिलों के कुछ स्थानों पर गरज चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है, जबकि 4000 मी व उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी के आसार हैं। मौसम विभाग ने राज्य के अन्य जनपदों में मौसम शुष्क होने की संभावना जताई है। इसी तरह 8 मार्च को उत्तराखंड के उत्तरकाशी चमोली पिथौरागढ़ के कुछ क्षेत्रों में हेल स्काई लाइटनिंग के साथ हल्की बारिश होने का अनुमान जताया गया है।

देहरादून स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक ने बताया कि 8 मार्च को पर्वतीय जिलों के 3800 मीटर से ज्यादा ऊंचाई वाले क्षेत्रों पर हिमपात होने के आसार हैं। इसके बाद 9 मार्च को एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के कारण उत्तरकाशी रुद्रप्रयाग चमोली बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों के कुछ स्थानों पर हल्की बरसात के साथ आकाशीय बिजली चमकने की संभावना है, साथी पहाड़ी जिलों के 3800 मीटर से ज्यादा ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी हो सकती है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में भी बारिश की संभावना है।

नीतीश मामले पर बोले विजय गोयल- 75 वर्ष के बाद राजनीति से स्वैच्छिक विराम की परंपरा बने

-कहा— नए नेताओं को मिलना चाहिए अवसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के फैसले के बाद सियासी हलकों में चर्चा तेज हो गई है। इसी बीच भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय गोयल ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि 75 वर्ष की आयु के बाद सक्रिय राजनीति से स्वेच्छा से हटने की परंपरा विकसित होनी चाहिए, ताकि नए नेताओं को आगे आने का अवसर मिल सके।

भाजपा नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री के राज्यसभा जाने के फैसले पर अनावश्यक हंगामा खड़ा किया जा रहा है, जबकि असली बहस इस बात पर होनी चाहिए कि वरिष्ठ नेताओं को एक निश्चित आयु के बाद सक्रिय राजनीति से स्वयं पीछे हटने की पहल करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे लोकतंत्र में नई पीढ़ी के नेतृत्व को आगे बढ़ने का मौका मिलेगा और वरिष्ठ नेता अपने लंबे सार्वजनिक जीवन का शांतिपूर्वक मूल्यांकन भी कर सकेंगे। दरअसल भाजपा नेता विजय गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपने पोस्ट में लिखा कि सभी जानते हैं कि नीतीश कुमार का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पहले जैसा नहीं रहा है। ऐसे में वे राज्यसभा जाएं या न जाएं, इससे न उन्हें कोई विशेष फर्क पड़ता है और न ही देश या राज्य की राजनीति पर बड़ा असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद इस विषय को लेकर अनावश्यक रूप से हाय-तौबा मचाई जा रही है।

गौरतलब है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल कर चुके हैं। उनके इस फैसले के बाद जनता दल (यू) के कई कार्यकर्ताओं और नेताओं ने उनसे निर्णय पर पुनर्विचार करने की अपील की है। हालांकि 6 मार्च को हुई पार्टी बैठक में नीतीश कुमार ने स्पष्ट कर दिया कि वे राज्यसभा जाएंगे, लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वे बिहार की राजनीति और पार्टी से जुड़े रहेंगे।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने विधायकों और पार्टी नेताओं से कहा कि वे चिंता न करें और संगठन को मजबूत करने के लिए काम जारी रखें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे राजनीति से संन्यास नहीं ले रहे हैं।

अमेरिका के साथ संधि किसी भी संघर्ष में शामिल होने हमें मजबूर नहीं कर सकती: भारत

-ईरानी युद्धपोत को डुबाने को लेकर अमेरिकी सेना के पूर्व अधिकारी ने किया झूठा दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका के दक्षिणी समुद्री तट के पास हिंद महासागर में अमेरिका ने ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस डेना को परमाणु पनडुब्बी से टॉरपीडो हमला करके डुबोया है, उसके बाद भारत और अमेरिका के बीच हुई एक दशक पुरानी संधि लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट की अहमियत बढ़ गई है। दरअसल, बिना संधि का जिक्र किए अमेरिकी सेना के एक पूर्व अधिकारी ने इसकी ओर इशारा करते हुए एक झूठा दावा किया है, जिसके बाद इसे समझना जरूरी हो गया है। भारत सरकार ने पहले ही साफ कर दिया है कि यह संधि किसी भी संघर्ष में शामिल होने के लिए हमें मजबूर नहीं कर सकती।

भारत और अमेरिका ने 29 अगस्त, 2016 को लॉजिस्टिक्स एक्सचेंज मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए थे। यह एक तरह से बुनियादी सैन्य समझौता है, जिसके तहत एक-दूसरे को ईंधन भरने, सप्लाई और मरम्मत के लिए मिलिट्री सुविधाओं के आपसी इस्तेमाल की सुविधा मिलती है।

अमेरिका की कई देशों के साथ ऐसी संधि है। यह संबंधित देशों और अमेरिका के बीच आपसी सैन्य सहयोग के लिए की गई है। यह संधि मूल रूप से दोनों देशों को सैन्य गतिविधियों के लिए ईंधन और मरम्मत जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराती है। भारत-अमेरिका लंबे समय से साझा युद्धाभ्यास करते हैं, जिसमें इस तरह की प्रैक्टिस हमेशा से रही है। इस संधि के जरिए सिर्फ इस प्रक्रिया को स्ट्रीमलाइन किया गया है और दोनों ओर से भुगतान और अन्य लॉजिस्टिक सुविधाओं के उपयोग के लिए नोडल प्वाइंट तय किए गए हैं।

आपस में लॉजिस्टिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के अलावा यह संधि मुख्य तौर पर चार क्षेत्रों को कवर करती है। इसमें पोर्ट कॉल, संयुक्त युद्धाभ्यास, साझा मिलिट्री ट्रेनिंग और मानवीय सहायता के साथ-साथ आपात स्थिति में मदद करना शामिल है। हालांकि, किसी भी स्थिति में इस संधि पर अमल दोनों तरफ से आपसी सहमति से ही हो सकता है, जो मामले पर निर्भर करता है। इस समझौते में ऐसी कोई भी व्यवस्था नहीं है। भारत की धरती पर अमेरिकी सैनिक या संपत्ति का कोई अड्डा नहीं हो सकता है। यह पूरी तरह से एक लॉजिस्टिक समझौता है। भारत जरूरत पड़ने पर अमेरिकी सैन्य सुविधाओं का जरुरत के मुताबिक लॉजिस्टिक इस्तेमाल कर सकता है और यही अमेरिका भी भारत में कर सकता है।

यह समझौता भारत को किसी भी संघर्ष में शामिल होने का दबाव नहीं डाल सकता और न ही इसकी वजह से भारत स्वत- किसी अंतरराष्ट्रीय संघर्ष में शामिल होने को मजबूर है। दरअसल, अमेरिकी सेना के एक रिटायर्ड अधिकारी ने एक अमेरिकी मीडिया चैनल पर झूठा दावा किया कि अमेरिका ईरान पर हमले के लिए भारतीय नौ सैनिक अड्डे का इस्तेमाल कर रहा है। अमेरिकी पनडुब्बी ने टॉरपीडो हमले में ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस डेना को भारत के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन के बाहर हिंद महासागर में डुबोया है।

भारत का एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन भारतीय समुद्र तट से करीब 370 किलोमीटर या 200 नॉटिकल मील तक फैला है। मतलब, श्रीलंका के दक्षिणी तट से दूर जिस जगह पर अमेरिकी हमला हुआ, वह भारतीय समुद्री सीमा से बहुत दूर है। आईआरआईएस डेना में 130 ईरानी नाविक सवार थे, जिनमें अमेरिकी हमले में 87 लोगों की मौत हो गई और 32 को श्रीलंकाई नेवी ने रेस्क्यू किया। आईआरआईएस डेना से आपात संदेश मिलने के बाद भारतीय नौ सेना भी सर्च ऑर रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल हुई थी।

दवा बैंक बना रहा निरोग, स्वास्थ्य दूत बने सहायक

नोएडा। %लोगों के लिए, लोगों के द्वारा और लोगों के सहयोग से% थीम के तहत काम कर रहा नोएडा लोकमंच चार वर्षों से सेक्टर-12 में निशुल्क दवा बैंक चला रहा है। यह दवा बैंक अबतक करीब 40 हजारों मरीजों को निशुल्क दवा दे चुका है। रोजाना करीब 80-85 मरीज यहां इलाज के लिए आते हैं। लोकमंच के महासचिव महेश सक्सेना ने बताया कि शहर के करीब 30-35 सेक्टरों में 52 स्थानों पर दवा के बॉक्स रखे हैं। सेक्टर के एक निवासी इसकी देखरेख करते हैं। किसी के घर में अतिरिक्त दवाएं होती हैं तो उन्हें इन बॉक्स में डाल दिया जाता है। बॉक्स भर जाने पर इन्हें दवा बैंक में लाया जाता है। इसके बाद फार्मासिस्ट रवि शंकर दवाएं छांटते हैं। एक्सपायर दवाओं को हटा दिया जाता है। अन्य दवाओं की एंट्री सॉफ्टवेयर पर की जाती है। दवा बैंक में मौजूद डॉक्टर मरीजों को देखने के बाद जो दवाएं देते हैं, उनकी एंट्री भी यहां की जाती है। यदि कोई बाहर का मरीज आता है और दवा मांगता है तो पर्चा देखने के बाद डॉक्टर की सलाह पर ही दवा दी जाती है। महेश सक्सेना ने बताया कि चार साल पहले तत्कालीन नोएडा प्राधिकरण सीईओ ऋतु माहेश्वरी और सांसद डॉ. महेश शर्मा ने दवा बैंक का शुभारंभ किया था। उस समय यहां पर डॉक्टर की सुविधा नहीं थी, लेकिन अब यहां जनरल फिजिशियन, फिजियोथेरेपिस्ट, हार्ट स्पेशलिस्ट, गायनोकोलॉजिस्ट आदि मरीजों का इलाज करते हैं। बहुत जल्द आंखों और दांतों का इलाज भी शुरू होने वाला है। जांच की सुविधा सीजीएचएस रेट पर उपलब्ध है। महेश सक्सेना ने बताया कि नोएडा लोकमंच से करीब 120 लोग स्वास्थ्य दूत के रूप में जुड़े हैं। ये लोग प्रतिवर्ष करीब 6000 रुपये देते हैं। इनके आर्थिक सहयोग से यहां का खर्च चलता है। सेवाएं देने वाले कुछ डॉक्टर पूर्णतया निशुल्क और कुछ नाममात्र मानदेय पर सेवा देते हैं।

एमसीडी के हिंदूराव अस्पताल में युवक-युवतियों ने किया हंगामा

नई दिल्ली। एमसीडी के सबसे बड़े अस्पताल हिंदूराव अस्पताल की कैजुअल्टी में मंगलवार तड़के जमकर हंगामा हुआ। यहां तीन युवतियां और एक युवक नशे की हालत में इलाज के लिए पहुंचे थे। ड्यूटी स्टाफ ने जब उनसे मेडिको-लीगल केस (एमएलसी) की औपचारिकताएं पूरी करने को कहा तो वे भड़क गए। अस्पताल कर्मचारियों ने कहा कि चारों युवक-युवतियां शराब के नशे में थे। जैसे ही उनसे एमएलसी के लिए आवश्यक जानकारी मांगी गई, वे गाली-गलौज करने लगे। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और हाथापाई व तोड़फोड़ शुरू हो गई। रात का समय होने और सीमित स्टाफ की मौजूदगी के कारण स्थिति संभालना मुश्किल हो गया।

लोकतंत्र को मजबूत करने और समाज में सार्थक बदलाव लाने के लिए महिलाओं को राजनीति में आगे आना चाहिए: मुख्यमंत्री मान

प्रथम पृष्ठ का शेष

उन्होंने कहा, यह गर्व की बात है कि इनमें से अधिकांश नौकरियाँ लड़कियों को मिली हैं। राज्य के इतिहास में पहली बार किसी सरकार ने बिना भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद के पूरी तरह योग्यता के आधार पर इतनी बड़ी संख्या में नौकरियाँ दी हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये लड़कियाँ अपने-अपने विभागों में काम करते हुए राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास में सक्रिय योगदान देंगी। मुख्यमंत्री ने युवतियों को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण हैं जहाँ साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले लोगों ने कठिन परिश्रम और समर्पण से असाधारण सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि लड़कियों को ऐसी प्रेरणादायक कहानियों से प्रेरणा लेनी चाहिए और पंजाब सरकार इस दिशा में उनका पूरा सहयोग करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विविधता समाज को उसी प्रकार मजबूत बनाती है जैसे अलग-अलग फूल मिलकर एक गुलदस्ता बनाते हैं। जब समाज का हर व्यक्ति अपनी प्रतिभा और समर्पण के साथ योगदान देता है तो व्यवस्था और अधिक मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि पंजाब देश के इतिहास में विशेष स्थान रखता है। पंजाब न केवल देश का अन्नदाता है बल्कि देश की खड़गभुजा भी है। पंजाब के लोग अपनी बहादुरी, मेहनत और उद्यमशीलता के लिए दुनिया भर में जाने जाते हैं। यह महान गुरुओं, संतों और शहीदों की पवित्र भूमि है जिन्होंने हमें अन्याय के खिलाफ खड़े होने की प्रेरणा दी है। महिलाओं को राजनीति में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने और समाज में बदलाव लाने के लिए उनकी भागीदारी बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि लड़कियाँ कई क्षेत्रों में पहले ही लड़कों से आगे निकल चुकी हैं, लेकिन राजनीति अभी भी ऐसा क्षेत्र है जहाँ उनकी भागीदारी कम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजनीति में महिलाओं की भागीदारी से समानता पर आधारित समाज का निर्माण होगा और जमीनी स्तर पर लोकतंत्र मजबूत होगा। उन्होंने महिलाओं से अपने मताधिकार का विवेकपूर्ण उपयोग करने की भी अपील की। महिला स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देते हुए मुख्यमंत्री ने दुर्गा भाभी, जो शहीद-ए-आज़म भगत सिंह की सहयोगी थीं, का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि दुर्गा भाभी ने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और जब क्रांतिकारियों को आर्थिक सहायता की आवश्यकता थी तब उन्होंने अपने गहने तक बेच दिए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब की बेटियों के पास माई भागो, दुर्गा भाभी जैसी अनेक प्रेरणादायक आदर्श हैं और अब समय आ गया है कि वे उनके पदचिन्हों पर चलकर देश की सेवा करें। उन्होंने बताया कि आपातकालीन सेवाओं में महिलाओं की भागीदारी के लिए भी ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। पंजाब देश का पहला राज्य होगा जहाँ अग्निशमन सेवाओं में भी लड़कियाँ शामिल होंगी। इसके लिए कुछ शर्तों में ढील देकर उन्हें अवसर प्रदान किया गया है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने देश के विकास में महिलाओं के योगदान को नमन करते हुए कहा कि किसी भी देश या समाज का इतिहास महिलाओं की भूमिका को स्वीकार किए बिना अधूरा है। उन्होंने कहा कि महान सिख दर्शन महिलाओं को सम्मान, गरिमा और समानता का संदेश देता है। यदि महिलाओं को सही अवसर मिलें तो वे किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं हैं। घर की जिम्मेदारियों के साथ-साथ वे राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि महिलाओं को पहले से समान अवसर मिले होते तो विकास की गति और भी तेज हो सकती थी। उन्होंने यह भी कहा कि पंजाब सरकार महिलाओं के लिए समानता, न्याय और स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए और अधिक समर्पण के साथ कार्य करती रहेगी ताकि वे राज्य और देश की प्रगति में बराबरी की भागीदार बन सकें। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कई महिलाओं को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित भी किया, जिनमें हाल ही में यूपीएससी परीक्षा पास करने वाली युवतियाँ भी शामिल थीं। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री डॉ. बलजीत कौर सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

महिला केयरटेकर की घिनौनी हरकत: सोनिया ने सबको खिलाई नींद की गोली, फिर मंसूबे किए पूरे

दिल्ली। दिल्ली के पश्चिम विहार इलाके में बुजुर्ग महिला की देखभाल के लिए रखी गई एक महिला केयरटेकर ने परिवार के सदस्यों को खाने में नींद की गोली देकर सुला दिया। परिवार के सदस्यों के बेहोश होने पर आरोपी महिला घर से नकदी चोरी कर भाग गई। तकनीकी जांच करने के बाद पुलिस ने आरोपी केयरटेकर को बरेली यूपी से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके पास से 20 हजार रुपये बरामद कर लिए। पुलिस आरोपी महिला से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 26 फरवरी की शाम पश्चिम विहार ईस्ट पुलिस स्टेशन को एक घर में चोरी की शिकायत मिली। सूचना मिलते ही पुलिस बीजी ब्लॉक पश्चिम विहार पहुंची। शिकायतकर्ता शीतल ने बताया कि महिला

केयरटेकर ने घर से 30 से 40 हजार रुपये की चोरी की है। उसने बताया कि करीब दो साल पहले उसके पति का निधन हो गया था और उसके बाद में वह अपनी मां अविता रामेकर और बेटी सिधु निगम के साथ पश्चिम विहार में ही रहती है। उनकी मां दस दिन पहले घर पर ही सीढ़ियों से गिर गईं। उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया था। उनकी सेवा के लिए उन्होंने 25 फरवरी को निहाल विहार की एक एजेंसी एंजल नर्सिंग हेल्थ केयर सर्विसेज से एक महिला केयरटेकर सोनिया सिंह को रखा। 26 फरवरी को बेटी के स्कूल से आने के बाद आरोपी महिला ने 2.30 बजे परिवार के सदस्यों को पराठे और चाय बनाकर दी। जिसे खाते ही तीनों बेहोश हो गए। 4 बजे होश आया तो सोनिया घर से अपना सारा सामान लेकर जा चुकी थी। उसके बैग से 36 हजार रुपये गायब थे। मां ने एक दोस्त पारस को फोन कर बुलाया, जिसने सभी को बेसुध हालत में देखकर पुलिस को फोन किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने क्राइम और फोरेंसिक टीम को बुलाया। टीम ने खाने की चीजों को जब्त कर लिया और पीड़ितों को मेडिकल जांच के लिए संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल लेकर गए। पुलिस ने 27 फरवरी को मामला दर्ज कर लिया। निरीक्षक सुंदर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तकनीकी जांच की, जिसके जरिए आरोपी महिला की लोकेशन बरेली, यूपी में मिली। पुलिस की एक टीम ने वहां जाकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया। उसने बताया कि वह अलग-अलग जगहों पर केयरटेकर के तौर पर काम कर रही थी। वह इससे पहले नोएडा में केयरटेकर के तौर पर काम करती थी। जहां एक बुजुर्ग महिला नींद की गोलियां खाती थी। जहां से उसने छह नींद की गोलियां ली थीं। इन गोलियों को उसने पीड़ित परिवार के खाने में मिलाकर उन्हें बेहोश कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

कार टच करने पर बाइक सवार ने चालक पर चलाई गोली, बाल-बाल बचा

नई दिल्ली। भलस्वा के मुकुंदपुर इलाके में कार टच करने पर हुए विवाद के बाद एक बाइक सवार ने कार चालक पर गोली चला दी। गोलीबारी में पीड़ित अरविंद कुमार पांडे बाल-बाल बच गया। आरोप है कि गोलीबारी के बाद आरोपी ने पथराव कर उसकी कार समेत दो कारों के शीशे तोड़ दिए। घटना को अंजाम देकर आरोपी वहां से भाग गया। पुलिस हत्या का प्रयास का केस कर आरोपी की तलाश कर रही है। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि बुधवार को भलस्वा डेयरी थाना पुलिस को गली नंबर-6, मुकुंदपुर में गोली चलाने और गाड़ी में तोड़फोड़ की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। वहां पुलिस को शिकायतकर्ता मुकुंदपुर-द्वढ्ढ गली नंबर छह निवासी अरविंद कुमार पांडे मिला। उसने बताया कि वह निजी कंपनी में काम करता है। वह शाम करीब 4.50 बजे गली नंबर छह, मुकुंदपुर में अपनी कार बैक कर रहा था, इसी दौरान एक बाइक से उसकी कार टच कर गई। इस बात को लेकर बाइक सवार उससे कहासुनी करने लगा। फिर वह धमकी देकर वहां से चला गया। कुछ देर बाद वह पिस्टल लेकर आया और उसकी तरफ निशाना कर गोली चला दी। हालांकि गोली उसे नहीं लगी। उसके बाद आरोपी ने पथराव कर दिया। जिससे गली में खड़ी दो कारों के शीशे टूट गए। घटना को अंजाम देकर आरोपी वहां से भाग गया। पुलिस को मौके पर छानबीन के दौरान खोखे नहीं मिले। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर मामला दर्ज कर लिया। पुलिस आस पास के सीसीटीवी कैमरे की मदद से आरोपी की पहचान कर उसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

सेवानिवृत्त सेना अधिकारी से 61 लाख की ठगी, केस दर्ज

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर-चाई-1 स्थित एडब्ल्यूएचओ गुरजिंदर विहार में फ्लैट बेचने के नाम पर एक लेफ्टिनेंट कर्नल(सेवानिवृत्त) से करीब 61 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। कोर्ट के आदेश पर बीटा-2 कोतवाली पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है। लेफ्टिनेंट कर्नल के पद से सेवानिवृत्त शंभूनाथ ठाकुर का कहना है कि नवंबर, 2023 में उनकी मुलाकात रियल एस्टेट कारोबारी राजू शर्मा से हुई थी। ग्रेटर नोएडा में फ्लैट के लिए उसने उनकी मुलाकात समीना अहमद उर्फ डिम्पल और उसके सहयोगी सौरभ उर्फ मार्शल से कराई। समीना अहमद ने गुरजिंदर विहार स्थित अपना फ्लैट बेचने की बात कही। 6 नवंबर, 2023 को दोनों पक्षों के बीच 1.50 करोड़ रुपये में सौदा तय हुआ। हालांकि, कीमत बढ़ाने के बाद 15 जुलाई, 2024 को 1.73 करोड़ रुपये में एग्रीमेंट टू सेल किया गया। आरोपी महिला को पीड़ित ने लगभग 61,32,320 रुपये दे दिए, लेकिन न तो फ्लैट की रजिस्ट्री कराई और न ही पैसा लौटाए।

बुराड़ी में होली के झगड़े में युवक की मौत, चाकूबाजी में एक घायल, एक गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के बुराड़ी इलाके में होली के जश्न के दौरान एक दुखद घटना सामने आई है। एक मामूली झगड़े ने हिंसक रूप ले लिया, जिसमें एक युवक की जान चली गई। इस घटना में एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है। मृतक युवक की पहचान नेपाल के रूप में हुई है। यह घटना होली के पावन पर्व पर हुई, जब लोग खुशियां मना रहे थे। बताया जा रहा है कि झगड़े के दौरान धारदार हथियार का इस्तेमाल हुआ। संभवत: चाकू से हमला किया गया। हमलावरों ने अचानक हमला कर दिया, जिससे स्थिति बिगड़ गई। घायल व्यक्ति को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई की है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कई टीमें गठित की हैं। बुराड़ी क्षेत्र में होली के दिन कुछ युवकों के बीच किसी बात को लेकर विवाद शुरू हुआ। यह विवाद धीरे-धीरे बढ़ता गया और मारपीट में बदल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ हमलावरों ने चाकू निकालकर वार करना शुरू कर दिया। नेपाल को गंभीर चोटें आईं और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। दिल्ली पुलिस ने घटना की सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और स्थानीय लोगों से पूछताछ की।

शाही मस्जिद कुदसिया बाग में भव्य इफ्तार का आयोजन, विभिन्न धर्मों के नेताओं की शिरकत

नई दिल्ली, (संवाददाता)= कश्मीरी गेट इलाके में स्थित शाही मस्जिद कुदसिया बाग में एक गरिमामय इफ्तार दावत का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न धर्मों और सामाजिक क्षेत्रों से जुड़ी कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने भाग लिया। इस मुबारक कार्यक्रम का आयोजन मस्जिद के इमाम व ख़तीब मौलाना सैयद शकील अहमद की ओर से किया गया था। इफ्तार दावत में रोज़ेदारों के साथ शहर की कई अहम शख्सियतें भी मौजूद रहीं। इस मौके

पर सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद ज़ाहिद भाई, पूर्व चीफ कमिश्नर परवीन जैन, डीसीपी नोएडा, जत्थेदार जसविंदर सिंह हनी (अध्यक्ष शिरोमणि अकाली दल मास्टर तारा सिंह), वरिष्ठ पत्रकार मोहम्मद गुफरान अफरीदी, परमजीत सिंह पम्मा (अध्यक्ष नेशनल अकाली दल), मोहित सिंह गुज्राल, जे.एस. पुरी, लकी छड्डा, जसपाल सिंह, अजीत सिंह रानी बाग, वाहे गुरु अमर अशोक साहब और बाबा अर्जुन सिंह सहित अन्य गणमान्य लोगों ने शिरकत की। इफ्तार से पहले रमज़ान के मुक़द्दस महीने की अहमियत और उसके रूहानी पैग़ाम पर रोशनी डाली गई। मौलाना सैयद शकील अहमद ने कहा कि रमज़ान का महीना सब्र, परहेज़गारी और इंसानियत के बीच मोहब्बत व भाईचारे को बढ़ावा देने का महीना है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम अलग-अलग धर्मों और समुदायों के बीच आपसी सौहार्द और एकता को मज़बूत करते हैं। इफ्तार के वक्त सभी मौजूद लोगों ने सामूहिक रूप से दुआ की और देश में अमन, तरक्की और भाईचारे के लिए अल्लाह से खास दुआएं मांगीं। इसके बाद सभी मेहमानों ने एक-दूसरे को रमज़ान की मुबारकबाद दी और इस तरह के सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रमों को समय की अहम ज़रूरत बताया। कार्यक्रम के अंत में आयोजक मौलाना सैयद शकील अहमद ने सभी मेहमानों का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि ऐसी महफिलों का मकसद समाज में मोहब्बत, एकता और आपसी सम्मान के पैग़ाम को फैलाना है।

किसान पथ पर तेज रफ्तार एसयूवी ने बाइक में मारी टक्कर, ससुर-दामाद की मौत

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी स्थित बुद्धू खेड़ा में किसान पथ पर बृहस्पतिवार दोपहर तेज रफ्तार एसयूवी ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में घायल महिला समेत बाइक सवार तीन लोगों को गंभीर हालत में पीजीआई स्थित ट्रामा टू में भर्ती कराया। जहां सास ससुर की मौत हो गई। जबकि महिला की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे परिजनों ने रोड जाम कर दिया। प्रदर्शन करने लगे। एसीपी गोसाईगंज ऋषभ यादव, इंस्पेक्टर राजीव रंजन उपाध्याय कई थानों की फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस अफसर परिजनों को समझाने में जुटे हैं। मोहनलालगंज के गोपाल खेड़ा निवासी सुशील कुमार (46) पत्नी और ससुर मुन्नी लाल (60) के साथ बाइक से रिश्तेदार के घर हा रहे थे। तभी रास्ते में किसान पथ पर एसयूवी ने इनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार सुशील और उनके ससुर मुन्नी लाल की मौत हो गई, जबकि सुशील की पत्नी की हालत गंभीर बताई जा रही है।

रिठाला मेट्रो स्टेशन के पास भीषण आग, 70 से ज्यादा झुग्गियां जलकर खाक

दिल्ली। दिल्ली में रिठाला मेट्रो स्टेशन के पास झुग्गियों में बृहस्पतिवार सुबह आग लग गई। आग लगने की जानकारी मिलते ही करीब 15 दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। दमकल विभाग के मुताबिक, आग सुबह 4.15 पर लगी थी, आग में करीब 70 से 80 झुग्गियां जलकर राख हो गई है। आग पर लगभग काबू पा लिया गया है। दमकल विभाग की ओर से तलाशी का काम भी जारी है। रिठाला झुग्गी फायर डिपार्टमेंट से एडीओ सीएल मीणा ने कहा कि आग में एक लड़की की जली हुई बॉडी मिली है और उसे पुलिस को सौंप दिया गया है।

NAME CHANGE
I, ABDUL TAWWAB S/O Shri Abdul Rehman Resident of House No. C-16, Abhimanyu Gali, Near Babu Ram Chowk, Arjun Mohalla, Moujpur, Delhi-110053 have changed my name ABDUL TAUWAB to ABDUL TAWWAB for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SIDDHARATH RANA S/O BHAGWAN RANA residing at H NO-1074, SIRASPUR, DELHI-110042 have changed my name to SIDDHARTH RANA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Kapil Kumar Yadav S/o Dinesh Yadav R/o House No-523 P, Sector-14,Gurgaon,Haryana-122001, Have Changed My Name To Kapil Yadav For All Purpose

NAME CHANGE
I, Pradeep Kumar S/o Prem Chand R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed the name of my minor son from Arjun to Arjun Vaidwan.

NAME CHANGE
I, Anupama D/o Pradeep Kumar R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed my name to Anupama Chaudhary.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Manoj Ram S/o Ram Bilash Ram R/o Flat No-6, Tower-8,Hamelia Street,IRIS,Vatika City, Sector-49, Gurgaon, Haryana-122018, Have Changed My Name To Manoj Kumar For All Purpose

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, DEEPAK KUMAR VERMA S/O PARTAP SINGH resident of H.No.16, Tara Nagar Main Kakrola Road, Kakrola, South West Delhi, Delhi-110078 have changed the name of my minor daughter SHREYA ALIAS SHREYA VERMA aged 13 years, and she shall hereafter be known as SHREYA VERMA.

NAME CHANGE
I hitherto known as SAMEERA SINGH D/O SUDHIR KUMAR SINGH residing at Flat No.E-1058, River Heights, Raj Nagar, Extension, Tower-15, Ghaziabad, U.P.-201001, have changed my name and shall hereafter be known as SAMEERA SINGH AMETHIA.

NAME CHANGE
I, Sushma D/O Shambu Prasad Dharmana W/O Vinod Kumar R/O B-6 Police Colony Mandir Marg New Delhi 110001 Have changed my name to Sushma Badola for all future purposes.

NAME CHANGE
I Swaran Kaur Sawhney W/o Prith Pal Singh R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Changed My Name to Swaran Kaur for all purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Rahul Vishwakarma S/o H.P. Vishvakarma R/o J-4, Ground Floor Gandhi Market, Mir Dard Road, Minto Road, Indraprastha, Central Delhi, Delhi-110002 declare that name of mine has been wrongly written as Rahul Kumar Vishvakarma in my minor daughter namely Anika Vishvakarma aged 5 years in his School Records. The actual name of mine is Rahul Vishwakarma.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that 1 INDU CHAUHAN W/O NARENDER SINGH CHAUHAN R/O N-129/1, T-HUTS, KHILONA BAGH DIST NORTH WEST DELHI-110009 declare that name of mine has been wrongly written as INDU KANWAR in my minor son namely HARSH VARDHAN SINGH CHAUHAN aged 13 years in his school record and birth certificate No. MCDOLIR - 2211-005020356. The actual name of mine is INDU CHAUHAN which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that CHANDER VEER S/O RAM JI LAL R/O Q-157 Vikas Vihar Uttam Nagar West Delhi Delhi-110059 declare that name of mine has been wrongly written as CHANDER PAL in my minor daughter namely KIRTI aged 15 years in her birth certificate No.MCDOLIR-0110-004425168. The actual name of mine is CHANDER VEER which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MOGHAL FATHIMA BAIG Wife of JC-335017L Rank-NB/SUB Name-MOGHAL MOHAMMAD BAIG Presently residing at 9-5-5, ANDHRA RATNA NAGAR, PERALA HIGH SCHOOL, PERALA, CHIRALA PRAKASAM DISTRICT, ANDHRA PRADESH-523157, have changed my name from MOGHAL FATHIMA BAIG to FATHIMA SHAIK for all future purposes vide Affidavit dated 16/07/2025 before First Class Magistrate, Shillong, Meghalaya.

NAME CHANGE
I Jugal Kishor S/o Lila Dhar R/o H.No-196 S/F, Kh.No-619/21, Chattar Pur, South Delhi, Delhi-110074 have changed the name of my minor daughter namely Krishna Devi aged 16 years and she shall hereafter be known as Priya.

NAME CHANGE
I hitherto known as Farman S/o Akeel Ahmed R/o B 272/27, Gali No 4, Subhash Mohalla North Ghonda, Garhi Mendu, Bhajan Pura, North East, Delhi-110053 have changed my name and shall hereafter be known as Farman Ahmed.

NAME CHANGE
I hitherto known as Atif S/o Manzoor Khan R/o 1/99-C, 4F/F, Gali No-5, Guru Harkrishan School Wali Gali, Kabir Nagar, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi-110094 have changed my name and shall hereafter be known as Atif Khan.

NAME CHANGE
I hitherto known as Aakash S/o Makan Singh Rawat R/o 2087/5, Gali No.20, Prem Nagar Patel Nagar, Patel Nagar S.O, Central Delhi, Delhi-110008 have changed my name and shall hereafter be known as Akash Rawat.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sanam Kumari W/o Samarjeet Gupta R/o E-400-D, Block-E, Ashok Nagar, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi, Delhi-110096 have changed my name and shall hereafter be known as Sonam Sav.

NAME CHANGE
I hitherto known as Laxman Yadav alias Bhavikshan Yadav S/O Bechan Yadav R/O Gram Debra, Post Bela, Thana Babubarhi, Ward No-02, Bela, PO Bela, Dist Madhubani, Bihar-847224 have changed my name and shall hereafter be known as Bhavikshna Yadav.

NAME CHANGE
I Tajinder Kaur W/o Jaspreet Singh Baweja R/o 52/43 Ramjas Road Karol Bagh Delhi -110005 Have Changed My Name To Tajinder Kaur Baweja For All Purpose.

NAME CHANGE
I, Sansare Amrut Narayan father of No.4580889H Rank-Hav Name Sansare Ravindra Amrut residing at Vill. Deolali Pravara, Tehsil - Rahuri, District.Ahilyanagar, Maharashtra - 413716 have changed my name from Sansare Amrut Narayan to Amrut Narayan Sansare vide affidavit dated 15.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
I Jyoti pal W/O Sunil Kumar R/O WZ-125, Village Begumpur, North West Delhi , -110086.declare that name of mine has been wrongly written as Jyoti in my minor Daughter Yashika aged 14 years in her school cords and birth certificate no MCDOLR09368299 .The actual my name is Jyoti Pal.

NAME CHANGE
I, hitherto known as ASHISH KUMAR RATHOR S/O PURAN LAL R/O Q-48, RAJEEV NAGAR BEGUM PUR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110086, have changed my name and shall hereafter be known as RAZA AHMED.

NAME CHANGE
I, SANJAY KUMAR CHOUDHARY S/o LATE SH. LAXMAN CHAUDHARY Permanent R/o Parsauni Khirodhar, Sitamarhi, Bihar-843325 and Presently Residing at Plot No. B-20, Second Floor, Dass Garden, Baprola Vihar, Najafgarh, New Delhi-110043. declare that name of mine has been wrongly written as SANJAY CHOUDHARY in my minor daughter namely SHIWANGI CHOUDHARY aged 17 years in her 10th class Marksheet. The actual name of mine is SANJAY KUMAR CHOUDHARY, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, NIDHI AGGARWAL YADAV D/o VIRENDER KUMAR AGGARWAL, and Ex. Wife of AMIT YADAV, R/o H.No E-12, Hauz Khas, South West Delhi-110016, declare that I got divorce from my Ex. Husband AMIT YADAV vide Court Decree HMA No. 603/2019 dated 30 - 04-2019, further I have changed my name and shall hereafter be known as NIDHI AGGARWAL. I also have changed the name of my minor Son namely AAYAN YADAV, aged 16 years and my minor daughter namely ARSHIYA YADAV, aged 13 years and they shall hereafter be known as AAYAN AGGARWAL and ARSHIYA AGGARWAL respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, S VANITHA W/o No. 14838283N Rank-HAV/MT Name-RAMESH P R/o VILL-SEDRAMPUTTU, PO-SEDRAMPUTTU, TEH-POLUR, DIST-THRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-632315, have changed my name from S VANITHA to VANITHA R for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public, Kupwara.

NAME CHANGE
I, SH AUTAR SINGH Father of JC-413677X Rank-SUB MAJ Name-BHAGAT SINGH presently residing at VILL-BILTIYA SUKOLI TALLI, PO-DHAUNTIYAL, DIST-PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND-246155 have changed my name from SH AUTAR SINGH to AVTAR SINGH for all future purposes vide affidavit dated 12/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Kulsum w/o Rozuddin R/o B-17, Gali No.3A, Near Mohalla Dilshad Masjid, Old Mustafabad, Delhi-110094, have changed my name to Kulsoom for all future purposes.

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **समद पुत्र इदरीश निवासी चांद मस्जिद, इकराम नगर, मुस्तफाबाद, लोनी गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** । ने **FIR No. 23560/2023 U/S 379/411/34 IPC, अन्तर्गत थाना वेलकम, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **समद** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **समद** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आप को छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 23560/2023 U/S 379/411/34 IPC, अन्तर्गत थाना वेलकम, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **समद** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **16.04.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
सुश्री दीपाक्षी राणा
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-03
कक्ष संख्या 19, प्रथम तल, शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/2805/NE/2026(Court Matter)

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

पात्रता परीक्षा पास व पीएचडी प्राध्यापकों को मिलेगी जाब सिक्योरिटी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के कालेजों में पढ़ाने वाले एक्सटेंशन लेक्चरर (विस्तार प्राध्यापकों) और गेस्ट लेक्चरर (अतिथि प्राध्यापकों) को प्रदेश सरकार बड़ी राहत देने जा रही है। 15 अगस्त 2025 तक पांच साल का कार्यकाल पूरा कर चुके उन प्राध्यापकों की भी नौकरी सेवानिवृत्ति आयु तक सुरक्षित होगी, जो 30 जून 2023 तक राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा पास नहीं कर पाए या जिनके पास पीएचडी की डिग्री नहीं थी। अब जाब सिक्योरिटी के लिए 21 जुलाई 2025 तक राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा पास करने या पीएचडी करने वाले प्राध्यापक भी पात्र होंगे। उच्चतर शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने सदन में हरियाणा विस्तार प्राध्यापक तथा अतिथि प्राध्यापक (सेवा की सुनिश्चितता) संशोधन विधेयक-2026 प्रस्तुत कर दिया। इसे मौजूदा बजट सत्र में ही पारित किया जाएगा। अनुबंध पर लगे प्राध्यापकों को 57 हजार 700 रुपये मासिक वेतन मिलेगा और साल में दो बार महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी के पात्र होंगे। इसी तरह जाब सिक्योरिटी के लिए एक कैलेंडर वर्ष में 240 दिन काम करने की अनिवार्यता को समाप्त करते हुए इसे एक वित्तीय वर्ष में 240 दिन किया जाएगा।

पंचकूला के एकांश ढुल ने यूपीएससी सिविल सेवा 2025 में देश में तीसरा रैंक हासिल किया

चंडीगढ़। यूनियन पब्लिक सर्विस कमिशन की तरफ से सिविल सर्विस 2025 की परीक्षा का फाइनल परिणाम घोषित कर दिया गया है। इस परीक्षा में पंचकूला के युवा एकांश ढुल ने देश में तीसरा रैंक हासिल किया है। पंचकूला के सेक्टर-12 निवासी एकांश की माता निर्मला ढुल स्कूल प्रिंसिपल हैं और पिता कृष्ण ढुल भाजपा के सक्रिय नेता हैं। एकांश की इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री नायब सैनी ने फोन पर बात करके परिवार को बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एकांश ने पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है।एकांश ने साल 2024 में यूपीएससी में 342वां और साल 2025 में 295वां रैंक हासिल की थी। अब तीसरी बार उन्होंने तीसरा रैंक हासिल किया है। एकांश ढुल ने 10वीं कक्षा चंडीगढ़ के सेक्टर 27 स्थित भवन स्कूल से पास की। इसके बाद 12वीं उन्होंने चंडीगढ़ के सेक्टर-26 स्थित संत कबीर स्कूल से की। ग्रेजुएशन के लिए वह दिल्ली चले गए। उन्होंने श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स से बीए ऑनर्स की पढ़ाई पूरी की। एकांश ने दिल्ली से ही यूपीएससी की कोचिंग ली। एकांश ने मीडिया से बातचीत में अपनी इस उपलब्धि का श्रेय माता-पिता द्वारा दिए गए प्रोत्साहन को दिया। उन्होंने कहा कि आत्म-अध्ययन और अनुशासन ही सफलता की असली कुंजी हैं। पहली बार की सफलता से बहुत कुछ सीखा, लेकिन संतोष नहीं मिला। इसलिए खुद से वादा किया कि अगली बार और बेहतर करूंगा और वही हुआ।

सोनीपत के वैभव ने यूपीएससी में 344वीं रैंक पाकर रचा इतिहास

सोनीपत। संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा 2025 का अंतिम परिणाम घोषित होने के बाद जिले में खुशी का माहौल बन गया। शहर के वेस्ट रामनगर निवासी वैभव ने इस प्रतिष्ठित परीक्षा में 344वीं रैंक हासिल कर परिवार और जिले का नाम रोशन किया है। वैभव मूल रूप से गांव चिटाना के निवासी हैं और उनका परिवार लंबे समय से सोनीपत शहर में रह रहा है। जैसे ही परिणाम की जानकारी परिवार और रिश्तेदारों तक पहुंची, घर में खुशी की लहर दौड़ गई। परिवार के सदस्यों और पड़ोसियों ने मिठाइयां बांटकर खुशी मनाई और बधाई देने वालों का तांता लग गया। यू पी एस सी में चयनित अभ्यर्थियों के निवास स्थान पर जाकर राजीव जैन ने शुभकामनाएं दी। वैभव बचपन से ही पढ़ाई में होनहार रहे हैं। उन्होंने वर्ष 2017 में सोनीपत के हिन्दू सीनियर सेकेंडरी विद्यालय से दसवीं की परीक्षा पास की। इसके बाद वर्ष 2019 में डीएवी विद्यालय से बारहवीं की पढ़ाई पूरी की। उच्च शिक्षा के लिए उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के हिन्दू कॉलेज से वर्ष 2022 में स्नातक की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से इतिहास विषय में वर्ष 2024 में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की। पढ़ाई के दौरान उनका प्रदर्शन लगातार उत्कृष्ट रहा और शिक्षकों का भी मानना था कि उनमें असाधारण क्षमता है।

सिंघवा राघो के अंकित ने पास की यूपीएससी, प्रशंसकों ने दी बधाई

हांसी। हांसी जिले के गांव सिंघवा राघो के एक होनहारयुवक ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा में 826वीं रैंक हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। युवक की इस उपलब्धि से पूरे गांव में खुशी का माहौल है और ग्रामीण उसे बधाई दे रहे हैं। सफल अभ्यर्थी अंकित का जन्म 7 अक्टूबर 1997 को हुआ था। उन्होंने अपनी दसवीं, बारहवीं की पढ़ाई कलायत के शिक्षा भारती विद्या निकेतन पब्लिक स्कूल तथा आरकेएसडी कालेज से बी कॉम किया। अंकित ने बताया कि उसके दसवीं की परीक्षा में 10 सीजीपीए, 12वीं में 87 प्रतिशत तथा बी कॉम 73 प्रतिशत के साथ पास की थी। वर्तमान मेंअंकित वर्ष 2022 से रक्षा मंत्रालय दिल्ली में असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर के पद पर कार्यरतहैं और इससे पहले वह हिसार कैंट में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। अंकित ने बताया कि यूपीएससी परीक्षा में उसका यह चौथा प्रयास तथा तीसरी बार इंटरव्यू दिया था। उन्होंने बताया कि उनका लक्ष्य आईएस और आईपीएस अधिकारी बनने का है और इसके लिए वह पुनः प्रयास करेगा। अंकित ने बताया कि जन्म से उनका एक हाथ नहीं है लेकिन उसने कभी इस बात को महसूस नहीं किया और लगातार मेहनत कर युपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण करने में सफलता हासिल की है। परिवार की बात करें तो उनके दादा धीर सिंह तीन बार गांव के सरपंच रहे हैं।

नामधारी समाज का इतिहास त्याग, बलिदान और संघर्ष से भरा हुआ : जेपी नड्डा

एजेंसी

सिरसा। केंद्रीय कैबिनेट मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा है कि नामधारी समाज की परंपराएं देशभक्ति, सामाजिक सुधार और आध्यात्मिक मूल्यों का अद्भुत संगम हैं। नामधारी समाज का इतिहास त्याग, बलिदान और संघर्ष से भरा हुआ है और यह भारत के गौरवशाली इतिहास का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जेपी नड्डा ने सिरसा जिले के गांव मस्तानगढ़ में आयोजित होला महल्ला पर्व कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सिखों के दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह ने होली के पर्व को एक नई परंपरा के रूप में 'होला मोहल्ला' के रूप में स्थापित किया था। यह केवल रंगों का त्योहार नहीं है, बल्कि वीरता, अनुशासन और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नामधारी समाज ने सामाजिक सुधार के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। गौ-

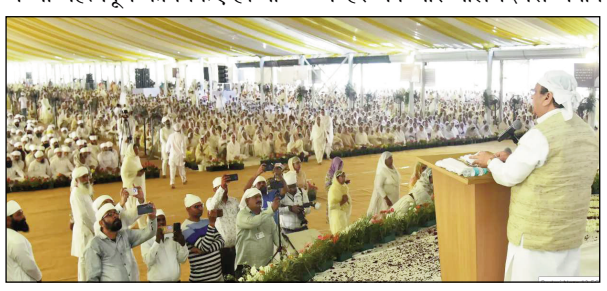

वध के विरोध, शिक्षा के प्रसार, नशा मुक्ति अभियान और समाज सेवा के कार्यों में इस समाज की भूमिका सराहनीय रही है। कोरोना महामारी, भूकंप, बाढ़ और अन्य आपदाओं के समय भी नामधारी समाज ने आगे बढकर् सेवा कार्य किए हैं। केंद्रीय कैबिनेट मंत्री ने कहा कि भारत सरकार ने सिख इतिहास के वीर बालकों की स्मृति में हर वर्ष वीर बाल दिवस मनाने का निर्णय लिया है, ताकि उनके साहस और बलिदान को आने वाली पीढ़ियां याद रखें। उन्होंने नामधारी समुदाय के सतगुरु उदय सिंह जी को नमन करते हुए सभी श्रद्धालुओं को पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और देश में एकता, सद्भावना तथा आध्यात्मिक मूल्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार सिख समाज के सम्मान और उनके योगदान को मुख्यधारा में लाने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

सतगुरु उदय सिंह जी ने कहा कि गुरु व अवतार किसी एक समुदाय के नहीं होते, बल्कि पूरे संसार के लिए होते हैं। उन्होंने कहा कि सतगुरु राम सिंह जी का सबसे बड़ा योगदान महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के लिए रहा। उस समय समाज में कन्या हत्या जैसी कुरीतियां प्रचलित थीं और बच्चियों को जन्म लेते ही मार दिया जाता था या उन्हें पैसों के लिए बेच दिया जाता था। सतगुरु राम सिंह जी ने ऐसे कृत्यों का कड़ा विरोध करते हुए स्पष्ट कहा था कि जो व्यक्ति बच्ची को मारेगा या बेचेगा।

उद्योगों में स्थानीय युवाओं को आरक्षण पर हाईकोर्ट फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में चल रहे उद्योगों में नौकरी के समय हरियाणावी मूल के युवाओं को आरक्षण प्रदान करने के संबंध में हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने पर सरकार उसे लागू करेगी। हरियाणा के उद्योग मंत्री राव नरबीर ने विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान बादली के विधायक कुलदीप वत्स के सवाल पर यह जानकारी दी। कुलदीप आज सदन में नहीं थे, जिसके चलते उन्होंने अपना सवाल पूछने के लिए झज्जर की विधायक गीता भुक्कल को अधिकृत किया था। गीता भुक्कल ने बादली हलके में चल रही विदेशी कंपनियों में हरियाणा के युवाओं को नौकरियां प्रदान करने के मुद्दे को उठाया। उन्होंने कहा कि कंपनियों द्वारा जमीनें ले ली जाती हैं और उसके बाद स्थानीय युवाओं को नौकरी नहीं दी जाती है। हरियाणा की जमीन पर उद्योग लगाने वाले उसी जमीन मालिक के बच्चों को उद्योगों में घुसने तक नहीं देते। गीता भुक्कल ने हरियाणवी मूल के युवाओं को उद्योगों में आरक्षण पर भी सरकार से जवाब मांगा। उद्योग मंत्री राव नरबीर ने कहा कि पूर्व मनोहर सरकार के समय में उद्योगों में 75 प्रतिशत आरक्षण का नियम पास किया गया था। जिसे हाईकोर्ट ने रोक लगा दी। सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। उद्योगपति हरियाणा के युवाओं को रोजगार दें, इसके लिए आगामी सत्र से इंसेटिव योजना लागू की जा रही है। उन्होंने बताया कि पहले सरकार द्वारा हरियाणा के युवा को नौकरी देते समय 48 हजार रुपये सालाना आर्थिक मदद दी जाती थी। अब सरकार ने इस राशि को बढ़ाकर एक लाख रुपये सालाना कर दिया है।

हरियाणा सरकार ने बादशाह के गीत के खिलाफ दिए जांच के आदेश

एजेंसी

चंडीगढ़।हरियाणा सरकार ने रैपर बादशाह के विवादित गीत टटीरी के खिलाफ जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। इस संबंध में शिक्षा, परिवहन तथा पुलिस विभाग से रिपोर्ट मांग ली गई है। हरियाणा के संसदीय कार्य मंत्री महीपाल ढांडा ने विधानसभा सत्र समाप्त होने के बाद पत्रकारों से बातचीत में यह जानकारी दी। दिन के समय हरियाणा महिला आयोग की तरफ से बादशाह को नोटिस जारी किया गया था। बादशाह के गीत टटीरी की शूटिंग जींद जिले में हुई है। महीपाल ढांडा ने कहा कि यह मामला दुर्भाग्यपूर्ण है। इस प्रकार का गायन परोसकर हरियाणा की संस्कृति का मजाक बनाया जा रहा है। इस संबंध में सरकार ने कार्रवाई के आदेश जारी कर दिए गए हैं। पुलिस को भी जांच के लिए बोला गया है। ढांडा ने बताया कि यह मामला सामने आने के बाद आज उन्होंने गीत को देखा है। इसमें एक दृश्य में हिंदी वर्णमाला लिखी हुई दिखाई देती है और वह कोई पाठशाला है। इस संबंध में भी शिक्षा विभाग से रिपोर्ट मांग ली गई है।

उन्होंने बताया कि इस गीत में हरियाणा रोडवेज की एक बस पर छात्राओं का चढक़र नाचते हुए दिखाया गया है। जिसके चलते परिवहन विभाग से रिपोर्ट मांगी गई है कि यह बस किस डिपो की है और चालक व परिचालक कौन थे। जिन्होंने यह बस वहां पर खड़ी की है। बिना मंजूरी के शूटिंग में बस व स्कूल का कैसे इस्तेमाल किया गया है यह जांच की जा रही है। जांच रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

आर्य समाज सामाजिक सांस्कृतिक व्यवस्था का सुदृढ़ आधार : राज्यपाल आचार्य देवव्रत

एजेंसी

सोनीपत। पंडित लेखराम शहीदी दिवस एवं भगत फूल सिंह जयंती के उपलक्ष्य में गांव माहरा में आर्य महासम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गुजरात तथा महाराष्ट्र के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने मुख्य अतिथि कहा कि सामाजिक सांस्कृतिक व्यवस्था का आर्य समाज सुदृढ़ आधार है। सम्मेलन में बड़ी संख्या में ग्रामीण, किसान और आर्य समाज से जुड़े लोग उपस्थित रहे। आचार्य देवव्रत ने अपने संबोधन में कहा कि देश की सामाजिक तथा सांस्कृतिक व्यवस्था को सुदृढ़ आधार देने में आर्य समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने बताया किस्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा स्थापित आर्य समाज ने उस समय हिंदू समाज को संगठित करने तथा वेदों के महत्व को जन-जन तक

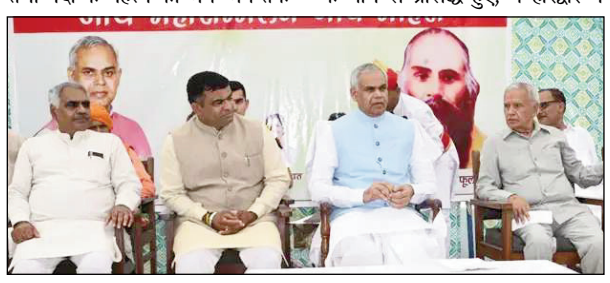

पहुंचाने का कार्य किया। आर्य समाज ने समाज में फैली कुरीतियों को समाप्त करने और सामाजिक सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि स्वामी दयानंद के विचारों से प्रेरित होकर मुंशीराम, जो बाद में स्वामी श्रद्धानंद के नाम से प्रसिद्ध हुए, ने हरिद्वार में गुरुकुल कांगड़ी की स्थापना की। इसके माध्यम से गांव-गांव तक वैदिक विचारधारा का प्रचार-प्रसार हुआ और समाज में शिक्षा तथा जागरूकता का वातावरण बना। पंडित लेखराम के जीवन का उल्लेख करते हुए आचार्य देवव्रत ने कहा कि उन्होंने धर्म परिवर्तन की ओर बढ़ रहे हिंदुओं को बचाने के लिए लगातार प्रयास किए और समाज सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित किया। वहीं भगत फूल सिंह के बारे में उन्होंने बताया कि प्रारंभ में वे पटवारी थे, लेकिन आर्य समाज की शिक्षाओं से प्रभावित होकर उन्होंने गुरुकुल खानपुर की स्थापना की और विशेष रूप से महिला शिक्षा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। आचार्य देवव्रत ने कहा कि स्वामी श्रद्धानंद, पंडित लेखराम तथा भगत फूल सिंह जैसे आर्य समाजियों ने हरियाणा के गांव-गांव तथा शहरों में वैदिक विचारों की अलख जगाई।

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट बार काउंसिल चुनाव में जिले के 1805 वकील करेंगे मतदान, चार केंद्र किए स्थापित

एजेंसी

कैथल। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अपराजिता ने 18 मार्च को होने वाले पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट बार काउंसिल चुनाव के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 18 मार्च को होने वाले मतदान के दौरान सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह से दुरुस्त रहें और सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाएं, ताकि चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जा सके। डीसी ने बताया कि चुनाव के लिए मतदान 18 मार्च को सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक होगा। जिले में कुल चार मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें तीन केंद्र कैथल में और एक केंद्र गुहला में स्थापित किया गया है। इस चुनाव में जिले के कुल 1805 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें कैथल के 1659 और गुहला के 146 मतदाता शामिल हैं। चुनाव प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए छह पोलिंग पार्टियां तैनात की गई हैं, जिनमें चार मुख्य और दो रिजर्व टीमें शामिल हैं। मास्टर ट्रेनर्स द्वारा पोलिंग पार्टियों को कम से कम दो बार प्रशिक्षण दिया

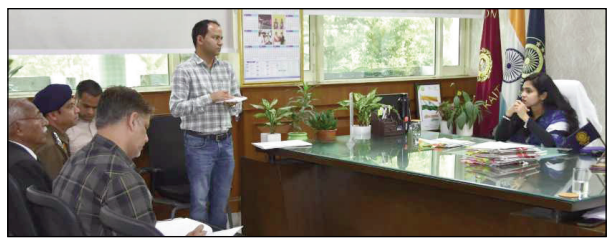

जाएगा, ताकि मतदान के दौरान किसी प्रकार की तकनीकी परेशानी न आए। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर डीसी ने पुलिस अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 16 मार्च को चंडीगढ़ से चुनाव सामग्री लाने और 18 मार्च को मतदान के बाद सीलबंद मतपेटियों को वापस चंडीगढ़ जमा करवाने के दौरान पुलिस एस्कॉर्ट की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मतदान के दिन सभी मतदान केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात रहेगा तथा कैथल और गुहला में उप पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। बैठक में बिजली विभाग को मतदान के दिन निर्बाध बिजली आपूर्ति बनाए रखने के निर्देश दिए गए, जबकि जन स्वास्थ्य विभाग को मतदाताओं और पोलिंग पार्टियों के लिए पीने के पानी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। सिविल सर्जन को दोनों मतदान केंद्रों पर एम्बुलेंस और आवश्यक दवाओं के साथ मेडिकल टीम तैनात करने के निर्देश दिए गए। चुनाव सामग्री के प्रबंधन की जिम्मेदारी तहसीलदार कैथल और खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी गुहला को सौंपी गई है। ये अधिकारी 16 मार्च को चंडीगढ़ से बैलेट पेपर और अन्य चुनाव सामग्री प्राप्त करेंगे और मतदान के बाद सभी सीलबंद सामग्री को सुरक्षा के साथ वापस जमा करवाएंगे। डीसी ने कहा कि चुनाव से पहले सभी मतदान केंद्रों का भौतिक निरीक्षण किया जाएगा और पूरी चुनाव प्रक्रिया की निगरानी नोडल अधिकारियों द्वारा की जाएगी। बैठक में सीजेएम विनोद कुमार, एसडीएम कलायत अजय हुड्डा, डीएसपी बीरभान, तहसीलदार कैथल रविंद्र हुड्डा, चुनाव कानूनगो राजकुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

हरियाणा ट्रैवल एजेंटों का पंजीकरण और विनियमन (संशोधन) विधेयक 2026 पेश

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के लोगों को डंकी (अवैध) रूट से विदेश भेजने वाले ट्रैवल एजेंटों के विरुद्ध सख्त कानून बनाने के लिए विधानसभा में हरियाणा ट्रैवल एजेंटों का पंजीकरण और विनियमन (संशोधन) विधेयक 2026 पेश किया गया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की ओर से यह विधेयक लाया गया है। नये कानून में प्रावधान किया जाएगा कि ट्रैवल एजेंट न केवल देश बल्कि विदेश में भी अपना कोई नेटवर्क स्थापित नहीं कर सकेंगे।उनका पंजीकरण अनिवार्य होगा और बिना पंजीकरण के काम करने वाले ट्रैवल एजेंटों को जेल की सलाखों के पीछे जाना होगा। ट्रैवल एजेंटों पर नकेल कसने के लिए हरियाणा सरकार ने साल 2024 और 2025 में दो बार कानून बनाकर विधानसभा से पास करवाया और उसे मंजूरी के लिए केंद्र सरकार के पास भेजा, लेकिन दोनों बार कानून का मसौदा जरूरी संशोधनों के सुझाव के साथ वापस लौट आया है।इस बार राज्य सरकार फिर तीसरी बार संशोधित कानून बनाने जा रही है। साल 2025 में विधानसभा में पेश किए गए विधेयक में प्रविधान किया गया था कि ट्रैवल एजेंटों का अनिवार्य पंजीकरण और डोंकी रूट से लोगों को विदेश भेजने वालों पर कानूनी कार्रवाई होगी। केंद्रीय विदेश मंत्रालय ने इस संशोधित कानून को हरियाणा सरकार को वापस लौटाते हुए कहा है कि 'हरियाणा ट्रैवल एजेंटों का पंजीकरण और विनियमन अधिनियम 2025' में कुछ ऐसे प्रविधान हैं, जो विदेश में रोजगार हेतु भारतीय नागरिकों के प्रवास को नियंत्रित करने वाले उत्प्रवास अधिनियम 1983 के साथ असंगत प्रतीत होते हैं।

नेट मीटर की खरीद प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा किया जाए : विक्रम सिंह

एजेंसी

हिसार। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) के प्रबंध निदेशक विक्रम सिंह की अध्यक्षता में सौर ऊर्जा योजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए निगम मुख्यालय में अधिकारियों एवं सोलर वेंडर्स के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही'प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' और हरियाणा सरकार की 'सौर ऊर्जा प्रोत्साहन योजना' के बारे में विस्तारसे चर्चा की गई। दोनों योजनाओं में अपने-अपने घर की छत पर लगने वाले रूफटॉप सोलर पर वित्तीय सहायता दी जाती है। केंद्र सरकार की योजना के तहत एक किलोवाट पर 30 हजार रुपये सब्सिडी उपलब्ध है। राज्य सरकार की सौर ऊर्जा प्रोत्साहन योजना के तहत एक किलो वाटपर 19 हजार 500 के हिसाब से वित्तीय सहायता दी जाती है।को जन-जन तक पहुंचा कर इसका लाभ उपभोक्ताओं को देना है। अधिकारी-कर्मचारी प्रत्येक उपभोक्ता को इसका लाभ उपलब्ध करायेंगे। सौर ऊर्जा योजनाओं के क्रियान्वयन को अधिक सुव्यवस्थितऔर पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से वेंडर्स के साथ स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) भी सांझा किए गए, ताकि कार्यों में गति लाई जा सके और प्रक्रिया को सुचारु रूप से लागूकिया जा सके।

अधिकारियों और वेंडर्स की इस संयुक्त बैठक में पूर्व में हुई बैठक में सामने आए विभिन्न एक्शन प्वाइंट्स की स्थिति की समीक्षा की गई। इस अवसर पर वेंडर्स ने ऑपरेशन कार्यालयों, एसएफए पोर्टल, आईटी प्रणाली तथा अन्य परिचालन संबंधी विषयों से जुड़ी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं, जिन पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठकमें वेंडर्स ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रत्येक कार्यालय में समर्पित स्टाफ की व्यवस्था, उपभोक्ताओं की लंबित केवाईसी, नेट मीटर आदि के शीघ्र निपटान पर विशेष जोर दिया गया। दिए कि उपभोक्ताओं के रूफटॉप सोलर कनेक्शन से जुड़े कार्यों में तेजी लाने के लिए नेट मीटर की खरीद प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि बैठक में उठाए गए सभी मुद्दों पर संबंधित कार्यालय प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि सौर ऊर्जा योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक उपभोक्ताओं तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाया जा सके। बैठक में निदेशक (ऑपरेशन) विपिन गुप्ता, मुख्य अभियंता (कमर्शियल) अनिल शर्मा, ऑपरेशन के मुख्य अभियंता, सभी सर्कलों के अधीक्षण अभियंता, कमर्शियल, आरएपीडीआरपी, आईटी तथा सीबीओ के अधीक्षण अभियंता, विभिन्न सोलर वेंडर्स तथा अन्य संबंधित हितधारक उपस्थित रहे।

हरियाणा में आवासन बोर्ड भंग

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा में करीब साढे पांच दशक पुराने आवासन बोर्ड (हाउसिंग बोर्ड) को भंग करने की मंजूरी के बाद सर्वस्व आवास विभाग (हाउसिंग फार आल) के आयुक्त एवं सचिव मोहम्मद शाईन ने हाउसिंग बोर्ड को भंग करने की अधिसूचना जारी कर दी है। हाउसिंग बोर्ड की सभी जिम्मेदारियां अब हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) संभालेगा। हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन 20 फरवरी को आवासन बोर्ड को भंग करने के लिए सरकारी संकल्प पारित किया गया था। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सदन में आश्वस्त कर चुके हैं कि आवासन बोर्ड में कार्यरत सभी कर्मचारियों के हितों का पूरा ध्यान रखा जाएगा। किसी भी कर्मचारी की नौकरी नहीं जाएगी। आवासन बोर्ड के कर्मचारियों को हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण में शामिल किए जाने के बावजूद सेवा शर्तें, वेतनमान और लाभ सुरक्षित रहेंगे। अधिसूचना जारी होते ही हाउसिंग बोर्ड की सभी चालू योजनाएं, भूमि बैंक, परिसंपत्तियां, देनदारियां और संविदात्मक दायित्व अब हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के अधीन आ गए हैं। इसमें मौजूदा आवासीय कालोनियां, लंबित आवंटन और रखरखाव संबंधी जिम्मेदारियां शामिल हैं। एक ही शहरी विकास

आवासन बोर्ड के कर्मचारियों को हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण में शामिल किए जाने के बावजूद सेवा शर्तें, वेतनमान और लाभ सुरक्षित रहेंगे।

प्राधिकरण होने से एकीकृत टाउनशिप, सेक्टर लेआउट और बुनियादी ढांचा गलियारों की योजना बनाना आसान हो जाएगा। शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में निम्न और मध्यम आय वर्ग के लोगों को किफायती आवास उपलब्ध कराने के लिए हरियाणा आवासन बोर्ड की स्थापना की गई थी। पांच दशकों से अधिक समय में इसने राज्य भर में हजारों आवास इकाइयां विकसित कीं।

समाधान शिविर में मिली 10 हजार 448 शिकायतों में से 8541 का समाधान

एजेंसी

जींद। समाधान प्रकोष्ठ से संबंधित लंबित शिकायतों के प्रभावी एवं समयबद्ध निपटान के लिए सीटीएम मोनिका रानी ने लघु सचिवालय स्थित सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक ली। सीटीएम ने बताया कि जिले में अब तक कुल 10 हजार 448 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। जिनमें से 8541 शिकायतों का समाधान किया जा चुका है जबकि 143 शिकायतों पर कार्रवाई प्रगति पर है। सीटीएम मोनिका रानी ने कहा कि शेष शिकायतों का भी निपटान सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए प्रत्येक सप्ताह सोमवार और गुरुवार को जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में सुबह 10 बजे से 12 बजे तक संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी स्वयं उपस्थित होकर आमजन की समस्याएं सुनते हैं तथा उनका मौके पर ही समाधान करने का प्रयास किया जाता है। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर आमजन को उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान कर रहे हैं और प्रशासन का प्रयास है कि अधिक से अधिक लोगों को इन

शिविरों का लाभ मिले। इस अवसर पर एसडीएम सत्यवान मान, डीएमसी सुरेंद्र सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। सीटीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविरों से संबंधित लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निपटान सुनिश्चित किया जाए ताकि आमजन को उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान मिल सके। उन्होंने कहा कि सभी विभाग समय-समय पर अपनी आंतरिक समीक्षा बैठकें आयोजित करते रहें। जिससे शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया में तेजी लाई जा सके और लंबित मामलों का प्रभावी तरीके से निपटान हो सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और प्रत्येक शिकायत पर गंभीरता से कार्य करते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित किया जाए।

अफसरों के सामने शिकायतकर्ताओं से पूछा - समाधान हुआ, फिर जवाबतलबी की

एजेंसी

कैथल। डीसी अपराजिता ने साप्ताहिक समाधान शिविर में कई शिकायतकर्ताओं से उनकी शिकायत के समाधान के बारे में जानकारी ली। समाधान न होने पर संबंधित विभाग के अधिकारियों से जवाब भी तलब किए और शिकायतों के तुरंत समाधान के निर्देश जारी किए। डीसी ने कहा कि सभी अधिकारी समाधान शिविरों में प्राप्त होने वाली शिकायतों का यथाशीघ्र और प्रभावी रूप से निपटारा सुनिश्चित करें। समाधान शिविर हरियाणा सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। जन शिकायतों के समाधान में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीसी अपराजिता लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दे रही थीं। इससे पहले चंडीगढ़ स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय से वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से राज्य के सभी उपायुक्त के साथ समीक्षा बैठक करके आवश्यक निर्देश जारी किए गए।डीसी अपराजिता ने कहा कि जिला स्तर पर जिन समस्याओं का समाधान संभव है, उनमें किसी प्रकार की देरी न की जाए। विशेष रूप से लंबित शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निपटाया जाए। सुनिश्चित करें कि एक्शन टेकन रिपोर्ट की गुणवत्ता अच्छी हो, ताकि कोई भी शिकायत रिऑपन न होने पाए। डीसी ने निर्देश दिए कि जनसंवाद, सीएम विंडो, सीपीग्राम, एसएमजीटी पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों को भी गंभीरता से लेते हुए उन पर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। डीसी ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने विभाग से संबंधित मामलों का संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। यदि कोई विभागाध्यक्ष बैठक में नहीं पहुंच पा रहा है तो वह इसकी अनुमति बैठक से पहले लें और संबंधित विभाग से सक्षम अधिकारी समाधान शिविर में भाग लेना सुनिश्चित करे।

रूस ने भारत भेजे जाने वाले कच्चे तेल के आंकड़े गोपनीय रखने का फैसला किया

- रूस भारत को एक सप्ताह में भेज सकता है लगभग 2.2 करोड़ बैरल तेल

नई दिल्ली ।

रूस ने भारत को निर्यात किए जाने वाले कच्चे तेल के आंकड़ों को सार्वजनिक न करने का निर्णय लिया है। क्रेमलिन के एक प्रवक्ता ने कहा कि वैश्विक परिस्थितियों और बढ़ती भू-राजनीतिक संवेदनशीलता को देखते हुए यह कदम रूस के हित में जरूरी है। उनका कहना है कि कई देश और समूह रूस के ऊर्जा व्यापार पर नजर रखे हुए हैं और उसे नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं। यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा है और ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता दिखाई दे रही है। हाल ही में अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भारत की रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने के लिए 30 दिन की अस्थायी छूट देने की बात कही थी। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय

मीडिया में भारत को होने वाली रूसी तेल आपूर्ति को लेकर कई रिपोर्टें सामने आईं। इनमें दावा किया गया कि रूस भारत को एक सप्ताह में लगभग 2.2 करोड़ बैरल तेल भेज सकता है, हालांकि रूस ने इसे औपचारिक रूप से पुष्टि नहीं की। रूसी सरकारी मीडिया में जारी मानचित्र ने भी ध्यान खींचा, जिसमें अरब सागर से बंगाल की खाड़ी की ओर बढ़ते तेल टैंकर दिखाए गए हैं, जो भारत के पूर्वी तट की रिफाइनरियों की ओर जा रहे हैं। रूस के उप प्रधानमंत्री एलेक्जेंडर नोवाक ने संकेत दिया कि भारत और चीन जैसे बड़े ग्राहकों को तेल की आपूर्ति बढ़ाने के लिए रूस तैयार है। विशेषज्ञों का मानना है कि रूस एशियाई देशों के साथ अपने ऊर्जा व्यापार को मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रहा है। वैश्विक ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता बढ़ने के कारण भारत और रूस के बीच ऊर्जा सहयोग आने वाले समय में और गहरा हो सकता है।

भारत में महिलाओं की भर्ती में 19 फीसदी की सालाना वृद्धि

उच्च मूल्य वाली नौकरियों और विविध अवसरों तक महिलाओं की पहुंच बढ़ रही है

मुंबई ।

नई रिपोर्ट के अनुसार भारत में महिलाओं की भर्ती विज्ञापनों में सालाना 19 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यह वृद्धि केवल प्रवेश स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि वरिष्ठ पदों, उच्च वेतन वाले वर्गों और उभरती प्रौद्योगिकी भूमिकाओं तक फैल गई है। फाउंडइट की भारतीय श्रमबल में महिलाओं पर केंद्रित रिपोर्ट के मुताबिक, फरवरी 2025 से फरवरी 2026 के बीच यह रुझान देखा गया। रिपोर्ट में कहा गया है भारत में महिलाओं की भर्ती में सकारात्मक गति देखी जा रही है। अभी भी अधिकांश नौकरियां 10 लाख रुपये वार्षिक से कम वेतन वर्ग में हैं, लेकिन उच्च मूल्य वाली नौकरियों और विविध अवसरों तक महिलाओं की पहुंच बढ़ रही है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में महिलाओं के अवसर बढ़कर 44 फीसदी हो गए हैं, जबकि महानगरों में हिस्सेदारी घटकर 56 फीसदी रह गई। तेजी से उभरते रोजगार केंद्रों में जयपुर, कोयंबटूर, इंदौर और कोच्चि शामिल हैं। महिलाओं की हिस्सेदारी कार्यक्षेत्रों में अलग-अलग है। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में यह 34 फीसदी तक पहुंच गई, विशेषकर डेटा और एनालिटिक्स नौकरियों में। बिक्री और व्यवसाय विकास, साथ ही विपणन और संचार में हिस्सेदारी 16 फीसदी रही। वहीं ग्राहक सेवा/बीपीओ में हिस्सेदारी घटकर 10 फीसदी और मानव संसाधन में 20 फीसदी रही।

अमेरिका ने भारत को समुद्र में फंसे रूसी तेल की खरीद व उसके शोधन की अनुमति दी

- अल्पकालिक उपाय से तेल की कीमतों को स्थिर रखने का प्रयास

वाशिंगटन।

अमेरिकी प्रशासन ने घोषणा की कि वह भारत को दक्षिण एशिया के समुद्री क्षेत्रों में फंसे रूसी तेल को खरीदने, उसका शोधन करने और बाजार में जल्दी बेचने की अनुमति दे रहा है। अमेरिका के ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म 'एक्स' पर जानकारी दी कि यह कदम वैश्विक तेल कीमतों को नियंत्रित करने और आपूर्ति में अस्थायी दबाव को कम करने के लिए उठाया गया है। वर्तमान में दक्षिण एशिया के आसपास काफी मात्रा में रूसी तेल समुद्र में फंसा हुआ है, खासकर चीन के पास। क्रिस राइट ने कहा कि चीन अपने आपूर्तिकर्ताओं के साथ अनुकूल व्यवहार नहीं कर रहा, जिससे कई बैरल लंबे समय तक वहीं रुके हुए हैं। इसके अलावा, होर्मुज जलडमरूमध्य से आने वाली आपूर्ति में थोड़ी बाधा के कारण तेल की कीमतें बढ़ रही हैं। अमेरिका ने भारत से कहा कि वह इस तेल को खरीदकर अपनी रिफाइनरी में लाए। इससे न केवल भारतीय रिफाइनरी में तुरंत तेल पहुंचेगा, बल्कि दुनिया के अन्य रिफाइनरी कंपनियों पर तेल की कमी का दबाव भी कम होगा। राइट ने कहा कि यह केवल अल्पकालिक उपाय है और लंबी अवधि के लिए तेल की आपूर्ति पर्याप्त है। ऊर्जा मंत्री ने स्पष्ट किया कि यह कदम तेल की कीमतें कम बनी रहें सुनिश्चित करने और वैश्विक आपूर्ति में अस्थायी दबाव को कम करने का व्यावहारिक तरीका है। भारत द्वारा यह तेल शोधन कर बाज़ार में लाने से न केवल घरेलू जरूरतें पूरी होंगी, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों पर स्थिरता भी आएगी।

भारत में पेट्रोल-डीजल के पर्याप्त भंडार : इंडियन आयल

- कंपनी ने जनता से अपील की, पेट्रोल पंपों पर अनावश्यक भीड़ न लगाएं

नई दिल्ली ।

हाल ही में ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच बढ़ते तनाव के बीच देश में पेट्रोल और डीजल की कमी की अफवाहें फैल गईं। सोशल मीडिया पर खबरें वायरल होने लगीं और लोग पेट्रोल पंपों की ओर बढ़ने लगे। ऐसे माहौल में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) ने स्पष्ट किया कि ये खबरें पूरी तरह निराधार हैं। इंडियन ऑयल ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि भारत में ईंधन का पर्याप्त भंडार मौजूद है और आपूर्ति नेटवर्क सामान्य रूप से कार्य कर रहा है। कंपनी ने जनता से अपील की कि पेट्रोल पंपों पर अनावश्यक भीड़ न लगाएं और केवल आधिकारिक स्रोतों से जानकारी प्राप्त करें। इसी क्रम में हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने भी कहा कि कुछ क्षेत्रों में फैल रही ईंधन कमी की खबरें भ्रामक हैं। पूरे देश में पेट्रोल और डीजल की सामान्य आपूर्ति बनी हुई है। सरकार ने तेल रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 5 मार्च को जारी आदेश में कहा कि रिफाइनरियों द्वारा उत्पादन के दौरान निकलने वाली प्रोपेन और ब्यूटेन गैस का अधिकतम उपयोग एलपीजी उत्पादन में किया जाए। आवश्यक वस्तु अधिनियम (1955) के तहत जारी आदेश में कहा गया है कि रिफाइनरियों को एलपीजी को केवल आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल को ही उपलब्ध कराना है। इसके साथ ही प्रोपेन और ब्यूटेन का उपयोग पेट्रोकेमिकल उत्पादों के निर्माण में नहीं किया जाएगा। इसका उद्देश्य घरेलू गैस की आपूर्ति को निर्बाध बनाए रखना है।

भारत और चीन मिलकर जीडीपी में अमेरिका को पछाड़ा देने वाले, आईएमएफ की ताजा रिपोर्ट में बताया

अमेरिका का कुल योगदान 9.9 फीसदी, वहीं भारत-चीन का 44 प्रतिशत

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने हाल ही में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को लेकर ग्लोबल रियल जीडीपी ग्रोथ 2026 रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन और भारत मिलकर जीडीपी में अमेरिका को पछाड़ते दिख रहे हैं। आईएमएफ की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत और चीन दोनों मिलकर विश्व के 43.6 फीसदी जीडीपी ग्रोथ का हिस्सा हैं। इसके अलावा, एशिया-पैसिफिक की हिस्सेदारी कुल ग्रोथ का 50 फीसदी पहुंचने की उम्मीद है। वहीं रिपोर्ट में सिर्फ चीन का जीडीपी ग्रोथ 26.6 फीसदी और भारत का 17 फीसदी बताया गया है। आईएमएफ ने अपनी ग्लोबल रिपोर्ट में अमेरिका का 9.9 फीसदी, इंडोनेशिया का 3.8 फीसदी, तुर्किए का 2.2 फीसदी, सऊदी अरब का 1.7 फीसदी, वियतनाम का 1.6 फीसदी, नाइजीरिया का 1.5 फीसदी, ब्राजील का 1.5 फीसदी और जर्मनी का 0.9 फीसदी जीडीपी ग्रोथ का अनुमान लगाया है। वहीं भारत में चीनी दूतावास की प्रवक्ता यू जिंग ने लिखा, 2026 में, चीन से ग्लोबल रियल जीडीपी ग्रोथ में 26.6 फीसदी योगदान की उम्मीद है, जबकि भारत 17 फीसदी और जोड़ेगा। हम मिलकर वैश्विक विकास में करीब 44 फीसदी का योगदान देने वाले है।

बता दें, चीन ने 2026 के लिए अपने जीडीपी ग्रोथ का टारगेट 4.5 से 5 फीसदी तक रखा है। 1991 के बाद से यह अब तक का सबसे कम आंकड़ा है। वहीं दूसरी ओर भारत वर्तमान में दुनिया की सबसे तेजी से आगे बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है। हालांकि, चीन और भारत के प्रति व्यक्ति जीडीपी में भारी अंतर है। आंकड़ों के अनुसार, चीन की प्रति व्यक्ति जीडीपी भारत की तुलना में लगभग 4.76 गुना अधिक है। वर्ष 2025 के अनुमानों के मुताबिक, चीन की प्रति व्यक्ति जीडीपी 13,687 डॉलर थी, जबकि भारत के लिए यह आंकड़ा 2,878 डॉलर रहा।

आईएमएफ की शीर्ष 10 देशों की सूची में अन्य देशों में अमेरिका से वैश्विक जीडीपी वृद्धि में करीब 9.9 प्रतिशत योगदान का अनुमान है। इसके बाद इंडोनेशिया 3.8 प्रतिशत, तुर्किए 2.2 प्रतिशत, सऊदी अरब 1.7 प्रतिशत और वियतनाम 1.6 प्रतिशत योगदान दे सकते हैं। वहीं नाइजीरिया और ब्राजील दोनों का योगदान लगभग 1.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। इस सूची में जर्मनी 10वें स्थान पर है और उससे वैश्विक जीडीपी वृद्धि में 0.9 प्रतिशत योगदान का अनुमान है। इसके अलावा यूरोप के अन्य देश आईएमएफ की शीर्ष 10 सूची में शामिल नहीं हैं।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत की 2025 की आर्थिक विकास दर का अनुमान 0.7 प्रतिशत बढ़ाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया है। वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अपडेट में आईएमएफ ने कहा कि यह संशोधन चालू वित्त वर्ष (जो 31 मार्च 2026 को समाप्त होगा) की चौथी तिमाही में मजबूत आर्थिक गतिविधियों को देखते हुए किया गया है। आईएमएफ के अनुसार, अगले वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की विकास दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। हालांकि इसमें थोड़ी कमी आ सकती है, लेकिन इसके बावजूद भारत उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में विकास का प्रमुख इंजन बना रहेगा।

पश्चिम एशिया संकट से भारतीय अर्थव्यवस्था पर संभावित दबाव

- बढ़ती तेल व उर्वरक कीमतें बढ़ा सकती है महंगाई

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में जारी तनाव लंबा खिंचने की स्थिति में भारतीय रुपये की विनिमय दर पर दबाव बढ़ सकता है। वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार कच्चे तेल और एलएनजी जैसे बड़े आयातों पर निर्भरता के कारण मुद्रा अवमूल्यन का खतरा है। साथ ही सुरक्षित निवेश की ओर वैश्विक पूंजी प्रवाह भी रुपये पर अतिरिक्त दबाव डाल सकता है। पेट्रोलियम और उर्वरकों की बढ़ती कीमतें महंगाई बढ़ाने का जोखिम पैदा कर सकती हैं। हालांकि, भारत के पास पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार और नियंत्रित महंगाई के कारण वैश्विक मूल्य वृद्धि का असर आंशिक रूप से संतुलित है। वित्त मंत्रालय ने चेताया है कि संकट लंबे समय तक जारी रहा तो यह दबाव बढ़ सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चालू खाता घाटा फिलहाल कम है और बाहरी क्षेत्र स्थिर बना हुआ है। अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ सक्रिय व्यापार कूटनीति निर्यात गंतव्यों का विविधीकरण कर रही है, जिससे मध्यम अवधि में बाह्य मजबूती बढ़ने की उम्मीद है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत और वास्तविक सकल मूल्यवर्धन वृद्धि 7.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। जनवरी 2026 में आर्थिक गतिविधियां मजबूत रहीं, जिसमें लॉजिस्टिक गतिविधियों, पीएमआई विस्तार और मजबूत मांग ने योगदान दिया।

कश्मीर में सूखे का खतरा- स्कॉस्ट-कश्मीर ने किसानों को जारी की अर्जेंट एडवाइजरी

- किसानों से कहा गया, वे तुरंत मिट्टी की नमी बचाने और फसल सुरक्षा के उपाय अपनाएं

श्रीनगर। शेर-ए-कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेस एंड टेक्नोलॉजी ऑफ कश्मीर (स्कॉस्ट-कश्मीर) के विशेषज्ञों ने कश्मीर घाटी में लगातार बढ़ते तापमान और बारिश की कमी को देखते हुए किसानों के लिए शुक्रवार को एक अर्जेंट एडवाइजरी जारी की। किसानों से कहा गया है कि वे तुरंत मिट्टी की नमी बचाने और फसल सुरक्षा के उपाय अपनाएं। फलों के लिए सबसे महत्वपूर्ण सलाह यह है कि पेड़ों के बेसिन में 4-6 इंच ऑर्गेनिक मल्च जैसे धान का भूसा या घास की कतरन डाली जाए। स्कॉस्ट विशेषज्ञों ने पॉलीथीन जैसी इनऑर्गेनिक मल्च के इस्तेमाल से बचने की चेतावनी दी है, क्योंकि यह मिट्टी का तापमान बढ़ा सकता है और जड़ों को नुकसान पहुंचा सकता है। सिंचाई की कमी वाले खेतों में जब तक मिट्टी में पर्याप्त नमी न हो, फर्टिलाइजर का इस्तेमाल न करें। गेहूं, सरसों और मटर की फसलों में इंटरकल्चरल ऑपरेशन से खरपतवार हटाना प्राथमिकता हो। यूरिया का इस्तेमाल 2.5 किलोग्राम प्रति कनाल तक सीमित होना चाहिए और केवल तभी जब मिट्टी में नमी पर्याप्त हो। ट्यूलिप की खेती में सुबह जल्दी या देर शाम हल्की और बार-बार सिंचाई करने की सलाह दी गई है। टमाटर, मिर्च, शिमला मिर्च और पत्तागोभी के नर्सरी बैड को शैड नेट या पुआल से ढककर गर्मी के तनाव को कम किया जा सकता है। मछली पालन में एरेशन सिस्टम से घुले ऑक्सीजन को 6 एम.जी./लीटर से ऊपर बनाए रखना अनिवार्य है। पानी की गहराई 1.5-2 मीटर रखी जाए और कम ऑक्सीजन वाले क्षेत्रों में फीडिंग रेट 1-1.5 फीसदी वजन तक कम करें। इस मौसम में मछलियों की सेहत के लिए विटामिन-सी और प्रोबायोटिक्स के साथ हाई-प्रोटीन फ्लोटिंग पेलेट्स का प्रयोग जरूरी है।

सोना-चांदी में तेजी, अमेरिकी जॉब डेटा से बढ़ा निवेशकों का दबाव

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में सोना और चांदी की कीमतों में तेजी जारी रही। सोने का भाव 104 डॉलर प्रति ट्रॉय आउंस बढ़कर 5182 डॉलर पर पहुंच गया। वही सिल्वर फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट्स 3.15 डॉलर बढ़कर 85.33 डॉलर प्रति ट्रॉय आउंस पर कारोबार कर रहे थे। इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण अमेरिका से आए कमजोर जॉब आंकड़े हैं। फरवरी में 92,000 नौकरियां गईं, जबकि अर्थशास्त्रियों को केवल 50,000 नौकरियों की उम्मीद थी। बेरोजगारी दर 4.4 फीसदी तक बढ़ गई है। कमजोर रोजगार आंकड़े अमेरिकी सेंट्रल बैंक पर ब्याज दरों में कटौती का दबाव बढ़ा रहे हैं। भारतीय बाजार में एमसीएक्स फ्यूचर्स में सोने ने 2839 रुपये की तेजी के बाद 162,512 रुपये प्रति 10 ग्राम छुआ। चांदी ने 8309 किलोग्राम की उछाल के साथ 270,500 रुपये प्रति किलोग्राम का स्तर प्राप्त किया। हालांकि, सर्राफा बाजार में मुनाफावसूली के चलते सोना 1,100 रुपये घटकर 1,64,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 600 रुपये गिरकर 2,71,700 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही।

अदानी ने बढ़ाए तीन गुना गैस के रेट, आम लोगों पर बढ़ेगा बोझ

नई दिल्ली । देश में गैस की बढ़ती कीमतों को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। गौतम अदाणी के नेतृत्व वाले समूह द्वारा आपूर्ति की जाने वाली एलएनजी (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) की कीमतों में अचानक तीन गुना तक बढ़ोतरी की खबर सामने आई है। जानकारी के मुताबिक गैस का दाम करीब ₹40 प्रति स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर से बढ़ाकर लगभग 120 रुपये प्रति स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर कर दिया गया है। इस बढ़ोतरी को लेकर कई सामाजिक और राजनीतिक वर्गों में चिंता व्यक्त की जा रही है। आलोचकों का कहना है कि इतनी बड़ी कीमत वृद्धि से घरेलू पाइप्ड गैस (पीएनजी) और औद्योगिक गैस की लागत पर सीधा असर पड़ सकता है, जिससे आम उपभोक्ताओं और उद्योगों दोनों पर आर्थिक बोझ बढ़ने की आशंका है। विपक्षी दलों और कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और नरेन्द्र मोदी की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा है कि ऐसी परिस्थितियों में गैस की कीमतों पर नियंत्रण और पारदर्शिता जरूरी है। उनका आरोप है कि संकट के समय कंपनियों को अत्यधिक मूल्य वृद्धि की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। हालांकि सरकार या कंपनी की ओर से इस बढ़ोतरी पर आधिकारिक विस्तृत बयान अभी सामने नहीं आया है। विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव और आपूर्ति की स्थिति भी कीमतों को प्रभावित कर सकती है।

सेंसेक्स और निफ्टी में दिखा एक साल से भी ज्यादा का दबाव

- कमजोर ग्लोबल संकेतों, गिरते रुपये और एफआईआई की लगातार बिकवाली ने बाजार में दबाव बढ़ाया

मुंबई ।

इस हफ्ते 6 मार्च को समाप्त भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों के लिए चुनौतीपूर्ण समय रहा। बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों में लगातार गिरावट देखी गई, जिससे निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता प्रभावित हुई। कमजोर ग्लोबल संकेतों, गिरते रुपये और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली ने बाजार में दबाव बढ़ाया। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने भी निवेशकों की चिंता को बढ़ाया। परिणामस्वरूप हफ्ते के अंत में सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट के साथ बंद हुए। बीते सप्ताह होली के अवसर पर शेयर बाजार 3 मार्च को बंद रहा, जिसकी वजह से घरेलू शेयर बाजार में एक दिन कम कारोबार हुआ। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को ही बाजार लाल निशान में शुरू हुआ। शुरुआती सत्र में भारी बिकवाली से सेंसेक्स 1,048.34 अंक गिरकर 80,238.85 अंक पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 312.95 अंक की गिरावट के साथ 24,865.70 पर बंद हुआ।

पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेत निवेशकों की सतर्कता को बढ़ाने वाले मुख्य कारण रहे। बुधवार को भी स्थिति अनुकूल नहीं रही। सेंसेक्स 1,122.66 अंक गिरकर 79,116.19 पर और निफ्टी 385.20 अंक गिरकर

24,480.50 पर बंद हुआ। हालांकि गुरुवार को वैश्विक बाजारों में उछाल और एक दिन की राहत के कारण बाजार हरे निशान में कारोबार करता दिखा।

सेंसेक्स 899.71 अंक बढ़कर 80,015.90 पर और निफ्टी 285.40 अंक की तेजी के साथ 24,765.90 पर बंद हुआ। शुक्रवार को फिर से बाजार दबाव में आया। अमेरिकी बाजारों की कमजोरी और एफआईआई की बिकवाली ने सेंसेक्स 1,097 अंक गिराकर 78,918.90 पर और निफ्टी 315.45 अंक गिराकर 24,450.45 पर बंद कराया। इस तरह सप्ताह के अंत तक निवेशकों में सतर्कता और जोखिम से बचने की प्रवृत्ति साफ तौर पर दिखाई दी।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के 'M' प्रोग्राम से जुड़ीं 30,000 से अधिक महिलाएं, डिजिटल बैंकिंग में आई तेजी

मुंबई ।

भारत के सबसे बड़े स्मॉल फाइनेंस बैंक, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अपने विशेष महिला बैंकिंग कार्यक्रम 'रू की शानदार सफलता की घोषणा की है। नवंबर 2025 में लॉन्च होने के बाद से इस कार्यक्रम ने मात्र चार महीनों में 30,000 से अधिक महिला ग्राहकों को अपने साथ जोड़ा है, जिसमें प्रति माह औसतन 7,500 महिलाएं शामिल हो रही हैं। बैंक के आंकड़ों के अनुसार, इस कार्यक्रम से जुड़ी 60 प्रतिशत महिलाएं मोबाइल बैंकिंग का सक्रिय रूप से उपयोग कर रही हैं, जबकि 40 प्रतिशत महिलाएं नियमित रूप से यूपीआई के माध्यम से डिजिटल लेनदेन कर रही हैं। विशेष रूप से जयपुर, सूरत, अहमदाबाद, जोधपुर और हरियाणा के प्रमुख जिलों में इस कार्यक्रम के प्रति जबरदस्त उत्साह देखा गया है।

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए बैंक द्वारा व्हील्स लोन और माइक्रोबिज़नेस लोन पर 0.2 प्रतिशत की विशेष रियायती ब्याज दर प्रदान की जा रही है। बैंक के डिप्टी सीईओ उत्तम तिब्रेवाल ने बताया कि यह कार्यक्रम गृहणियों और स्वरोजगार वाली महिलाओं को औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़कर उन्हें वास्तविक वित्तीय स्वतंत्रता प्रदान कर रहा है।

ब्रांड एंबेसडर और अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने भी भारतीय महिलाओं के बढ़ते डिजिटल आत्मविश्वास और उद्यमशीलता की सराहना की है। इसके अतिरिक्त, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में बैंक ने सौंदर्य, फैशन और वेलनेस श्रेणियों में विशेष लाइफस्टाइल ऑफर्स भी पेश किए हैं जो 31 मार्च 2026 तक मान्य रहेंगे।

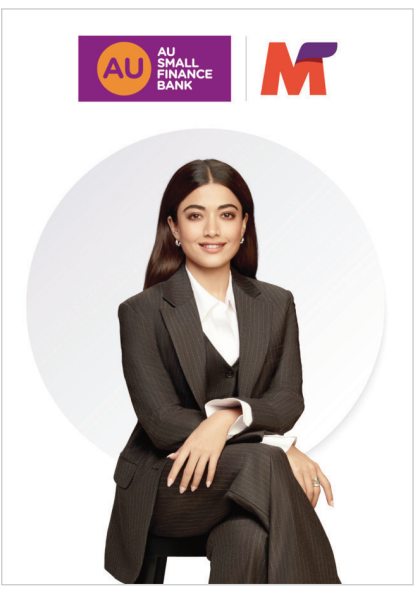

टाटा मोटर्स के साणंद संयंत्र में गैस संकट, 50 फीसदी गिर सकता है उत्पादन

- कंपनी भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में लगभग 45 फीसदी रखती है हिस्सेदारी

अहमदाबाद । पश्चिम एशिया में जारी सैन्य संघर्ष का प्रत्यक्ष असर अब भारतीय ऑटो उद्योग पर दिखने लगा है। प्राकृतिक गैस और प्रोपेन की कमी के कारण टाटा मोटर्स को गुजरात के साणंद स्थित अपने संयंत्रों में उत्पादन में 50 फीसदी तक की कटौती करनी पड़ सकती है। गुजरात गैस लिमिटेड ने पुष्टि की कि देश के प्रमुख गैस आपूर्तिकर्ताओं ने उद्योगों को गैस की आपूर्ति आधी कर दी है। साणंद प्लांट में गैस का इस्तेमाल मुख्य रूप से पेंट-शॉप ओवन को गर्म करने और पेंट को सुखाने (क्युरिंग) के लिए किया जाता है। बिना पेंट किए वाहन स्टॉक में नहीं रखे जा सकते, इसलिए उत्पादन लाइन को रोकना ही एकमात्र विकल्प बचता है। साणंद में टाटा मोटर्स के दो संयंत्र हैं, जिनकी सालाना क्षमता 4,50,000 से अधिक कारों की है। यहां नेक्सॉन, टियागो, टिगोर, सिएरा, कर्व और इलेक्ट्रिक वाहनों का उत्पादन होता है। कंपनी भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में लगभग 45 फीसदी हिस्सेदारी रखती है। हालांकि कारों की मांग बढ़ी हुई है। फरवरी में बिक्री में 35 फीसदी वार्षिक वृद्धि और निर्यात में 167 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। लेकिन गैस संकट से उत्पादन बाधित होने से मांग और सप्लाई में असंतुलन हो सकता है।

ह्लयत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताःह्व : हे शक्ति स्वपणी,श्रृष्टि की जननी, तुझे शत-शत नमन

अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष

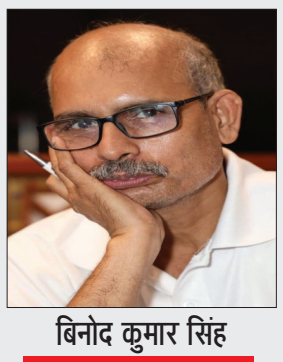

बिनोद कुमार सिंह

भारत की सांस्कृतिक चेतना में नारी को शक्ति कहा गया है।यह शक्ति केवल बाहुबल की नहीं बल्कि धैर्य, संवेदना,करुणा और सृजन की शक्ति है।यही शक्ति जीवन को अर्थ देती है और समाज को दिशा प्रदान करती है।आज आवश्यकता इस बात की है कि हम नारी सम्मान के इस आदर्श को केवल शब्दों में नहीं बल्कि अपने व्यवहार और सामाजिक जीवन में भी उतारें।

भारतीय संस्कृति की विराट परंपरा में एक वाक्य सदियों से गूँजता रहा है -ह्लयत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताःह्व।यह केवल एक शास्त्रीय उक्ति नहीं,बल्कि भारतीय सभ्यता की आत्मा का घोष है।इसका आशय है कि जिस समाज में नारी का सम्मान होता है,वहाँ देवत्व का वास होता है,वहाँ संवेदनाएँ जीवित रहती हैं,वहाँ संस्कृति साँस लेती है और वहाँ मानवता का दीपक कभी बुझता नहीं।

नारी केवल एक व्यक्ति नहीं है; वह जीवन की सृजनधर्मी ऊर्जा है। वह माँ के रूप में ममता की गंगोत्री है, बहन के रूप में स्नेह की सरिता है, पत्नी के रूप में जीवन की सहयात्री है और बेटी के रूप में भविष्य की मुस्कान है।भारतीय परंपरा ने नारी को केवल सामाजिक भूमिका में नहीं देखा,बल्कि उसे सृजन की मूल शक्ति माना है।यही कारण है कि हमारे यहाँ प्रकृति को भी माँ कहा गया और ज्ञान,धन तथा शक्ति को सरस्वती, लक्ष्मी और दुर्गा के रूप में पूजित किया गया।

भारत की सभ्यता में नारी का स्थान सदैव गौरवपूर्ण रहा है।वेदों के युग में जब ज्ञान और दर्शन के संवाद होते थे, तब वहाँ नारी भी समान रूप से उपस्थित थी। गार्गी और मैत्रेयी जैसी विदुषियों ने केवल शास्त्रों का अध्ययन ही नहीं किया, बल्कि दार्शनिक विमर्शों में अपनी तेजस्विता से सबको चकित किया। उस समय समाज में यह विश्वास गहरा था कि ज्ञान और संवेदना का कोई लिंग नहीं होता।मनुष्य की पहचान उसके विचार और कर्म से होती है।

समय की धारा में कई उतार-चढ़ाव आए। मध्यकालीन परिस्थितियों ने सामाजिक संरचनाओं को बदल दिया और अनेक रूढ़ियाँ समाज में घर करने लगीं।नारी की स्वतंत्रता पर कई प्रकार के बंधन लगाए गए। शिक्षा और सामाजिक भागीदारी के अवसर सीमित होने लगे। किंतु इतिहास इस बात का साक्षी है कि भारतीय नारी की चेतना कभी पूरी तरह दबाई नहीं जा सकी।वह समय-समय पर अपनी ऊर्जा और आत्मविश्वास से इन बंधनों को तोड़ती रही।भारत के स्वतंत्रता संग्राम ने नारी शक्ति को नई दिशा और नई पहचान दी।जब देश पराधीनता की जंजीरों में जकड़ा हुआ था, तब अनेक महिलाओं ने घर की चौखट लांघकर स्वतंत्रता के महासंग्राम में भाग लिया।रानी लक्ष्मीबाई की तलवार केवल अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध नहीं थी; वह भारतीय नारी के स्वाभिमान का प्रतीक बन गई। सरोजिनी नायडू की वाणी में कविता भी थी और क्रांति की चेतना भी।कस्तूरबा गाँधी का त्याग और समर्पण राष्ट्र की आत्मा से जुड़ा हुआ था।स्वतंत्रता आंदोलन ने यह सिद्ध कर दिया कि नारी केवल घर की परिधि में सीमित रहने वाली सत्ता नहीं है,बल्कि वह राष्ट्र की नियति को भी दिशा देने की क्षमता रखती है।यही कारण है कि स्वतंत्र भारत के संविधान निमार्ताओं ने महिलाओं को समान अधिकार और समान अवसर प्रदान करने का संकल्प लिया। संविधान ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राज्य किसी भी नागरिक के साथ लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं करेगा। यह केवल कानूनी प्रावधान नहीं था; यह उस नए भारत की परिकल्पना थी जिसमें नारी और पुरुष दोनों समान गरिमा के साथ आगे बढ़ें।

स्वतंत्रता के बाद के दशकों में भारतीय समाज ने धीरे-धीरे परिवर्तन की यात्रा तय की।शिक्षा के विस्तार ने महिलाओं के जीवन में नई रोशनी जगाई। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के द्वार खुलने लगे। ज्ञान के साथ आत्मविश्वास भी बढ़ा और आत्मविश्वास के साथ नई संभावनाओं के द्वार खुलते चले गए।आज का भारत उस परिवर्तन का साक्षी है जहाँ नारी केवल घर की धुरी नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र की सक्रिय सहभागी बन चुकी है। विज्ञान की प्रयोगशालाओं से लेकर अंतरिक्ष के प्रक्षेपण केंद्रों तक, खेल के मैदानों से लेकर प्रशासनिक दायित्वों तक,कला, साहित्य,पत्रकारिता,शिक्षा और उद्यमिता के हर क्षेत्र में भारतीय महिलाएँ अपनी प्रतिभा का परिचय दे रही हैं।

जब कोई भारतीय बेटी अर्न्तराष्ट्रीय मंच पर देश का तिरंगा लहराती है, तब यह केवल उसकी व्यक्तिगत सफलता नहीं होती; यह उस संपूर्ण नारी शक्ति का सम्मान होता है जिसने सदियों की चुनौतियों के बीच अपनी पहचान बनाई है।

फिर भी यह कहना कि यात्रा पूरी हो चुकी है,शायद वास्तविकता से आँखें मूँद लेना होगा।समाज में अभी भी कई ऐसी चुनौतियाँ मौजूद हैं जो नारी के मार्ग को कठिन बनाती हैं।कई स्थानों पर सामाजिक रूढ़ियाँ और असमानताएँ आज भी उसके आत्मविश्वास को चुनौती देती हैं। कहीं शिक्षा का अभाव है तो कहीं अवसरों की कमी।कहीं सुरक्षा का प्रश्न है तो कहीं सामाजिक मानसिकता का संकीर्ण दायरा।

इन चुनौतियों के बावजूद भारतीय नारी की यात्रा रुकी नहीं है।वह निरंतर आगे बढ़ रही है।उसकी आँखों में स्वप्न हैं,उसके कदमों में विश्वास है और उसके भीतर वह अदम्य शक्ति है जो कठिनाइयों को भी अवसर में बदल देती है।

दरअसल नारी शक्ति को समझना केवल अधिकारों के संदर्भ में संभव नहीं है।यह एक गहरी सांस्कृतिक और मानवीय चेतना का विषय है। जिस समाज में नारी का सम्मान होता है,वहाँ संवेदनाएँ जीवित रहती हैं।वहाँ परिवार मजबूत होते हैं, वहाँ संस्कृति सुरक्षित रहती है और वहाँ भविष्य उज्ज्वल होता है।नारी जीवन की वह मौन धारा है जो बिना किसी शोर के सभ्यता को आगे बढ़ाती रहती है।वह घर के आँगन में बच्चों के सपनों को आकार देती है,परिवार के रिश्तों को प्रेम की डोर से बाँधती है और समाज को संवेदनशील बनाती है। उसकी मुस्कान में आशा होती है और उसके संघर्ष में प्रेरणा।आज जब अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का अवसर हमारे सामने है,तब यह केवल उत्सव का क्षण नहीं बल्कि कृतज्ञता का भी क्षण है।यह वह समय है जब समाज को उन अनगिनत महिलाओं को याद करना चाहिए जिन्होंने अपने त्याग,श्रम और संवेदना से इस दुनिया को बेहतर बनाया है।हर माँ जो अपने बच्चों के भविष्य के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर देती है, हर बेटी जो सपनों के साथ आगे बढ़ती है,हर बहन जो परिवार की खुशियों का आधार बनती है और हर वह महिला जो समाज को बेहतर बनाने के लिए संघर्ष करती है - वे सभी नारी शक्ति की जीवंत प्रतिमाएँ हैं।

भारत की सांस्कृतिक चेतना में नारी को शक्ति कहा गया है।यह शक्ति केवल बाहुबल की नहीं बल्कि धैर्य, संवेदना,करुणा और सृजन की शक्ति है।यही शक्ति जीवन को अर्थ देती है और समाज को दिशा प्रदान करती है।आज आवश्यकता इस बात की है कि हम नारी सम्मान के इस आदर्श को केवल शब्दों में नहीं बल्कि अपने व्यवहार और सामाजिक जीवन में भी उतारें।जब समाज की मानसिकता बदलेगी, जब बेटी और बेटे के बीच कोई भेद नहीं रहेगा,जब हर महिला को सम्मान और अवसर मिलेगा-तभी वह आदर्श सच में साकार होगा जिसकी कल्पना हमारे ऋषियों ने की थी।नारी शक्ति को प्रणाम करना केवल औपचारिकता नहीं है;यह उस सृजनशील ऊर्जा के प्रति श्रद्धा है जिसने मानव सभ्यता को आकार दिया है। इस अवसर पर समूची नारी शक्ति को हृदय से नमन करते हुए यही कहा जा सकता है कि जहाँ नारी का सम्मान है, वहीं जीवन की सुंदरता है,वहीं संस्कृति की ज्योति है और वहीं मानवता का उजाला है।सच तो यह है कि नारी केवल समाज का हिस्सा नहीं,बल्कि समाज की आत्मा है।जब यह आत्मा सम्मानित होती है,तभी सच्चे अर्थों में देवत्व पृथ्वी पर उतरता है।

यही वह भावना है जो हमें फिर से स्मरण कराती है–ह्लयत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः ह्व.हे शक्ति स्वपणी,श्रृष्टि की जननी,तुझे शत-शत नमन ।

संपादकीय

नीतीश अचानक राज्यसभा!

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अचानक राज्यसभा में जाने का निर्णय क्यों किया है? वह 105 दिन पहले ही 10वीं बार मुख्यमंत्री बने थे। वह 19 साल 4 माह इस पद पर रहे और अब भी 15 अप्रैल तक मुख्यमंत्री बने रह सकते हैं। नया जनादेश भाजपा-जद (यू) और एनडीए को मिला था। विपक्षी राजद को करारी पराजय देकर सत्ता बरकरार रखी गई थी। मुख्यमंत्री की जिस कुर्सी के लिए नीतीश ने ह्यपलटूरामह्व जैसे विशेषण को भी झेल लिया था, उस कुर्सी को अचानक छोड? की इच्छा क्यों जताई है? इन सवालों के जवाब तो नीतीश या भाजपा नेतृत्व ही दे सकते हैं, लेकिन यह विस्फोटक राजनीतिक खबर है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इसे ह्यराजनीतिक अपहरणह्व करार दिया है। अब बिहार का नया मुख्यमंत्री कौन होगा? यह एक सामान्य सवाल है। निश्चित है कि भाजपा का बीते 20 सालों से संचित सपना साकार होने जा रहा है। नीतीश के बेहद करीबी नेता एवं पूर्व सांसद केसी त्यागी तक ने पुष्टि की है कि मुख्यमंत्री भाजपा का ही होगा। बहरहाल बिहार में चुनाव के दौरान भी नीतीश उम्रदराज और अस्वस्थ थे। विपक्ष के आरोपों को छोड़िए, लेकिन ऐसे कई क्षण सार्वजनिक हुए हैं, जब लगा कि नीतीश मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं हैं। यदि जनादेश मिलने और मुख्यमंत्री बनने के 105 दिनों के बाद ही पद छोड़ कर राज्यसभा में जाने की इच्छा व्यक्त करनी थी, तो नीतीश कुमार मुख्यमंत्री की शपथ ही न लेते। सत्ता के नए पांच साल नीतीश को मिले थे। बढ़ती उम्र और गिरते स्वास्थ्य के बावजूद वह आराम से सरकार चला सकते थे। जनता से जिन वायदों के आधार पर जनादेश हासिल किया था, उन्हें पूरा करने के प्रयास कर सकते थे। यदि अब राज्यसभा में जाकर उन्हें केंद्रीय मंत्री बनाया जाता है, तो उनके पास मंत्रालय, सरकार का नीतिगत एजेंडा, मंत्रालय के रोजमर्रा के दायित्व भी होंगे। यदि नीतीश मुख्यमंत्री बने रहने में असहज, असमर्थ थे, तो वही स्थितियां केंद्रीय मंत्री बनने पर भी होंगी। फिर उन्होंने यह फैसला क्यों किया? अथवा भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें बाध्य किया है? सवाल यह भी है कि अब केंद्रीय मंत्री बनकर नीतीश क्या साबित करेंगे? वह केंद्र सरकार में कृषि, रेल, सडक परिवहन मंत्री रह चुके हैं। नीतीश 6 बार सांसद चुने गए और 6 साल तक केंद्रीय मंत्री रहे।

चिंतन-मनन

जीवन और मृत्यु

चीन में लाओत्से के समय में ऐसी प्रचलित धारण थी कि आदमी के शरीर में नौ छेद होते हैं। उन्हीं नौ छेदों से जीवन प्रवेश करता है और उन्हीं से बाहर निकलता है। दो आंखें, दो नाक के छेद, मुंह, दो कान, जननेंद्रिय, गुदा। इसके साथ चार अंग हैं- दो हाथ और दो पैर। सब मिला कर तेरह। यही तेरह अंग जीवन के साथी हैं और मृत्यु के भी साथी हैं। यही तेरह जीवन में लाते हैं और यही जीवन से बाहर ले जाते हैं। तेरह का मतलब यह पूरा शरीर।

इन्हीं से तुम भोजन करते हो; इन्हीं से जीवन पाते हो; इन्हीं से उठते-बैठते और चलते हो। यही तुम्हारे स्वास्थ्य का आधार हैं और यही मृत्यु का भी आधार होंगे। क्योंकि जीवन और मृत्यु एक ही चीज के दो नाम हैं। इन्हीं से जीवन तुम्हारे नाम आएगा, इन्हीं से बाहर जाएगा। इन्हीं से शरीर के भीतर खड़े हो। इन्हीं के साथ शरीर टूटेगा, इनके द्वारा ही टूटेगा। हैरानी की बात है। यही तुम्हें संभालते हैं और यही मिटाएंगें। भोजन तुम्हें जीवन देता है, शक्ति देता है और भोजन की शक्ति से अपने भीतर की मृत्यु को बड़ा किये चले जाते हो। भोजन तुम्हें बुढ़ापे तक पहुंचा देगा, मृत्यु तक पहुंचा देगा। आंख, नाक, कान से जीवन की श्वास भीतर आती है। उन्हीं से बाहर जाती है। नौ द्वार और चार अंग। लाओत्से कहता है- तेरह ही जीवन के साथी, तेरह ही मौत के साथी। ये तेरह ही ले जाते हैं।

अगर तुम सजग हो जाओ तो तुम चौदहवें हो। इन तेरह के पार हो। इस तेरह की संख्या के कारण चीन और फिर धीरे-धीरे सारी दुनिया में, तेरह का आंकड़ा अपशकुन हो गया। इस सुपरस्टीशन की पैदाइश चीन में हुई। अमेरिका में होटलों में तेरह नंबर का कमरा नहीं होता; तेरह नंबर की मंजिल भी नहीं होती। क्योंकि कोई तेरह नंबर पर ठहरने को राजी नहीं है। तेरह शब्द से ही घबराहट होती है। बारह नंबर के कमरे के बाद चौदह नंबर आता है। असल में होता तो वह तेरहवां ही है, लेकिन जो ठहरता है, उसे चौदह याद रहता है। तेरह की चिंता नही पकड़ती।

चीन में बड़े अर्थपूर्ण कारण से यह विश्वास फैला। तेरह अपशकुन है। तुम चौदहवें हो और तुम्हें चौदहवें का कोई पता भी नहीं। तुम न जीवन हो, न मौत। तुम दोनो के पार हो। अगर इन तेरह के प्रति सजग हो जाओगे, पृथक हूं, मै अन्य हूं। शरीर और, मैं और। और यह जो भीतर भिन्नता, शरीर से अलग चैतन्य का अविर्भाव होगा, इसकी न कोई मृत्यु है, न कोई जीवन है। यह न कभी पैदा हुआ, न कभी मरेगा।

कच्चा तेल खरीद में अमेरिका की 'दादागिरी क्यों?

सौरभ वार्ष्णेय

तेल खरीद में अमेरिका की हमेशा से दादागिरी चलती आ रही है। वर्तमान में जब आठवें दिन इजरायल-ईरान के जंग के बीच जब कच्चा तेल महंगा और सप्लाई भी बंद हो जाती है ऐसे में अमेरिका द्वारा भारत को 30 दिन की मौहलत का आशय ? कूटनीतिक संदेश या दबाव ? । ऐसे समय में शांति की पहल केवल राजनीतिक जरूरत नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक स्थिरता की भी अनिवार्य शर्त है।

वैश्विक राजनीति में ऊर्जा हमेशा से शक्ति और दबाव का बड़ा हथियार रही है। हाल के घटनाक्रम में एक बार फिर यह स्पष्ट हो गया है कि दुनिया की महाशक्तियाँ तेल को केवल आर्थिक संसाधन नहीं, बल्कि कूटनीतिक दबाव के औजार के रूप में भी इस्तेमाल करती हैं। अमेरिका द्वारा कुछ देशों से तेल खरीद को लेकर कड़े प्रतिबंधों की नीति और भारत को 30 दिन की मौहलत देना इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

अमेरिका लंबे समय से उन देशों पर दबाव बनाता रहा है, जिनसे उसका राजनीतिक टकराव है। ऐसे में यदि कोई तीसरा देश उनसे तेल खरीदता है तो वह भी अमेरिकी प्रतिबंधों की जद में आ सकता है। यही कारण है कि भारत जैसे बड़े ऊर्जा उपभोक्ता देश को बार-बार संतुलन साधना पड़ता है। भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए सस्ती और स्थिर आपूर्ति चाहता है, जबकि अमेरिका चाहता है कि उसके सहयोगी देश उसकी विदेश नीति के अनुरूप ही निर्णय लें।

भारत दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातकों में से एक है और उसकी अर्थव्यवस्था काफी हद तक बाहरी ऊर्जा आपूर्ति पर निर्भर है। ऐसे में यदि किसी स्रोत से सस्ता तेल मिलता है तो उसे पूरी तरह छोड़ देना भारत के लिए आसान नहीं होता। यही वजह है कि अमेरिका के दबाव के बावजूद भारत अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए फैसले लेने की कोशिश करता रहा है।

भारत को दी गई 30 दिन की मौहलत दरअसल एक तरह का कूटनीतिक संदेश है। यह समय भारत को अपनी रणनीति तय करने के लिए दिया गया है, लेकिन इसके साथ ही यह संकेत भी है कि आगे अमेरिका इस मुद्दे पर और सख्ती दिखा सकता है। यह स्थिति भारत के लिए एक चुनौतीपूर्ण संतुलन का सवाल बन जाती है–एक तरफ रणनीतिक साझेदारी और दूसरी ओर ऊर्जा सुरक्षा।

यह भी ध्यान देने वाली बात है कि वैश्विक राजनीति में प्रतिबंधों की यह संस्कृति धीरे-धीरे बढ़ती जा रही है। बड़ी शक्तियाँ आर्थिक ताकत का इस्तेमाल करके दूसरे देशों के निर्णयों को प्रभावित करना चाहती हैं। इससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार की स्वतंत्रता और वैश्विक व्यवस्था दोनों पर सवाल खड़े होते हैं।

भारत को इस परिस्थिति में अपनी ऊर्जा नीति को और अधिक विविधतापूर्ण बनाना होगा। वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना, नए तेल आपूर्तिकताओं की तलाश करना और रणनीतिक भंडारण को मजबूत करना समय की मांग है। साथ ही, कूटनीतिक स्तर पर भी भारत को स्पष्ट करना होगा कि उसकी ऊर्जा जरूरतों पर किसी बाहरी दबाव का असर सीमित ही हो सकता है।

अंततः, यह प्रकरण केवल तेल खरीद का नहीं बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन का भी संकेत है। भारत जैसे उभरते हुए देश के लिए यह जरूरी है कि वह अपनी आर्थिक और रणनीतिक स्वतंत्रता को बनाए रखते हुए अंतरराष्ट्रीय दबावों का समझदारी से सामना करे। तभी वह अपनी विकास यात्रा को बिना बाधा के आगे बढ़ा पाएगा।

युद्ध नहीं रुका तो कच्चे तेल की आग पूरी दुनिया को झुलसा सकती है

वहीं अगर ईरान-इजरायल युद्ध नहीं रुका तो कच्चे तेल की आग पूरी दुनिया को झुलसा सकती है। पश्चिम एशिया में ईरान और इजरायल के बीच बढ़ता सैन्य संघर्ष केवल क्षेत्रीय सुरक्षा का मुद्दा नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर पड़ रहा है। युद्ध के चलते कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें तेजी से उछलने लगी हैं। अगर यह युद्ध जल्द नहीं थमा, तो कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल से पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर दबाव पड़ सकता है।दरअसल, इस संघर्ष का सबसे बड़ा खतरा हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर मंडरा रहा है। यह दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग है, जहां से लगभग 20 प्रतिशत वैश्विक तेल आपूर्ति गुजरती है। यदि इस मार्ग में व्यवधान आता है या जहाजों की आवाजाही रुकती है, तो वैश्विक तेल बाजार में बड़ा संकट खड़ा हो सकता है।हाल के दिनों में इसी आशंका के कारण तेल बाजार में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। रिपोर्टों के मुताबिक युद्ध के कुछ ही दिनों में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया और यह लगभग 90 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया, जो हाल के वर्षों में सबसे तेज साप्ताहिक बढ़ोतरी में से एक है।

यदि संघर्ष लंबा खिंचता है तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि हॉर्मुज जलडमरूमध्य बंद हुआ या तेल टैंकरों की आवाजाही बाधित हुई, तो तेल की कीमतें 100 से 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं। इससे वैश्विक महंगाई बढ़ेगी, उत्पादन लागत बढ़ेगी और कई देशों की आर्थिक वृद्धि प्रभावित होगी।

भारत जैसे देशों के लिए यह संकट और भी गंभीर हो सकता है, क्योंकि भारत अपनी लगभग 90 प्रतिशत तेल जरूरतें आयात से पूरी करता है और उसका बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से आता है। ऐसे में तेल महंगा होने का मतलब है–पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि, महंगाई का दबाव और सरकारी वित्त पर अतिरिक्त बोझ।स्पष्ट है कि ईरान-इजरायल युद्ध केवल दो देशों का सैन्य संघर्ष नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा की परीक्षा बन चुका है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को कूटनीतिक प्रयासों के जरिए जल्द से जल्द तनाव कम करने की दिशा में काम करना होगा। यदि युद्ध की आग फैलती है, तो उसका धुआं पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को घेर सकता है–और कच्चे तेल की कीमतें इसका सबसे बड़ा संकेत होंगी।

अतः युद्ध जितना लंबा चलेगा, तेल बाजार उतना अस्थिर होगा। इसलिए शांति की पहल केवल राजनीतिक जरूरत नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक स्थिरता की भी अनिवार्य शर्त है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार व समाचार पत्र , पत्रिकाओं में समसामायिक चिंतक विचारक है।

किस दबाव में झुके नीतीश : भाजपा खुश, विपक्ष हैरान

राधा रमण

समाज को चौंकाते रहना समाजवादियों का शगल रहा है। नीतीश कुमार भी समाजवादी विचारधारा से ही आते हैं। ऐसा भी नहीं है कि नीतीश कुमार ने होली के दूसरे दिन बिहार और देश के लोगों को पहली बार चौंकाया है। वह पहले भी चौंकाते रहे हैं। कभी अपने धुर विरोधी लालू प्रसाद यादव के महागठबंधन से हाथ मिलाकर सत्ता सुख भोगने के लिए, तो कभी भाजपा और एनडीए के साथ गठबंधन करके। अपने इसी हुनर के कारण नीतीश करीब साढ़े 19 वर्षों से बिहार की सत्ता पर काबिज हैं। इसीलिए विरोधी उन्हें कुर्सी कुमार भी कहते रहे हैं। लेकिन, इन सब के बीच यह कहना गलत नहीं होगा कि नीतीश कुमार की स्वीकार्यता पक्ष-विपक्ष दोनों में तीन दशक से बनी हुई है। सही मायनों में नीतीश पिछले दो दशकों से बिहार की सत्ता की धुरी रहे हैं।

फिलहाल, बिहार में सबकुछ ठीक चल रहा था। 2025 में हुए विधानसभा चुनाव में एनडीए को उम्मीद से अधिक वोट और सीटें मिली थीं। कुल 243 सदस्यीय विधानसभा में एनडीए को 202 सीटें मिली थीं। नीतीश कुमार 10 वीं बार 20 नवंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लिये थे। बिहार के लिए यह नया उदाहरण है। लेकिन अचानक होली के दूसरे दिन नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर पक्ष-विपक्ष समेत बिहार के आम अवाम को चौंका दिया। अपने ट्वीट संदेश में नीतीश ने लिखा कि ह्यदो दशक से अधिक समय से आपने मेरे साथ लगातार विश्वास और समर्थन बनाये रखा। इसकी ही ताकत थी कि बिहार आज विकास और सम्मान का नया आयाम प्रस्तुत कर रहा है। संसदीय जीवन शुरू करने के समय से ही इच्छा थी कि बिहार विधानमंडल के दोनों सदनों के साथ संसद के दोनों सदनों का भी सदस्य बनूं। इसी क्रम में राज्यसभा सदस्य बनना चाह रहा हूं। बिहार की नई सरकार को मेरा पूरा समर्थन रहेगा।ह्य और फिर तीन घंटे के भीतर उन्होंने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में राज्यसभा के लिए पर्चा दाखिल कर दिया। नीतीश कुमार के इस फैसले से जनता दल (यूनाईटेड) के कार्यकताओं में गुस्से की लहर दौड़ गई। राज्यभर में विरोध-प्रदर्शन होने लगे। कार्यकर्ता इसे भाजपा की चाल में नीतीश को फंसाने, पार्टी के ही कुछ बड़े नेताओं पर भाजपा के लिए काम करने और जनमत का अपमान बताने लगे। उन्होंने पटना स्थित पार्टी कार्यालय में तोड़फोड़ भी की और नीतीश से अपना फैसला वापस लेने की मांग करने लगे। उनका कहना था कि मतदाताओं ने नीतीश के नाम पर वोट किया था। यह फैसला मतदाताओं की अनदेखी है। नाराज जदयू कार्यकताओं ने जदयू दफ्तर में लगे प्रधानमंत्री के पोस्टर पर कालिख पोत दी। नाराजगी सिर्फ कार्यकताओं में ही नहीं है। जदयू के श्याम रजक, विनय चौधरी समेत कई विधायक नीतीश के इस फैसले से इत्तेफाक नहीं रखते। विधायक अनिल चौधरी तो खुलकर कहते हैं कि साढ़े तीन महीने में आखिर ऐसा क्या हो गया कि मुख्यमंत्री को ऐसा निर्णय लेना पड़ा। जदयू एमएलसी नीरज कुमार कहते हैं कि जदयू के कार्यकताओं को दुख है। जिन लोगों ने हमें वोट नहीं दिया वे भी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। अब सीएम ने बिहार छोड़कर दिल्ली जाने का फैसला किया है। लेकिन पार्टी ने जिनको जिम्मेदारी दी है, उनके सामने यह सवाल है कि अब राजनीतिक विरासत कौन संभालेगा ? नीतीश कुमार को अगर किसी समस्या के बारे में पता चलता था तो वो तुरंत एक्शन लेते थे। अब यह कौन करेगा ? उधर, नीतीश की इस चाल से विपक्ष की बोलती बंद हो गई। उनकी रही-सही उम्मीदों पर ओले गिर गए। विपक्ष के नेता भले ही नीतीश कुमार को कुछ वर्षों से ह्यपलटूरामह्व कहा करते थे लेकिन उनके मन में हमेशा यह बात रहती थी कि नीतीश कभी न कभी भाजपा के दबाव से ऊबकर उनके साथ आ सकते हैं। लेकिन इस बार नीतीश ने कोई मौका नहीं दिया। दूसरे शब्दों में कहें तो पिछले विधानसभा चुनाव में मतदाताओं ने महागठबंधन को इतनी सीटें नहीं दी जिससे नीतीश उनके साथ कोई जोड़तोड़ कर पाते। महागठबंधन के सबसे बड़े दल राष्ट्रीय जनता दल को महज 25 सीटें मिली हैं। मुश्किल से तेजस्वी को नेता प्रतिपक्ष का दर्जा मिला है। कांग्रेस और कमजोर हुई है।

हां, नीतीश के इस कदम से भाजपा की बाछें खिल गयी है। बिहार में पहली बार उसे सरकार बनाने का मौका मिल रहा है। पिछले 21 वर्षों से भाजपा नीतीश की पिछलग्गू बनी हुई थी। नीतीश महागठबंधन के पाले में जाते थे तो उसे विपक्ष में बैठना पड़ता था। बीच के वर्षों में दो बार ऐसा हो चुका है। अब पहली बार उसे खुलकर खेलने का मौका मिलेगा। इसके अलावा नीतीश के शासनकाल की चुनावी घोषणाओं को पूरा करने की उसकी जवाबदेही भी नहीं रहेगी। साढ़े चार साल तक उसका निष्कंटक राज चलेगा। गठबंधन में शामिल जदयू के नेता समय के साथ या तो भाजपा में चले जाएंगे अथवा खंड-खंड हो जाएंगे। भाजपा का यही इतिहास रहा है। यकीन न हो तो इंडियन नेशनल लोकदल, अकाली दल, शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस आदि का इतिहास देख लें। पता चल जाएगा।

जानकार दावा तो यह भी करते हैं कि भाजपा अपनी मुहिम में काफी पहले से लगी थी। 2020 के विधानसभा चुनाव में लोगों ने बखूबी देखा कि किसके इशारे पर चिराग की लोजपा ने भाजपा के टिकट से वंचित नेताओं को अपने बैनर तले जदयू उम्मीदवारों के खिलाफ मैदान में उतार दिया था। नतीजतन, जदयू 43 सीटों पर सिमट गयी थी। 2025 चुनाव के दौरान टिकट बंटवारे में भाजपा ने जदयू की सीटिंग सीटें भी लोजपा को दे दी थी। जदयू की ओर से सीटों की बातचीत कर रहे पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और मंत्री राजीव रंजन सिंह ऊर्फ ललन सिंह मान भी गए थे। लेकिन समय रहते नीतीश सचेत हो गए और उन्होंने करीब आधा दर्जन सीटों पर उम्मीदवार उतार दिए थे। वे जीतकर आ भी गए। तब भाजपा के चाणक्य कहे जाने वाले अमित शाह मन मसोस कर रह गए थे। यही नहीं चुनाव के दौरान भी एक टीवी इंटरव्यू में अमित शाह ने साफ कहा था कि मुख्यमंत्री का फैसला विधायक करेंगे। हालांकि नुकसान होता देख भाजपा नेताओं को चुनाव के बीच नीतीश के नाम पर मुहर लगानी पड़ी थी। सवाल उठता है कि अब अचानक ऐसी क्या स्थिति बन गयी कि नीतीश कुमार को बिहार की सत्ता रास नहीं आ रही है। राज्यसभा में तो नीतीश जब चाहते जा सकते थे। रही बात बेटे निशांत को राजनीति में लांच करने की, तो नीतीश को कौन रोक रहा था। जदयू के नेता-कार्यकर्ता तो पहले से इसकी मांग कर रहे थे। नीतीश चाहते तो देश में सर्वाधिक दिन तक मुख्यमंत्री बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते थे। लेकिन इस उपलब्धि से चूक क्यों गए ? इसका जवाब तो नीतीश ही दे सकते हैं। फिलहाल, देश में सबसे अधिक दिनों 24 वर्ष 166 दिन मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड सिक्किम के पवन कुमार चामलिंग के नाम है। नवीन पटनायक (ओडिशा) 24 वर्ष 94 दिन, ज्योति बसु (पश्चिम बंगाल) 23 वर्ष 137 दिन, गेगोंग अपांग (अरुणाचल प्रदेश) 22 वर्ष 250 दिन, ललथनहवला (मिजोरम) 22 वर्ष 60 दिन, वीरभद्र सिंह (हिमाचल प्रदेश) 21 वर्ष 13 दिन, और माणिक सरकार (त्रिपुरा) 19 वर्ष 363 दिनों तक मुख्यमंत्री रहे। नीतीश का नंबर आठवें पायदान पर आता है।

संक्षिप्त समाचार

ईरान का इजराइल-अमेरिका समेत अबतक 12 देशों पर हमला

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज सातवां दिन है। ईरान ने अब तक अमेरिका और इजराइल समेत 12 देशों पर हमला किया है। इन देशों में यूएई, कतर, बहरीन, जॉर्डन, इराक, कुवैत, ओमान, सऊदी अरब, साइप्रस, सीरिया और अजरबैजान शामिल हैं। अमेरिकी सेना ने बताया कि जंग में अब तक ईरान के 30 से ज्यादा जहाज डुबो दिए गए हैं। इनमें एक ऐसा जहाज भी शामिल है जिसे ड्रोन लॉन्च करने के लिए इस्तेमाल किया जाता था। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने भी कहा है कि उनकी सेना ईरान के खिलाफ लड़ाई को और तेज करने जा रही है। अमेरिका के पास हथियार और गोला-बारूद की कोई कमी नहीं है। हालांकि राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका ईरान के खिलाफ जमीनी हमले नहीं करेगा, क्योंकि ये समय की बर्बादी होगी। ईरान ने इजराइल पर क्लस्टर बम गिराए ईरान ने गुरुवार रात इजराइल पर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, इन मिसाइलों में क्लस्टर बम लगे थे। इजराइली सेना ने बताया कि जब ऐसी मिसाइल जमीन की ओर आती है तो उसका वारहेड हवा में ही खुल जाता है और करीब 20 छोटे बम अलग-अलग जगहों पर गिर जाते हैं। हर बम में लगभग 2.5 किलो विस्फोटक होता है और ये करीब 8 किलोमीटर के इलाके में फैल सकते हैं। ये छोटे बम सीधे जमीन पर गिरते हैं और टकराते ही फट जाते हैं। इससे एक बड़े इलाके को खतरा हो सकता है, हालांकि हर छोटे बम का धमाका सामान्य बैलिस्टिक मिसाइल जितना ताकतवर नहीं होता। यह साफ नहीं है कि ईरान ने ऐसी कुल कितनी मिसाइलें चलाई हैं, क्योंकि कई मिसाइलों को इजराइल के एयर डिफेंस सिस्टम ने रास्ते में ही गिरा दिया। वहीं ईरान ने गुरुवार को बहरीन की सरकारी तेल रिफाइनरी BAPCO पर मिसाइल से हमला किया। इससे रिफाइनरी की एक यूनिट में आग लग गई। हालांकि बाद में आग काबू कर ली गई।

भारत-कनाडा के बीच यूरेनियम समझौते से पाकिस्तान बौखलाया

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत और कनाडा के बीच ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ते सहयोग और यूरेनियम आपूर्ति के दीर्घकालिक समझौते से पाकिस्तान असहज हो गया है। हाल में कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की भारत यात्रा (27 फरवरी-2 मार्च) के दौरान दोनों देशों ने परमाणु ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति को लेकर अहम करार किए थे, जिसे पाकिस्तान ने दक्षिण एशिया के रणनीतिक संतुलन के लिए खतरा बताया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने कहा कि भारत व कनाडा के बीच यूरेनियम आपूर्ति और छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों पर हुआ यह समझौता चिंता का विषय है। इससे भारत को घरेलू परमाणु भंडार का उपयोग सैन्य उद्देश्यों के लिए करने की छूट मिल जाएगी। पाकिस्तान ने आरोप लगाया कि यह समझौता अंतरराष्ट्रीय परमाणु अप्रसार नियमों के खिलाफ है। इससे भारत के परमाणु हथियारों के भंडार में विस्तार होगा। वहीं, कूटनीतिक जानकारों का कहना है कि भारत का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण उद्देश्यों व ऊर्जा सुरक्षा के लिए है। भारत ने हमेशा अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन किया है, यही कारण है कि कनाडा जैसे देश भारत के साथ नागरिक परमाणु सहयोग बढ़ा रहे हैं। पाकिस्तान ने इस वैश्विक साझेदारी को भेदभावपूर्ण करार देते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से समान मानदंडों की मांग की है।

ट्रम्प बोले- ईरान मेरे बिना सुप्रीम लीडर न चुने :सिलेक्शन में अमेरिका का रोल जरूरी; खामेनेई का बेटा मंजूर नहीं

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान को उनके बिना नया सुप्रीम लीडर नहीं चुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि नए नेता के चयन में अमेरिका की भूमिका जरूरी है और बिना अमेरिका की भागीदारी के ऐसा करना वक्त की बर्बादी होगी।

एक्सिओस को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि ईरान अगर अमेरिका को शामिल किए बिना नया सुप्रीम लीडर चुनता है तो इसका कोई मतलब नहीं होगा। ट्रम्प ने यह भी कहा कि अली खामेनेई के बेटे मुजतबा खामेनेई को संभावित उत्तराधिकारी माना जा रहा है, लेकिन वह इसे स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर नया नेता भी पुराने नेतृत्व की नीतियां जारी रखता है तो अमेरिका और ईरान के बीच आने वाले वर्षों में फिर टकराव हो सकता है। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ऐसा नेता चाहता है जो ईरान में शांति और स्थिरता ला सके।

पश्चिम एशिया युद्धः बढ़ते हमलों के बीच देवदूत बनीं भारतीय नर्सें

कुवैत, एजेंसी। पश्चिम एशिया में ज्यादातर देशों में संघर्ष का साया छाया हुआ लेकिन ऐसे समय में भी भारतीय नर्सों की सेवा और समर्पण में कोई कमी नहीं आई है। इनका काम राजनीतिक या सैन्य तनाव के बावजूद हमेशा की तरह बदस्तूर जारी है। 1990 के दशक का कुवैत युद्ध हो, 2003 का इराक युद्ध, सीरिया या मिस्र के गृह युद्ध या पश्चिम एशिया में जारी मौजूदा संघर्ष, भारतीय नर्सें हमेशा देवदूत बनकर अपना कर्तव्य निभाती रही हैं।

इसकी मिसाल कुवैत शहर से करीब 32 किलोमीटर पश्चिम में इराक सीमा के पास भट्टी की तरह तप रहे अल जाहरा में दिख जाता है। इस जगह को धरती पर सबसे गर्म जगहों में एक माना जाता है और यहां का तापमान 53 डिग्री सेल्सियस से भी अधिक हो जाता है। केरल की एक नर्स जैसमीन थॉमस (बदला हुआ नाम) अपने भारतीय साथियों के साथ अल जाहरा के एक छोटे से क्लिनिक में आम दिनों की तरह काम कर रही थी। कुछ ही घंटों बाद क्लिनिक के ऊपर आसमान में मिसाइलें और ड्रोन उड़ते नजर आने लगे। देखते-देखते रुक-रुक कर धमाके होने लगे।

भारतीय नर्सों के साहस की कहानी : धमाकों की तीव्रता बढ़ने पर जैसमीन और उनके साथी भागकर अपने हॉस्टल में शरण लेते हैं। हॉस्टल में वे सब हालात के सामान्य होने का इंतजार करते रहे। कर्तव्य और अपनी सुरक्षा के बीच संतुलन बनाने की मशक्कत करते हुए जैसमीन और उनके साथी सोमवार को फिर से अपने काम पर लौट आएं लेकिन इस बार क्लिनिक में वे सब थे लेकिन मरीज नहीं। यह घटना भारतीय नर्सों के साहस, धैर्य और जिम्मेदारी को दिखाता है। ये ऐसी विशेषता है जो इस क्षेत्र में काम करने वाली भारतीय नर्सों को अन्य लोगों से अलग पहचान दिलाती है।

संघर्ष के साये में निभा रहीं अपना कर्तव्य

हम सुरक्षित हैं : जैसमीन और ईरान में फंसी केरल की एक नर्स के अलावा ज्यादातर नर्सों ने कहा कि हम सुरक्षित हैं। संयुक्त अरब अमीरात में कार्यरत एक भारतीय स्वास्थ्यकर्मी ने कहा कि हमें बीच-बीच में चेतावनी सायरन सुनाई देते हैं लेकिन इसके अलावा अभी कोई खतरा महसूस नहीं हुआ है। अस्पताल सामान्य तरीके से काम कर रहे हैं। सरकार हमलों को रोक रही है। कुवैत में कार्यरत एक नर्स ने भी यही बात कही और कहा कि अभी भारतीय प्रवासियों के लिए चिंता की कोई वजह नहीं है। कई लोगों के लिए, मैसेज एक जैसा है। सऊदी अरब में कार्यरत एक अन्य नर्स ने कहा कि हम पूरी तरह से सुरक्षित हैं। मीडिया के कुछ हिस्सों में जैसा दिखाया जा रहा है, उसके उलट। ड्रोन हमले हो रहे हैं, लेकिन देश अपना बचाव कर रहा है और हमारी सुरक्षा सुनिश्चित कर रहा है।

4 लाख से 5 लाख भारतीय नर्सें कार्यरत : एक अनुमान के मुताबिक, इस इलाके में 4,00,000 से 5,00,000 भारतीय नर्सें काम कर रही हैं। गैर-निवासी केरलवासियों की शिकायतों के समाधान के लिए राज्य की नोडल एजेंसी एनओआरकेए रूट्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजीत कोलासेरी ने बताया कि सरकार को राज्य की एक नर्स के जंग प्रभावित ईरान में फंसे होने की सूचना मिली थी। हमें नहीं पता था कि मलयाली नर्सें भी वहां काम कर रही हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि विदेश में रहने वाली नर्सिंग समुदाय के बारे में कोई आधिकारिक आंकड़ा नहीं है। हमें वीजा और दस्तावेज से जुड़े नियमित सवाल मिल रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन एवं विकास संस्थान (आईआईएमएडी) के अध्यक्ष एस इरुदया राजन के अनुसार, केरल प्रवासन सर्वेक्षण 2023 के आधार पर अनुमान है कि पश्चिम एशिया में लगभग 20 लाख केरलवासी कार्यरत हैं।

ऑस्ट्रेलिया में उष्णकटिबंधीय तूफान से खतरनाक बाढ़ की चेतावनी

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड में मौसम विभाग की ओर से खतरनाक बाढ़ आने की गंभीर चेतावनी जारी की गई है। एक ट्रॉपिकल लो स्टॉर्म सिस्टम राज्य के उत्तर-पूर्वी तट की ओर बढ़ रहा है। मौसम विज्ञान ब्यूरो ने चेतावनी में कहा कि उष्णकटिबंधीय कम दबाव वाली प्रणाली शुक्रवार सुबह से क्वींसलैंड के उष्णकटिबंधीय दूर उत्तर में तट के 350 किमी के क्षेत्र में भारी बारिश होने की संभावना है।

उन्होंने कहा, 'स्थानीय रूप से तीव्र बारिश होने की संभावना है, जो खतरनाक और जानलेवा बाढ़ का कारण बन सकती है।' चेतावनी वाले क्षेत्र में केर्न्स, पोर्ट डगलस और कुकटाउन जैसे उत्तर-पूर्वी तटीय शहर शामिल हैं, जिनकी कुल आबादी लगभग 2,55,000 है।

मौसम विज्ञान ब्यूरो ने कहा कि पूर्वानुमान के अनुसार इस क्षेत्र में छह घंटे में 240 मिलीमीटर तक बारिश और 24 घंटे में 300 मिमी तक बारिश होने की संभावना है। पूर्व में मौसम विशेषज्ञों ने चेतावनी दी थी कि यह उष्णकटिबंधीय कम दबाव वाला क्षेत्र तट के पास पहुँचते समय 45 प्रतिशत संभावना के साथ उष्णकटिबंधीय चक्रवात में बदल सकता है। शिन्हुआ समाचार एजेंसी के मुताबिक शुक्रवार सुबह तक इसे मात्र 5 प्रतिशत संभावना माना गया है। तूफान कार्डवेल कस्बे के पास शुरू होगा लेकिन सबसे भारी बारिश केर्न्स, पोर्ट डगलस और कुकटाउन के नजदीक उत्तर की ओर होगी। इसके पहले, 2 मार्च को, विक्टोरिया और न्यू साउथ वेल्स के दक्षिण-पूर्वी राज्यों में जानलेवा बाढ़ के लिए आपातकालीन चेतावनी जारी की गई थी। मौसम विज्ञान ब्यूरो ने केंद्रीय व उत्तरी विक्टोरिया और दक्षिण व दक्षिण-पश्चिम में भारी और स्थानीय रूप से तीव्र बारिश के लिए गंभीर मौसम चेतावनी जारी की थी। इसमें कहा गया था कि सोमवार को चेतावनी क्षेत्र में छह घंटे में 100 मिमी तक बारिश होने की संभावना है, जो केंद्रीय विक्टोरिया के सिमर शहर से दूर ब्रोकन हिल तक फैले 650 किमी क्षेत्र को प्रभावित कर सकती है। विक्टोरिया और एनएसडब्ल्यू के राज्य आपातकालीन सेवा शाखाओं ने लोगों को बाढ़ के पानी में ड्राइविंग न करने और जलमार्गों से दूर रहने की सलाह दी थी।

लंबे युद्ध के लिए ईरान तैयार: आईआरजीसी ने दी अमेरिका-इस्राइल को नए हथियारों की चेतावनी, कहा-मिलेगी दर्दनाक चोट

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका-इस्राइल की ईरान के साथ जंग का आज सातवां दिन है। इस बीच गुरुवार रात को ईरान ने इस्राइल पर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी, जिसमें क्लस्टर बम लगे थे। इस बीच ईरान ने साफ कर दिया है कि वह एक 'लंबी लड़ाई' के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) के प्रवक्ता ने चेतावनी दी है कि ईरान जल्द ही ऐसे उन्नत हथियार पेश करने वाला है, जिनका अभी तक जंग में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल नहीं किया गया है। नई लहर में 'दर्दनाक प्रहार' की चेतावनी आईआरजीसी के ब्रिगेडियर जनरल अली मोहम्मद नैनी ने एक बयान में कहा कि ईरान के दुश्मनों को 'आने वाली हमलों की नई लहर में दर्दनाक प्रहारों' के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा, 'ईरान की नई पहलें और हथियार रास्ते में हैं।' यह बयान ईरान की सैन्य तैयारी और भविष्य की रणनीतियों को दर्शा रहा है। प्रवक्ता ने इस बात पर जोर दिया कि ये नई टेक्नोलॉजी अभी तक बड़े पैमाने पर तैनात नहीं की गई हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि ईरान के पास ऐसे सैन्य संसाधन हैं, जिनका खुलासा अभी तक नहीं किया गया है। ऐसे में अब ईरान उनका इस्तेमाल संघर्ष में एक नया मोड़ लाने के लिए कर सकता है। नैनी ने यह भी कहा कि ईरान पिछले साल अमेरिका और इस्राइल द्वारा शुरू किए गए 12-दिवसीय युद्ध की तुलना में अब अधिक तैयार है। उन्होंने वर्तमान सैन्य टकराव को 'पवित्र और वैध युद्ध' बताया, जो ईरान के अपने बचाव के दृढ़ संकल्प को दर्शाता है।

ईरान से लड़ने में हमसे मदद मांग रहा अमेरिका:जेलेंस्की

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि अमेरिका और पश्चिम एशिया में उसके सहयोगी ईरान के शाहेद ड्रोन का मुकाबला करने में यूक्रेन की मदद चाहते हैं। जेलेंस्की ने बुधवार देर रात कहा कि अमेरिका समेत कई देशों ने ईरानी ड्रोन हमलों से बचाव के लिए यूक्रेन से मदद मांगी है। उन्होंने कहा कि उन्होंने हाल के दिनों में संयुक्त अरब अमीरात, कतर, बहरीन, जॉर्डन और कुवैत के नेताओं से संभावित सहयोग के बारे में बात की है।

रख दी एक शर्त : रूस ने लगभग चार साल पहले अपने पड़ोसी देश यूक्रेन पर हमला करने के बाद से उस पर हजारों शाहेद ड्रोन दागे हैं। ईरान ने भी अमेरिकी-इजरायली संयुक्त हमलों के जवाब में इसी प्रकार के ड्रोन दागे हैं। जेलेंस्की ने कहा कि ईरान के ड्रोन हमलों का मुकाबला करने में यूक्रेन की सहायता तभी प्रदान की जाएगी जब इससे यूक्रेन की अपनी सुरक्षा कमजोर न हो और इससे रूसी आक्रमण को रोकने के लिए कीव के राजनयिक प्रयासों को बल मिले।

ताना कसा : उन्होंने कहा, 'हम उन लोगों को युद्ध से बचाने में मदद करते हैं जो हमारी मदद करते हैं, यूक्रेन को रूस के साथ युद्ध का न्यायपूर्ण अंत करने में मदद करते हैं।' जेलेंस्की ने कहा कि ईरान युद्ध ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप के सबसे बड़े संघर्ष से अंतरराष्ट्रीय ध्यान हटा दिया है और इस सप्ताह रूस और यूक्रेन के बीच अमेरिका की मध्यस्थता में होने वाली वार्ता के एक नए दौर को स्थगित करना पड़ा।

पश्चिमी देशों की सरकारों और विश्लेषकों का कहना है कि रूस-यूक्रेन युद्ध में लाखों लोग मारे गए हैं जबकि इस बात का कोई संकेत नहीं है कि अमेरिका के नेतृत्व में वर्षों से जारी शांति प्रयासों से लड़ाई जल्द ही रुक जाएगी। जेलेंस्की ने कहा, 'ईरान के आसपास की स्थिति के कारण फिलहाल त्रिपक्षीय बैठक के लिए आवश्यक संकेत नहीं मिले हैं।' उन्होंने कहा, 'लेकिन समग्र सुरक्षा ठीक होने पर हम त्रिपक्षीय राजनयिक बैठक फिर से शुरू करेंगे।'

अमेरिका से नाराज खाड़ी देश : पीटीआई भाषा की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि फारस की खाड़ी में अमेरिका के सहयोगी इस बात से नाखुश हैं कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले अमेरिकी प्रशासन ने इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर हमले करने से पहले उन्हें सूचित नहीं किया। साथ ही उन्हें ईरान के जवाबी हमलों का मुकाबला करने के लिए पर्याप्त समय और मदद नहीं दी गई। अमेरिका और इजराइल द्वारा संयुक्त रूप से किए गए हमलों के बाद ईरान ने कई खाड़ी देशों में ड्रोन और मिसाइल हमले किए हैं।

इस्राइली रक्षा मंत्री का बड़ा खुलासा- तीन महीने पहले ही बन गया था खामेनेई के खात्मे का प्लान

तेलअवीव, एजेंसी। इस्राइली सरकार ने ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई को खत्म करने का फैसला पिछले साल नवंबर में ही ले लिया था। रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज के हवाले से आई एक रिपोर्ट के अनुसार इस मिशन को मूल रूप से लगभग छह महीने बाद यानी 2026 के मध्य तक पूरा करने की योजना थी।

उच्च-स्तरीय सुरक्षा बैठक में लिया फैसला : रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने गुरुवार को बताया कि यह रणनीतिक लक्ष्य पिछले साल के अंत में एक उच्च-स्तरीय सुरक्षा बैठक के दौरान स्थापित किया गया था। उन्होंने एक समाचार चैनल एन12 को बताया, 'नवंबर में ही हम प्रधानमंत्री के साथ एक बहुत ही गोपनीय बैठक में थे और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने खामेनेई को खत्म करने का लक्ष्य तय किया था।'

ईरान की घरेलू अशांति के बाद बढ़ाई समय सीमा : रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के भीतर चल रही घरेलू अशांति के बाद इस ऑपरेशन की समय-सीमा को बढ़ाया गया। इस्राइल ने अपनी इस रणनीति को वाशिंगटन के साथ साझा किया और मिशन को जनवरी के आसपास आगे बढ़ाया। इस्राइल काट्ज ने समझाया कि यह समायोजन इसलिए किया गया, क्योंकि उन्हें चिंता थी कि तेहरान में दबाव में चल रहा नेतृत्व पश्चिम एशिया में इस्राइली और अमेरिकी संपत्तियों के खिलाफ शत्रुता शुरू कर सकता है।

'ऑपरेशन रोरिंग लायन' और 'एपिक फ्यूरी' का हिस्सा : खामेनेई की हत्या शनिवार को शुरू हुए 'ऑपरेशन रोरिंग लायन' और 'एपिक फ्यूरी' के शुरुआती घंटों में की गई। यह पहली बार है जब किसी संप्रभु राष्ट्र के शीर्ष नेता को हवाई हमले से मारा गया है। इस्राइल का कहना है कि उसके मुख्य उद्देश्य ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल प्रोजेक्ट और परमाणु कार्यक्रम से उत्पन्न होने वाले 'अस्तित्वगत खतरे' को खत्म करना और 'शासन परिवर्तन' को सुविधाजनक बनाना है। इस बड़े हमले के बाद इस्राइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने अपने हवाई अभियान को और तेज कर दिया है। गुरुवार को ढ्ढष्ठस्न ने घोषणा की कि उन्होंने तेहरान में 12वीं लहर के हमले पूरे कर लिए हैं, जिसमें ईरान की प्रमुख सुरक्षा और सैन्य बुनियादी ढांचों को निशाना बनाया गया। अलबरज प्रांत में विशेष इकाई का मुख्यालय निशाना उच्च-प्राथमिकता वाले लक्ष्यों में अलबरज प्रांत में एक विशेष इकाई का मुख्यालय शामिल था, जो सभी आंतरिक सुरक्षा बलों के लिए जिम्मेदार है। इस्राइल वायु सेना ने कहा, 'आईडीएफ ने तेहरान में हमलों की 12वीं लहर पूरी की 'अलबरज' प्रांत में ईरानी आतंकवादी शासन की विशेष इकाई का मुख्यालय, साथ ही बासिज बल के ठिकानों और आंतरिक सुरक्षा पर हमला किया गया।' आईडीएफ ने एक्स पर पोस्ट की एक श्रृंखला में पुष्टि की है कि अलबरज मुख्यालय क्षेत्र की सभी विशेष इकाइयों को कमांड करता है और शासन के सशस्त्र बलों को निर्देशित करने का काम करता है।

ईरान ने अभी तक नये सर्वोच्च नेता का चुनाव नहीं किया है: हकीम इलाही

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के उत्तराधिकारी का चुनाव अभी तक नहीं किया है. खामेनेई की पिछले सप्ताह अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हवाई हमले में मौत हो गई थी. भारत में ईरान के सर्वोच्च नेता के प्रतिनिधि, अयातुल्ला डॉ. अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने कहा कि नये नेता के चुनाव की प्रक्रिया अभी भी जारी है. जब उनसे मीडिया की उन खबरों के बारे में पूछा गया जिनमें दावा किया गया है कि अयातुल्ला खामेनेई के बेटे, मोजतबा खामेनेई को उनका उत्तराधिकारी चुना गया है, तो हकीम इलाही ने कहा, 'यह खबर सच नहीं है क्योंकि अभी तक उसने (परिषद ने) किसी को भी चुना या नामांकित नहीं किया है और प्रक्रिया अभी जारी है.' उन्होंने कहा, 'इस पद के लिए कई उम्मीदवार हैं और अयातुल्ला मोजतबा उनमें से एक हैं। इसका कारण यह नहीं है कि वह अयातुल्ला खामेनेई के पुत्र हैं. दरअसल, उनकी योग्यताओं के कारण उन्हें चुनने पर विचार किया जा सकता है. लेकिन अभी यह अंतिम निर्णय नहीं हुआ है और इस पद के लिए योग्य व्यक्ति का चयन करने के लिए अभी भी चर्चा जारी है.' ईरान के सर्वोच्च नेता के चुनाव की प्रक्रिया को समझाते हुए हकीम इलाही ने कहा कि ईरान में चुनाव के दौरान 88 सदस्यीय विशेषज्ञ परिषद का चुनाव मतदान द्वारा किया जाता है. उन्होंने कहा, 'इस परिषद की जिम्मेदारियों में से एक सर्वोच्च नेता का चयन करना है। अब उन्होंने इस पद के लिए एक योग्य व्यक्ति को नियुक्त करने के लिए वार्ता शुरू कर दी है.' हकीम इलाही ने कहा, 'उन्होंने (परिषद के सदस्यों ने) काफी चर्चा की, लेकिन स्थिति अच्छी नहीं है क्योंकि हम

अमेरिका और इजराइल के हमलों का सामना कर रहे हैं. इसलिए जब उन्हें अनुकूल माहौल मिलेगा और वे एकत्र होंगे, तो वे इस पद के लिए योग्य व्यक्ति का चयन करेंगे.' ईरान के सर्वोच्च नेता का नीतिगत मामलों में अंतिम निर्णय होता है। वह सशस्त्र बलों के 'कमांडर-इन-चीफ' भी होते हैं. जब हकीम इलाही से पूछा गया कि क्या इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज द्वारा नये सर्वोच्च नेता को निशाना बनाने की धमकी के मद्देनजर ईरान सार्वजनिक रूप से उनका नाम लेने का जोखिम उठाने को तैयार है, तो उन्होंने कहा, 'ईरान अपनी रक्षा करने के लिए तैयार है.' इजराइल और अमेरिका ने कोम शहर में हाल में विशेषज्ञों की सभा की इमारत को निशाना बनाकर हमले किये थे. स्थानीय मीडिया द्वारा प्रसारित टीवी फुटेज में हमलों में इमारत को बुरी तरह क्षतिग्रस्त दिखाया गया. बाद में ईरान के सरकारी मीडिया ने बताया कि इमारत का इस्तेमाल अब बैठकों के लिए नहीं किया जा रहा है. खामेनेई को याद करते हुए हकीम इलाही ने कहा, 'वह (खामेनेई) लोगों से भारत के बारे में अध्ययन करने के लिए कहते थे। 'यदि आप ईरान का इतिहास जानना चाहते हैं, तो आप भारत के इतिहास को समझे और उसका अध्ययन किए बिना इसे नहीं समझ सकते.' खामेनेई (86) वर्ष 1989 में ईरान के सर्वोच्च नेता बने थे।

अमेरिका और इजरायल के बाद अजरबैजान करेगा ईरान पर अटैक ! सेना को दिए ऑर्डर

बाकू, एजेंसी। अमेरिका और इजरायल के खिलाफ जवाबी कार्रवाई कर रहे ईरान की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। खबर है कि अब अजरबैजान ने ड्रोन हमले की बदला लेने की कसम खाई है। साथ ही मुल्क के राष्ट्रपति ने अटैक का जवाब देने के निर्देश अपनी सेना को दे दिए हैं। खबर है कि अजरबैजान ने ईरान से सफाई देने की भी मांग की है। ईरान ने कतर, कुवैत, सऊदी अरब समेत कई मुल्कों में हमले किए हैं।

भड़क गया अजरबैजान : राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने ईरान पर 'आतंकवाद और आक्रामकता का निराधार कृत्य' करने का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि उनकी सेना को जवाबी कार्रवाई की तैयारी और उसे लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। अजरबैजान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि ईरान ने नखचिवान की ओर चार ड्रोन भेजे थे, जिनमें से एक को अजरबैजानी सेना ने निष्क्रिय कर दिया, जबकि अन्य ने नागरिक सुविधाओं को निशाना बनाया, जिनमें एक स्कूल भी शामिल था जहां कक्षाएं चल रही थीं।

बड़ी बैठक हुई : रॉयटर्स के अनुसार, राष्ट्रपति अलीयेव ने सुरक्षा परिषद की बैठक में कहा, 'हम अजरबैजान के खिलाफ इस बगैर उकसावे के किए गए आतंकवादी कृत्य और आक्रमण को सहन नहीं करेंगे। हमारे सशस्त्र बलों से तैयारी करने और उचित जवाबी कार्रवाई करने के निर्देश दे दिए गए हैं।' उन्होंने कहा, 'हम किसी भी दुश्मन

ताकत के खिलाफ अपनी शक्ति दिखाने के लिए तैयार हैं। उन्हें ईरान में ये नहीं भूलना चाहिए।

बातचीत की मांग : एक्सियोस से बातचीत में अजरबैजान के अमेरिका में राजदूत खजार इब्राहिम ने कहा कि उनका मुल्क उचित उपाय कर रहा है। जब पूछा गया कि क्या वह अगले हमले को लेकर चिंतित हैं। इसपर उन्होंने कहा कि यह चिंता की बात नहीं है।

उन्होंने कहा, 'इसके बजाय हम हिसाब लगा रहे हैं, तथ्य जुटा रहे हैं और हम फैसले ले रहे हैं। एजेंसी वार्ता के अनुसार, अजरबैजान के विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा है कि ईरान की ओर से दागे गए कई ड्रोन उनके क्षेत्र में गिरे हैं। इनमें से एक ड्रोन ने हवाई अड्डे की टर्मिनल बिल्डिंग को क्षतिग्रस्त किया है, जबकि दूसरा एक स्कूल भवन के पास जाकर गिरा। मंत्रालय ने इस घटना पर कड़ी आपत्ति जतायी और साथ ही ईरान से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि इस तरह की घटना दोबारा न हो। साथ ही मंत्रालय ने अजरबैजान में ईरान के राजदूत को अपनी कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर करने के लिए तलब किया। ईरान क्या बोला ईरान के सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ ने अजरबैजान की ओर ड्रोन भेजने से इनकार किया है। ईरान ने बार-बार युद्ध में तेल और अन्य नागरिक ठिकानों को निशाना बनाने से इनकार किया है, हालांकि उसके ड्रोन और मिसाइल हमलों ने इन स्थलों को निशाना बनाया है।

फैट भी है जरूरी

हेल्थ प्लस

फैट को मोटापे का प्रमुख कारण मानते हुए अक्सर लोग इसका इस्तेमाल करना पसंद नहीं करते, लेकिन डाइट में इसका सेवन भी उतना ही जरूरी है जितना अन्य न्यूट्रिएंट्स का...

फैट का नाम सुनकर शायद आपको ऐसा लग रहा हो कि आपको इसका सेवन नहीं करना चाहिए, पर ऐसा नहीं है। फैट, हैल्दी डाइट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। छोटे बच्चों की डाइट में फैट की एक विशेष मात्रा होनी जरूरी है, ताकि उनके ब्रेन और नर्वस सिस्टम की डिवैलपमेंट सही तरीके से हो सके। हाई फैट फूड्स का बहुत ज्यादा मात्रा में सेवन करने से हम बहुत ज्यादा कैलोरीज कंज्यूम कर लेते हैं। इससे वजन बढ़ सकता है और साथ ही कैंसर, हार्ट डिसीज, हाई ब्लड प्रैशर और स्ट्रोक जैसी जानलेवा बीमारियां होने की संभावना भी बढ़ जाती है। इसलिए 30 फीसदी से ज्यादा कैलोरीज फैट्स से नहीं आनी चाहिए।

फैट के प्रकार

सैच्युरेटिड फैट्स: सैच्युरेटिड फैट्स फैटी एसिड है, जो ब्लड कोलेस्ट्रॉल का लैवल बढ़ाता है। यह मीट, होल डेयरी प्रॉडक्ट्स, जैसे मक्खन, मार्जरिन, चीज, क्रीम व आईसक्रीम में पाया जाता है। कुछ सैच्युरेटिड फैट्स पौधों में भी पाए जाते हैं, जैसे कोकोनट व पाम ऑयल।

स्किम्ड मिल्क (मलाई के बगैर दूध) और लो-फैट चीजों का इस्तेमाल करके हम डाइट में से सैच्युरेटिड फैट्स की मात्रा कम कर सकते हैं।

अनसैच्युरेटिड फैट्स: अनसैच्युरेटिड फैट्स आमतौर पर रूम टैम्परेचर पर तरल अवस्था में होते हैं। यह मुख्य रूप से वैजिटेबल प्रॉडक्ट्स और तेलों में पाया जाता है। पॉलीअनसैच्युरेटिड और मोनोअनसैच्युरेटिड फैट्स वाले खाद्य पदार्थों के सेवन से हार्ट डिसीज के खतरे में बढ़ौतरी नहीं होती। अन्य सभी फैट्स की ही तरह इनसे भी हमें एक ग्राम में नौ कैलोरीज प्राप्त होती हैं। इसलिए इसका ज्यादा सेवन करने से वजन बढ़ सकता है।

लो-फैट फूड्स जैसे सब्जियां, फल, रोटी, चावल व दालों का अधिक सेवन करके हम अनसैच्युरेटिड फैट की मात्रा कम कर सकते हैं।

कोलेस्ट्रॉल: कोलेस्ट्रॉल एक जरूरी फैट है, जिसे लिवर बनाता है। कई लोग मीट व डेयरी प्रॉडक्ट्स के सेवन से अतिरिक्त कोलेस्ट्रॉल प्राप्त कर लेते हैं। इससे ब्लड कोलेस्ट्रॉल का लैवल बढ़ जाता है जिससे हार्ट डिसीज का खतरा बढ़ जाता है।

ऐसे खाद्य पदार्थों का ज्यादा सेवन करें, जिनमें कोलेस्ट्रॉल और सैच्युरेटिड फैट की मात्रा कम हो।

ट्रांस फैट: जब लिक्विड ऑयल को सॉलिड फैट में बदला जाता है, तब ट्रांस फैट्स पैदा होते हैं। इस प्रक्रिया को हाइड्रोजेनेशन कहते हैं। ट्रांस फैट्स भी सैच्युरेटिड फैट्स की ही तरह काम करते हैं और आपका कोलेस्ट्रॉल लैवल बढ़ा सकते हैं।

ट्रांस फैट्स के अधिक सेवन से बचने के लिए ऐसे खाद्य पदार्थों के सेवन से बचें, जिन पर हाइड्रोजेनेटिड ऑयल लिखा हुआ हो। प्रोसैस्ड फूड्स, फास्ट फूड और बेक्ड गुड्स इत्यादि में ट्रांस फैट्स होते हैं। इसलिए इनके सेवन से बचें।

क्यों है जरूरी ?: सेहतमंद रहने के लिए फैट्स बहुत जरूरी हैं। 20 से 30 फीसदी कैलोरीज हमें फैट से मिलनी चाहिए।

- भोजन में मौजूद फैट शरीर को विटामिन ए, डी, इ और के को अब्सॉर्ब करने में बड़ी आंत की मदद करते हैं, क्योंकि ये फैट सॉल्यूबल विटामिन हैं।
- ब्रेन की डिवैलपमेंट के लिए फैट्स बहुत जरूरी हैं।
- फैट्स एनर्जी का सबसे बढ़िया स्रोत हैं। एक ग्राम फैट से नौ कैलोरीज मिलती हैं, जबकि एक ग्राम कार्बोहाइड्रेट्स और प्रोटीन से केवल चार कैलोरीज मिलती हैं।
- हैल्दी स्किन के लिए फैट्स जरूरी हैं। इसकी कमी से स्किन रूखी हो जाती है। स्किन के नीचे फैट की तह शरीर के अपने इंसुलेशन की तरह काम करती है, जो शरीर का तापमान रैगुलेट करने में मदद करती है।
- हैल्दी झिल्ली के बगैर सैल कार्य नहीं कर सकते। फैट्स झिल्ली का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।
- हार्मोन बनाने के लिए भी फैट्स जरूरी होते हैं, जो शरीर के कई कार्यों को रैगुलेट करते हैं। ये सैक्स हार्मोन की प्रॉडक्शन भी नियमित करते हैं। यही कारण है कि जो टीनएजर लड़कियां बहुत ज्यादा पतली होती हैं, उनमें प्यूबर्टी डिवैलपमेंट देर से होती है।
- एनर्जी का न्यूट्रिशस जरिया होने के अलावा ये भोजन को फ्लेवर और टेस्ट देते हैं।
- शरीर के कई महत्वपूर्ण अंगों, जैसे किडनी, दिल और आंतों को फैट्स प्रोटैक्टिव कुशन प्रदान करते हैं। इससे इन्हें चोट से बचने और अपनी जगह पर बने रहने में मदद मिलती है।

सॉर्स

नट्स, ऑयल्स, मक्खन और मीट में फैट काफी मात्रा में फैट पाया जाता है। पीनट बटर में फैट काफी ज्यादा मात्रा में होता है, पर यह बहुत पौष्टिक भी होता है।

ओमेगा-3

क्या होता है ?- ओमेगा-3 ऑयल्स सबसे बढ़िया ब्रेन फूड हैं। ये हार्ट के लिए बहुत बढ़िया हैं। मानसिक तनाव कम करने के साथ-साथ शरीर में कोलेस्ट्रॉल व फैट कम करके वजन घटाने में मदद करते हैं और हार्ट व अन्य रोगों से बचाते हैं।

क्या है फायदा ?- ओमेगा-3 ऑयल्स हार्ट डिसीज से बचाव करने, ब्लड प्रैशर व कोलेस्ट्रॉल लैवल को सामान्य रखने और जोड़ों तथा माइग्रेन के दर्द से तुरंत राहत देने में मदद करते हैं। ये ब्रेन डिवेलपमेंट इम्प्रूव करते हैं, याद्दाश्त को बढ़ाते हैं।

कहां से मिलता है ?- मछली के तेल के अलावा टोफू और सोयाबीन के अन्य उत्पाद, पालक, कनोला, अखरोट और अलसी के बीजों में ओमेगा-3 फैटी एसिड पाए जाते हैं। इनमें अल्फा लिनोलेनिक एसिड (एलएनए) होता है, जो हमारे शरीर में ओमेगा-3 फैटी एसिड बन जाता है।

फैट एंड फिट

अगर आप बहुत ज्यादा ओवरवेट हैं, तो आपको एरोबिक एक्सरसाइज जरूर करनी चाहिए, चाहे इससे आपका वेट लॉस न भी हो। ओबिसिटी और इनएक्टिव लाइफ स्टाइल से क्रॉनिक बीमारियों और समय से पूर्व मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है। अमेरिकन मैडिकल एसोसिएशन के जर्नल में छपी एक हालिया स्टडी के अनुसार, 'जो लोग फिट हैं (ट्रेडमिल टैस्ट के आधार पर), वे उन लोगों की तुलना में लंबी जिंदगी जीते हैं, जो अनफिट हैं। फिर चाहे वे कितने भी ओवरवेट क्यों न हों।' फैट, लेकिन फिट लोगों का डैथ रेट सामान्य वजन वाले या पतले अनफिट लोगों की अपेक्षा कम है।

...तो कुछ मीठा हो जाए

क्या आपको डायबिटीज है? अगर हां, तो टैंशन छोड़िए और मुंह मीठा कीजिए। आपके लिए गुड न्यूज है। डायबिटीज का इलाज ढूंढने की दिशा में भारत एक कदम आगे बढ़ता दिख रहा है। इस बात पर रिसर्च कामयाब होती नजर आ रही है कि इस बीमारी को जड़ से मिटाने के लिए सर्जरी कितनी कारगर है।

इंडियन काउंसिल फॉर मैडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) की देखरेख में एक स्टडी की जा रही है, जिसमें देखा जा रहा है कि की-होल इंटरपोजिशन सर्जरी से डायबिटीज के मरीजों को कितना फायदा हो रहा है। इस स्टडी के काफी पॉजिटिव रिजल्ट सामने आ रहे हैं। स्टडी में शामिल डॉक्टरों का दावा है कि यह टाइप-2 डायबिटीज के लिए वरदान साबित हो रही है और 80 फीसदी मरीज बिना किसी दवा के अपना ब्लड शुगर मैनेज कर पा रहे हैं। बाकी 20 फीसदी में भी फ़ायदा दिखाई दे रहा है।

स्टडी में शामिल बॉम्बे हॉस्पिटल मुंबई के डॉ. रमन गोयल का कहना है कि टाइप-2 डायबिटीज के मरीजों में ग्लाइसेमिक कंट्रोल के लिए की जा रही इस सर्जरी में मुख्य रूप से छोटी आंत के हिस्से में बदलाव किया जाता है। स्टडी में देखा गया कि इस सर्जरी के बाद ऐसे मरीजों में भी इंसुलिन इंजैक्शन बंद हो गया है, जो पिछले 25 सालों से इंसुलिन पर थे। दिल्ली डायबिटिक रिसर्च सैंटर के अध्यक्ष डॉ. ए. के. झिंगन कहते हैं कि मोटापे को कम करने के लिए इस तरह की सर्जरी पिछले दो साल से पूरी दुनिया में की जा रही है, लेकिन इसका डायबिटीज के मरीजों पर क्या असर है? इसका लॉन्ग टर्म इफैक्ट क्या होगा? यह पता लगाने के लिए अभी तक कोई स्टडी नहीं हुई है। ऐसे में अगर प्रॉपर स्टडी करके इसके रिजल्ट का पता लगा लिया जाएगा, तो ऐसे डायबिटिक मरीजों की परेशानी खत्म हो जाएगी, जिनका बीएमआई स्तर 35 से ऊपर है।

डॉक्टरों का कहना है कि इस सर्जरी की कामयाबी में डाइट और फिजिकल एक्टिविटी का अहम रोल है। सर्जरी के दो हफ्ते तक लिक्विड डाइट पर रहना होगा, जबकि उसके बाद चार हफ्ते तक सॉफ्ट डाइट और उसके बाद नॉर्मल डाइट लेनी होती है। शरीर के मैटाबॉलिक सिस्टम को सही रखने के लिए कुछ फिजिकल एक्सरसाइज भी बताई जाती हैं। हॉस्पिटल से आने के 10 दिन बाद लॉन्ग वॉक की इजाजत दी जाती है, जबकि स्विमिंग जैसी एरोबिक एक्टिविटी 20 दिन बाद। वेट ट्रेनिंग की इजाजत महीने भर बाद और अब्डॉमिनल एक्सरसाइज तीन महीने बाद की जा सकती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में संक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-8-9

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-7

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजनों के सहयोग से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थाड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-3-6-9

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

परिवारजन का सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। शुभांक-5-7-8

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-7-9

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-3-4-6

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-4-7-9

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2012

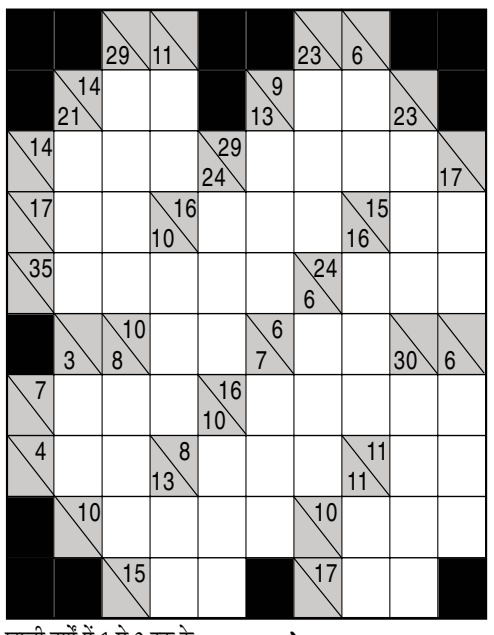

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

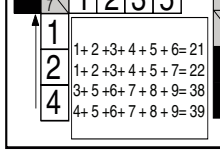

काकुरो - 2011 का हल

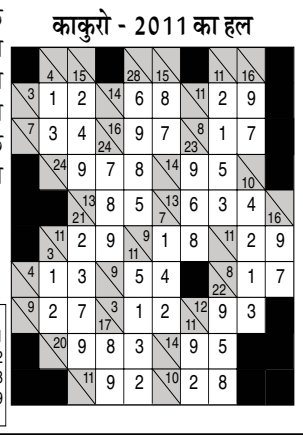

लॉफिंग ज़ोन

डॉक्टर ने रमन के सिर पर ड्रेसिंग करने के बाद पट्टी बाँध दी और पूछा कि चोट कैसे लगी है?

रमन- छोड़ो डॉक्टर! लंबी कहानी है।

डॉक्टर- फिर भी सुनना चाहता हूँ।

रमन- बात यह है कि पिछले हफ्ते पत्नी मायके गई हुई थी। मैं भी हवा बदलने रविवार को होटल में जा टिका। मेरे बगल के कमरे में एक खूबसूरत औरत थी। रात ग्यारह बजे उसने दरवाजा खटखटाया और माफी माँगते हुए कहा कि उसे ठंड लग रही है अगर मैं कुछ मदद कर सकूँ तो वह आभारी रहेगी। मैंने एक कम्बल दे दिया। थोड़ी देर बाद वह फिर आ गई और वही शिकायत करने लगी। मैंने उसे अपना ओवरकोट दे दिया।

आज जब मैं हथौड़ी से कील ठोंक रहा था तो अचानक मुझे समझ में आया कि उस दिन वह क्या चाह रही थी और बस, मैंने हथौड़ी अपने सिर पर दे मारी।

□ □ □

अफरीदी (शोएब से)- हम सचिन को सेंचुरी नहीं बनाने देंगे।

शोएब- मगर हम उसे रोकेंगे कैसे? वो तो फॉर्म में है।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2012

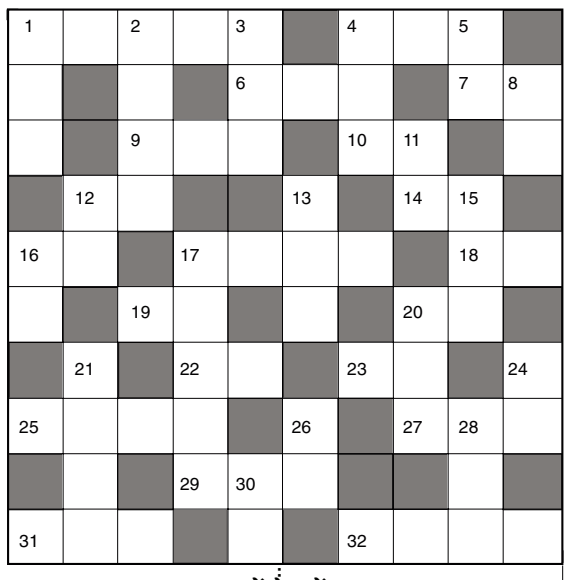

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, राखी, की 'एक रास्ता है' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली फिल्म-३
६. सनी देओल, रवीना की 'दिल ना किसी का जाये' गीत वाली फिल्म-३
७. 'मैं तुझसे मिलने आई मंदिर जाने के बहाने' गीत वाली की फिल्म-२
९. संजयदत्त, पूजा की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राज बब्बर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की' गात वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'जिंदगी के खेल में' गात वाली अनिल कपूर, माधुरी की फिल्म-२
२०. फिल्म 'डकैत' में मीनाक्षी के साथ नायक कौन था?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी?-२
२३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. जीतेंद्र, जया की 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी, जया की फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीव, राखी की एक फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बारती' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनीलदत्त, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. 'सुंदरा सुंदरा' गात वाली फिल्म-३
४. फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'राहों में उड़ती जाए बिछड़े' गीत वाली फिल्म-२
८. 'जीवनमृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका?-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है?-२
१२. 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' में गोविंदा की नायिका कौन थी?-२
१७. 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२०. 'आंखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
३०. विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-2011

बा	ग	बा	न		त्रि		धू	म
रू		द		ख्व	दे	श		र्या
द	ला	ल			व		दा	दा
	ड़		प्या	सा		सी	मा	
दु	ला	रा		ज	ख्मी		द	म
श्म		ज	मी	न		ने		म
नी	तू		ना		म	हा	न	ता
		आ		दो	स्त		गी	
दि	ल	ज	ले			बे	ना	म

सूडोकु -2012

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2011 का हल

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

शब्द पहेली - 2012

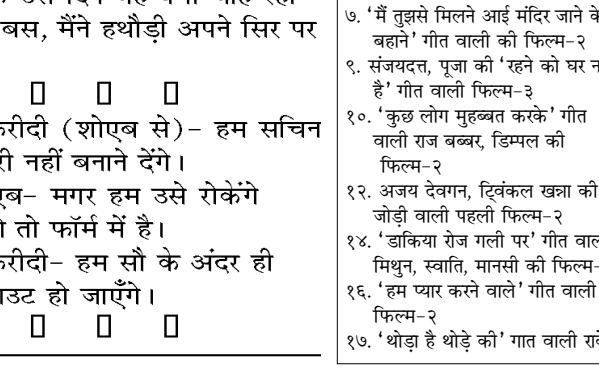

बाएँ से दाएँ

1.आरोपित, तथाकथ्य-5
4.प्रलय, वज्रपात-4
7.परिमाण, माप-2
8.प्लेट,तश्तरी-3
9.भीगा हुआ-2
10.वेश्या, गणिका-4
11.ज्वालामुखी से निकला द्रव पर्दार्थ-2
13.अपवित्र (उर्दू-3)
14.दान करने वाला-2
15.आंचल-3
17.पंख-2
19.चाहे जो भी हो -5
22.अनूठापन,विचित्रता-5
25.उम्मीद,आस-2
26.अनाशवान,अक्षय-3
28.सुनील शेट्टी की पहली फिल्म-2
29.बंदर, मर्कट-3
30.सम्मान, आदर-2
32.करामात,करिश्मा-4
34.नवीन,नव-2
36.नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिंह की फिल्म-3
37.शारीरिक ऊंचाई-2
38.भाग्य,लक-4
39.रावण,दशानन-5

ऊपर से नीचे

1.तपस्या-2
2.कॉफी-3
3.तरफदारी करनेवाला-5
4.जन जाति, झुंड-3
5.वोट-2
6.बढ़ई,खाती-4
7.जो मुनासिब न हो-5
10.भाग्य (उर्दू-4)
12.प्रतिज्ञा,वचन-2
16.राजा,राजन-3
17.क्षण-2
18.संपूर्ण,देवी का एक नाम-2
20.रनिवास (उर्दू-3)
21.नुकसान,घाटा-2
22.रजनी, रात्रि-2
23.अनुपम,बेजोड़-4
24.जिसे घर में ही कैद किया गया हो-5
25.आतंक फैलानेवाला-5
26.धरोहर,थाती-4
27.लक्ष्मी-2
31.निगाह,दृष्टि-3
33.बैचेनी,परेशानी,संघर्ष-3
35.लद्दाख में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर-2
37.टैक्स, हाथ-2

शब्द पहेली -2011 का हल

ल	गा	म		अ		त	र	ब	त	र
ल		त	म	स		ह	म	ला		खें
क	श			ल		ल			का	ल
	ही		क	हा	नी	का	र		र	
ब	द	मा	श		र		च	म	क	ना
			ल	क्ष		सी	ना			
र	त	ज	गा		आ		का	म	या	ब
	र		ना	ना	स	सु	र		च	
रा	ह			म		रा			क	म
ह		त	ना	व		पा	य	ल		हु
त	ल	ब	गा	र		न		ब	ल	वा

छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में तेज रफ्तार ट्रक ने यात्री बस को मारी टक्कर, पांच यात्रियों की मौत, 29 घायल

एजेंसी

रायपुर। बलौदाबाजार जिले के सिमगा थानाक्षेत्र में रायपुर-बिलासपुर नेशनल हाई-वे पर दरचूरा ग्राम के पास तेज रफ्तार एक ट्रक ने यात्री बस को जोरदार टक्कर मारी। इसमें 5 यात्रियों की जान चली गई जबकि 29 यात्री घायल हुए हैं। सिमगा पुलिस ने बताया कि आज सुबह लगभग 11:00 बजे बिलासपुर से रायपुर की ओर जा रही आरबीएस कंपनी की एक बस (क्रमांक सीजी 07 सीआर 7112) सड़क पर दरचुरा ग्राम के पास सवारी उठाने के लिए धीमी हुई। उसी समय पीछे से आ रहे ट्रक (क्रमांक रू।37 ञ्ञ 1821) के चालक ने तेज गति और लापरवाहीपूर्वक बस को टक्कर मार दी। इस घटना में 5 लोगों की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। 29 घायल हैं। इनमें 17 घायलों को रायपुर रेफर किया गया है, बाकी का इलाज दूसरे अस्पतालों में हो रहा है घटना की सूचना मिलते ही सिमगा पुलिस थाना की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने सबसे पहले घायलों को अस्पताल भेजने और भीड़ को नियंत्रित करने का काम शुरू किया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर इतनी तेज थी कि बस के पीछे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कई यात्रियों को सीटों से उछलकर चोटें लगीं। हादसे में कई यात्री घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

जशपुर में अनियंत्रित यात्री बस पलटी, पांच लोगों की मौत, 20 से अधिक घायल

एजेंसी

जशपुर। जशपुर जिले में हुए एक सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है और 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए। यह हादसा उस वक्त हुआ जब झारखंड के कुरडेग से कुनकुरी जा रही एक पैसेंजर बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इनमें से चार गंभीर घायलों को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। जानकारी के मुताबिक रजिस्ट्रेशन नंबर सीजी 14 जी 0263 वाली बस शुक्रवार सुबह करीब 9.45 बजे करडेगा चौकी इलाके के गोदाम्बा गांव में एक ढलान से उतर रही थी, तभी उसका ब्रेक फेल हो गया। एक यात्री ने ड्राइवर से बस रोकने को कहा, लेकिन ब्रेक फेल होने की वजह से वह ऐसा नहीं कर सका। इसके तुरंत बाद, गाड़ी अनियंत्रित हो गई और सुरेंद्र साय के एक बन रहे घर के पास पलट गई। हादसे के वक्त बस में दो दर्जन से ज्यादा यात्री सवार थे। हादसे के बाद लोगों की शोर सुनकर स्थानीय लोग मदद

के लिए पहुंचे। जेसीबी की मदद से बस को हटाकर फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर तीन एम्बुलेंस भेजी गई और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। कुनकुरी ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर के कुजूर ने बताया कि हादसे में पांच यात्रियों की मौत हो गई। मरने वालों में पति-पत्नी के साथ-साथ एक पिता और उसका छोटा बेटा भी शामिल है। उनकी पहचान दुलदुला तहसील के मकरीबंधा गांव के राठू राम के बेटे महेश राम (45वर्ष), उसी गांव की उनकी पत्नी बिमला (42वर्ष), झारखंड के सिमडेगा जिले के केशव राम की पत्नी सम्पति देवी (52वर्ष), सिमडेगा जिले की कुरडेग तहसील के ढोढी गांव के दिलभजन के बेटे डिगेश्वर (40वर्ष) और उसी गांव के डिगेश्वर के पांच महीने के बेटे घनश्याम के रूप में हुई। कलेक्टर रोहित व्यास ने हादसे की पुष्टि की। गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। 13 अन्य लोगों का कुनकुरी और जिला अस्पताल के मेडिकल सेंटर में इलाज चल रहा है। हादसे की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पत्नी कौशल्या देवी साय कुनकुरी अस्पताल पहुंचीं। उन्होंने घायलों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और डॉक्टरों को बेहतर इलाज करने निर्देशित किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने सिविल सेवा परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिविल सेवा परीक्षा 2025 में सफल होने वाले सभी अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संदेश में कहा, 'सिविल सेवा परीक्षा 2025 में सफल होने वाले सभी अभ्यर्थियों को बधाई। उनकी समर्पण भावना, दृढ़ता और कड़ी मेहनत ने उन्हें इस महत्वपूर्ण उपलब्धि तक पहुंचाया है।' उन्होंने कहा कि देश की सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ते हुए ये युवा राष्ट्र के विकास और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रधानमंत्री ने एक अन्य पोस्ट में उन अभ्यर्थियों का भी हौसला बढ़ाया जो इस बार अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि ऐसे क्षण कठिन हो सकते हैं, लेकिन यह यात्रा का केवल एक पड़ाव है और आगे अनेक अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने सभी अभ्यर्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उल्लेखनीय है कि संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा 2025 का अंतिम परिणाम घोषित किया। लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के बाद कुल 958 अभ्यर्थियों को विभिन्न केंद्रीय सेवाओं में नियुक्ति के लिए अनुशंसित किया गया है।

'फांसी घर' की प्रामाणिकता को लेकर केजरीवाल, गोयल एवं बिड़ला दस्तावेज या प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर पाए : राजपूत

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, दिल्ली विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष राम निवास गोयल और पूर्व उपाध्यक्ष राखी बिड़ला विशेषाधिकार समिति के समक्ष उपस्थित हुए। उन्होंने विशेषाधिकार समिति के समक्ष 9 अगस्त 2022 को दिल्ली विधानसभा परिसर में उद्घाटित किए गए 'फांसी घर' की प्रामाणिकता से संबंधित मामले में अपना पक्ष रखा। वहीं, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया उपस्थित होने पर सहमति देने के बावजूद एक बार फिर समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुए। उक्त व्यक्तियों ने आज समिति के समक्ष उपस्थित होकर गोपनीयता की शपथ लेने के बाद मामले के संबंध में अपना पक्ष दर्ज कराया और जांचाधीन विषय पर अपने बयान प्रस्तुत किए। विशेषाधिकार समिति के अध्यक्ष प्रद्युम्न सिंह राजपूत ने कहा कि आज संबंधित व्यक्ति समिति के समक्ष उपस्थित हुए, किंतु इससे पूर्व वे बार-बार समिति की कार्यवाही से बचने का प्रयास करते रहे। उन्होंने कहा कि उस समय 'फांसी घर' की स्थापना का निर्णय बिना किसी ठोस ऐतिहासिक आधार या तथ्य के बिना कैसे लिया गया, यह अत्यंत गंभीर विषय है। यह अत्यंत चिंताजनक है कि इतने उच्च संवैधानिक पदों पर आसीन रहे व्यक्तियों द्वारा आज समिति के समक्ष अपने दावों के समर्थन में एक भी तथ्यात्मक दस्तावेज या प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया जा सका।

दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना के कार्यकाल पर 'आप' का हमला, सौरभ भारद्वाज बोले- 'बे-आबरू होकर गए एलजी '

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली में नए उपराज्यपाल की नियुक्ति के बाद आम आदमी पार्टी ने वीके सक्सेना के कार्यकाल को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी के नेताओं ने आरोप लगाया कि उनके पूरे कार्यकाल के दौरान चुनी हुई सरकार के कामों में लगातार बाधा डाली गई और जनहित की कई योजनाओं को रोका गया। 'आप' के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि एलजी वीके सक्सेना दिल्ली से 'बे-आबरू होकर' लद्दाख चले गए और उनके कार्यकाल को दिल्ली की जनता नकारात्मक रूप में याद रखेगी। सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि उपराज्यपाल बनते ही विनय कुमार सक्सेना ने दिल्ली के कथित एक्साइज मामले को उठाया और अपने करीबी अधिकारियों के जरिए इसकी जांच करवाई। उन्होंने कहा कि यह जांच पूरी तरह से फर्जी थी और अदालत में इसकी पोल खुल गई। भारद्वाज के अनुसार, राऊज एवेन्यू कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की जांच एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठे। 'आप' नेता ने कहा कि एलजी ने अपने कार्यकाल के दौरान कई ऐसे फैसले लिए, जिनसे दिल्ली के आम लोगों को परेशानी हुई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एलजी ने यमुना नदी की सफाई को लेकर खुद को विशेषज्ञ बताया, लेकिन उनके कार्यकाल में

नदी की स्थिति में कोई खास सुधार नहीं हुआ। भारद्वाज ने कहा कि जिन गरीबों को इस दौरान परेशानियों का सामना करना पड़ा और जिनकी नौकरियां चली गईं, उनकी बद्दुआ उपराज्यपाल का पीछा नहीं छोड़ेगी। वहीं, 'आप' विधायक दल के चीफ व्हिप संजीव झा ने भी उपराज्यपाल के कार्यकाल की आलोचना करते हुए कहा कि दिल्ली उन्हें किसी सकारात्मक काम के लिए नहीं, बल्कि जनहित की योजनाओं में अड़ंगा लगाने के लिए याद रखेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कई महत्वपूर्ण योजनाओं को रोक दिया गया या उनमें अनावश्यक जांच बैठा दी गई। संजीव झा ने कहा कि शिक्षकों की ट्रेनिंग के लिए फिनलैंड भेजने की योजना को रोक दिया गया, मोहल्ला क्लीनिकों पर आरोप लगाकर जांच बैठाई गई और 'दिल्ली की योगशाला' जैसी पहल को भी बंद कर दिया गया। इसके अलावा, 'फरिश्ते दिल्ली के' योजना के फंड को लेकर विवाद खड़ा किया गया और पानी के बिलों की वन-टाइम सेटलमेंट योजना को भी अटका दिया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इसी दौरान अस्पतालों के डाटा एंट्री ऑपरेटरों और करीब 10 हजार बस मार्शलों की नौकरियां चली गईं। झा के मुताबिक, दिल्ली सरकार की कई फाइलें महीनों तक रोकी गईं, जिससे प्रशासनिक कामकाज प्रभावित हुआ और चुनी हुई सरकार को कमजोर करने की कोशिश की गई।

रूस से तेल खरीदने पर फैसला भारत सरकार को करना चाहिए, न कि अमेरिका की मंजूरी पर : संजय राउत

एजेंसी

मुंबई । शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने अमेरिका द्वारा रूस से तेल खरीद को लेकर भारत को एक महीने की मोहलत दिए जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस पूरे मुद्दे को भारत की विदेश नीति और राजनीतिक स्वतंत्रता से जोड़ते हुए तीखी आलोचना की। मीडिया से बातचीत करते हुए राउत ने कहा कि अगर किसी दूसरे देश को यह अधिकार मिल जाए कि वह तय करे कि भारत कब और कितना तेल खरीदे, तो यह स्थिति ठीक नहीं मानी जा सकती। राउत ने कहा कि यह बात समझ से परे है कि कोई दूसरा देश भारत को इस तरह 'परमिशन' दे। उनके मुताबिक, इस तरह की अनुमति आम तौर पर एक ताकतवर देश अपने अधीन या कमजोर देश को देता है। उन्होंने कहा कि अगर कहा जा रहा है कि भारत को रूस से तेल खरीदने के लिए एक महीने की छूट दी गई है, तो इसका मतलब यह हुआ कि हमारी विदेश नीति कहीं न कहीं दूसरे देश के इशारों पर चल रही है। उन्होंने इसे भारत की राजनीतिक स्वायत्तता के लिए सही संकेत नहीं बताया। उन्होंने आगे कहा कि रूस से तेल खरीदने के लिए अमेरिका

की परमिशन देना यह दर्शाता है कि भारत अमेरिका के अधीन और गुलाम है। अब अमेरिका जो कहेगा भारत वही करेगा।

विदेश नीति में हमारी कोई आवाज नहीं है, कोई भूमिका नहीं है। राउत का कहना है कि अगर हमें ऊर्जा की जरूरत है और रूस से तेल खरीदना हमारे लिए फायदेमंद है, तो इस पर फैसला भारत सरकार को खुद करना चाहिए, न कि किसी दूसरे देश की मंजूरी के आधार पर।

संजय राउत ने कहा कि भारत की राजनीतिक नेतृत्व और सरकार को इस मामले में साफ और मजबूत रुख अपनाना चाहिए। उनका कहना है कि देश की विदेश नीति पूरी तरह से स्वतंत्र होनी चाहिए और किसी भी बाहरी दबाव से प्रभावित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत को अपने हितों के आधार पर ही अंतरराष्ट्रीय फैसले लेने चाहिए।

इज़राइल-ईरान संघर्षः केंद्र सरकार ने टीवी न्यूज़ चैनलों की टीआरपी पर 4 हफ्ते की रोक लगाई

नई दिल्ली। इज़राइल-ईरान संघर्ष के दौरान टीवी न्यूज़ चैनल द्वारा अनावश्यक सनसनीखेज और अनुमानित सामग्री प्रसारित करने के मद्देनजर केन्द्र सरकार ने न्यूज चैनल के टेलीविजन रेटिंग पॉइंट्स (टीआरपी) की रिपोर्टिंग पर चार सप्ताह के लिए रोक लगा दी है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल (बीएआरसी) को निर्देश जारी कर कहा कि इज़राइल-ईरान संघर्ष के दौरान कुछ टीवी न्यूज़ चैनल अनावश्यक सनसनीखेज और भय पैदा करने वाली सामग्री प्रसारित कर रहे हैं, जिससे आम जनता में भय पैदा हो सकता है, विशेष रूप से उन लोगों में जिनके प्रभावित क्षेत्रों में दोस्त और परिवार रह रहे हैं। ऐसे में जनहित में बीएआरसी चार हफ्ते तक न्यूज चैनल की टीआरपी रेटिंग जारी नहीं करें। उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार ने टेलीविजन रेटिंग एजेंसियों के लिए नीति-निर्देश जारी किए थे, जिसके तहत ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल (बीएआरसी) एक पंजीकृत एजेंसी है जो न्यूज चैनलों की हर हफ्ते देखने वालों की संख्या के आधार पर रेटिंग जारी करती है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने मॉरिशस और भूटान के अपने समकक्षों से की मुलाकात, रिश्तों को मजबूत करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता पर जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री (ईएएम) एस. जयशंकर ने नई दिल्ली में रायसीना डायलॉग 2026 के मौके पर मॉरीशस और भूटान के अपने समकक्षों के साथ बैठक की। जयशंकर ने भूटान के विदेश मंत्री ल्योनपो डीएन धुंग्येल से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच पार्टनरशिप को और गहरा करने के भारत के कमिटमेंट को दोहराया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'रायसीना डायलॉग 2026 के मौके पर भूटान के विदेश मंत्री ल्योनपो डीएन धुंग्येल से मिलकर बहुत खुशी हुई। हमारी खास पार्टनरशिप को और गहरा करने के हमारे कमिटमेंट को दोहराया।' मॉरिशस के विदेश मंत्री धनंजय रितेश रामफुल के साथ अपनी मीटिंग के दौरान, ईएएम जयशंकर ने दोनों देशों के बीच स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप को और बढ़ाने के भारत के कमिटमेंट को बताया। विदेश मंत्री जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा,

'मॉरिशस के विदेश मंत्री धनंजय रितेश रामफुल से मिलकर खुशी हुई। हमारी बेहतर स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप को और बढ़ाने के हमारे कमिटमेंट को बताया।' भारत की जियोपॉलिटिक्स और जियो-इकोनॉमिक्स पर फ्लैगशिप कॉन्फ्रेंस, रायसीना डायलॉग का 11वां एडिशन गुरुवार को नई दिल्ली में शुरू हुआ। यह इवेंट, ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) ने मिनिस्ट्री ऑफ एक्सटर्नल अफेयर्स (एमईए) के साथ मिलकर ऑर्गनाइज किया है। इसमें दुनिया भर के लीडर्स, पॉलिसी बनाने वालों, एकेडेमिक्स, इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स और जर्नलिस्ट्स जरूरी इंटरनेशनल मुद्दों पर चर्चा करने के लिए इकट्ठा होते हैं।

इससे पहले, जयशंकर ने इवेंट के दौरान माल्टा के डिप्टी प्राइम मिनिस्टर इयान बोर्ग के साथ मीटिंग की।

मीटिंग के बाद उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'माल्टा के डिप्टी पीएम के साथ अच्छी मीटिंग हुई। मैरीटाइम इंडस्ट्री पर उनकी इनसाइट्स की तारीफ करता हूं।' जयशंकर ने ईरान के डिप्टी फॉरेन मिनिस्टर सईद खतीबजादेह से भी मुलाकात की। दोनों मिनिस्टर्स के बीच यह बातचीत वेस्ट एशिया में चल रहे टकराव के बीच हुई, जो 28 फरवरी को ईरान पर यूएस-इजरायल के जॉइंट स्ट्राइक्स से शुरू हुआ था, जिसका मकसद तेहरान की मिसाइल कैपेबिलिटीज और मिलिट्री इंफ्रास्ट्रक्चर को कमजोर करना था।

रायसीना डायलॉग के मौके पर, ईएएम जयशंकर ने यूरोप के लिए फ्रांस के मिनिस्टर डेलीगेट बेंजामिन हद्दाद, जर्मनी के फेडरल मिनिस्ट्री फॉर इकोनॉमिक कोऑपरेशन एंड डेवलपमेंट में स्टेट सेक्रेटरी नील्स एनेन, तंजानिया के डिप्टी फॉरेन मिनिस्टर न्गवारू जुमाने माघेम्बे, जीएलओबीईएसईसी थिंक-टैंक के फाउंडर और प्रेसिडेंट रॉबर्ट वास और यूरोपियन काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस (ईसीएफआर) के को-फाउंडर और डायरेक्टर मार्क लियोनार्ड से भी मुलाकात की।

रोहित शेट्टी फायरिंग केस में प्रवीण लोनकर गिरफ्तार, 16 मार्च तक की रिमांड

एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड फिल्ममेकर रोहित शेट्टी के घर पर हुई फायरिंग के मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच को बड़ी सफलता मिली है। इस मामले में पुलिस ने 13वें आरोपी प्रवीण लोनकर को गिरफ्तार कर लिया है। अदालत ने आरोपी को 16 मार्च तक क्राइम ब्रांच की हिरासत में भेज दिया है। मुंबई क्राइम ब्रांच के अधिकारियों के मुताबिक, इस मामले के मास्टरमाइंड शुभम लोनकर के भाई और साजिश में शामिल प्रवीण लोनकर को आर्थर रोड जेल से हिरासत में लिया गया। प्रवीण लोनकर पहले से ही बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में जेल में बंद है। गिरफ्तारी के बाद क्राइम ब्रांच ने उसे मुंबई की विशेष मकोका कोर्ट में पेश किया, जहां अदालत ने उसे 16 मार्च तक क्राइम ब्रांच की कस्टडी में भेजने का आदेश दिया। मुंबई पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, मामले की जांच के दौरान प्रवीण लोनकर की भूमिका सामने आने के बाद उसे गिरफ्तार किया गया। जांच में यह भी पता चला कि प्रवीण लोनकर ने जेल में रहते हुए भी इस पूरे षड्यंत्र में अहम भूमिका निभाई थी। क्राइम ब्रांच की जांच में यह सामने आया कि रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग में इस्तेमाल की गई बंदूक समेत कुल तीन हथियार एक अज्ञात स्थान पर छिपाकर रखे गए थे। इस जगह की जानकारी सिर्फ प्रवीण लोनकर को थी।पुलिस के मुताबिक, प्रवीण लोनकर के निर्देश पर आरोपी आसाराम फासले उस स्थान पर गया और वहां से तीनों बंदूकें निकालकर लाया। बाद में इन हथियारों को आरोपी स्वप्निल सकट को सौंप दिया गया। जांच एजेंसियों के अनुसार, रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग की घटना को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल की गई गाड़ी और हथियार उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी पुणे मॉड्यूल की थी।

परिवर्तन यात्रा के जरिए केंद्रीय भाजपा नेताओं ने ममता पर साधा निशाना

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की परिवर्तन यात्रा विभिन्न हिस्सों में जारी है। पार्टी नेताओं ने इस यात्रा के माध्यम से राज्य में राजनीतिक परिवर्तन, विकास और सुरक्षा के मुद्दों को उठाते हुए लोगों से इस अभियान से जुड़ने की अपील की है। भाजपा का कहना है कि यह यात्रा सिंडिकेट राज, भ्रष्टाचार और कट-मनी की संस्कृति के खिलाफ जनसमर्थन जुटाने के उद्देश्य से निकाली जा रही है। अलीपुरद्वार संगठनात्मक जिले के कुमारग्राम विधानसभा क्षेत्र में आयोजित परिवर्तन सभा में केंद्रीय मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार, सांसद मनोज टिग्गा और सांसद डॉ. जयंत रॉय सहित पार्टी के कई नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे। सभा को संबोधित करते हुए डॉ. सुकांत मजूमदार ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी बंगाल के लोगों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भाजपा राज्य में आधारभूत ढांचे के विकास को प्राथमिकता देगी और पुलों, रेलमार्गों तथा सड़कों के विस्तार के माध्यम से संपर्क व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को मिला एयरोड्रम लाइसेंस, जल्द होगा उद्घाटन

एजेंसी

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) से हवाई उड़ान शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है।जेवर एयरपोर्ट को एयरोड्रम लाइसेंस मिल गया है। कल ही एयरपोर्ट को ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी की ओर से सिक्योरिटी वेटिंग क्लीयरेंस मिला था। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नोडल अधिकारी शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को एयरोड्रम लाइसेंस मिल गया है। इस लाइसेंस के मिलने के बाद अब नोएडा एयरपोर्ट उड़ान के लिए तैयार है। यहां से विमानों की उड़ान और लैंडिंग शुरू की जा सकेगी। उन्होंने बताया कि जल्द ही एयरपोर्ट का उद्घाटन होगा। उनके अनुसार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से इसके उद्घाटन करने का अनुरोध कर उद्घाटन कार्यक्रम की तिथि निश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि यहां से एयर इंडिया, आकाशा और इंडिगो ने अपने विमानों को उड़ान भरने के लिए समझौता किया है।

मध्य पूर्व के कुछ देशों से भारतीय एयरलाइंस ने फिर शुरू की सीमित उड़ान सेवाएं

एजेंसी

नई दिल्ली । इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट सहित घरेलू एयरलाइंस ने मध्य पूर्व से आने-जाने वाली सीमित उड़ान सेवाओं को धीरे-धीरे फिर से शुरू कर दिया है। हालांकि अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध से जुड़े हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों के कारण अब भी हजारों उड़ानें रद्द हैं। इंडिगो ने बताया कि वह मध्य पूर्व के आठ गंतव्यों के लिए 17 उड़ानें (34 सेक्टर) संचालित करेगी और सरकार के साथ मिलकर सुरक्षित तरीके से सेवाएं पूरी तरह बहाल करने पर काम कर रही है। कई रिपोर्ट्स के अनुसार, अधिकारियों द्वारा सऊदी अरब और ओमान के हवाई क्षेत्र खुले होने की पुष्टि के बाद एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने जेद्दा और मस्कट से आने-जाने वाली उड़ानों को फिर से शुरू करने की घोषणा की है। स्पाइसजेट ने कहा कि वह 6 और 7 मार्च को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से भारत के लिए विशेष उड़ानें संचालित करेगी। इसके अलावा यात्रियों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए 8 मार्च को भी अतिरिक्त उड़ानें चलाई जाएंगी।

इंडिगो ने यह भी कहा कि जिन यात्रियों की उड़ानें बुक हैं, उनसे एयरलाइन सीधे संपर्क करेगी। यात्रियों को सलाह दी गई है कि एयरलाइन से सूचना मिलने के बाद ही एयरपोर्ट जाएं। एयर इंडिया ने 6 मार्च को दुबई, रास अल खैमाह और फुजैराह जैसे

केंद्रों से विशेष प्रत्यावर्तन (रिपेट्रिएशन) उड़ानें चलाने की भी घोषणा की है। हालांकि इसके लिए नियामक मंजूरी जरूरी होगी। एयरलाइन ने बताया कि पश्चिम एशिया के अन्य गंतव्यों के लिए निर्धारित उड़ान सेवाएं 10 मार्च तक स्थगित रहेंगी। वहीं जिन यात्रियों के टिकट 4 मार्च तक जारी हुए हैं और जिनकी यात्रा 28 फरवरी से 8 मार्च के बीच की है, वे बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के एक महीने के भीतर अपनी यात्रा दोबारा शेड्यूल कर सकते हैं। उद्योग से जुड़े आंकड़ों के मुताबिक, दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उड़ानों की आवाजाही पिछले दिन के मुकाबले लगभग दोगुनी हो गई और यह सामान्य स्तर के करीब 25 प्रतिशत तक पहुंच गई। डेटा के अनुसार, 28 फरवरी से 5 मार्च के बीच मध्य पूर्व से आने-जाने वाली 44,000 से अधिक उड़ानें निर्धारित थीं, जिनमें से अब तक 25,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द हो चुकी हैं। इस बीच नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पहले ही बताया था कि वह एयरलाइंस और संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय कर रहा है और फंसे हुए यात्रियों की मदद के लिए यात्री सहायता नियंत्रण कक्ष भी सक्रिय किया गया है। नागर विमानन मंत्रालय ने कहा कि वह एयरलाइंस के साथ लगातार संपर्क में है और हवाई किरायों पर भी नजर रख रहा है ताकि इस अवधि के दौरान टिकट की कीमतों में अनावश्यक बढ़ोतरी न हो।

नेपाल-भारत-श्रीलंका से जुड़े ड्रग्स तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़, 77.60 किलो हैशिश ऑयल और 2 किलो चरस जब्त

एजेंसी

नई दिल्ली। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए 77.60 किलोग्राम हैशिश ऑयल और 2 किलोग्राम चरस जब्त की। जब्त किए गए मादक पदार्थों की अनुमानित कीमत करीब 10 करोड़ रुपए बताई जा रही है। इस कार्रवाई के दौरान दो कार, एक मोटरसाइकिल और एक मछली पकड़ने वाली नाव भी बरामद की गई है। इस मामले में अब तक एक श्रीलंकाई शरणार्थी सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई देश को नशामुक्त बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रग-फ्री इंडिया के विजन और केंद्रीय गृह मंत्री के निर्देशों के तहत की गई है। एनसीबी अधिकारियों के मुताबिक, यह कार्रवाई चेन्नई जोनल यूनिट और हैदराबाद जोनल यूनिट के संयुक्त ऑपरेशन के तहत की गई। जांच में पता चला कि यह नेटवर्क नेपाल, भारत और श्रीलंका के बीच सक्रिय था और बड़े पैमाने पर मादक पदार्थों की तस्करी कर रहा था। खुफिया जानकारी के आधार पर एनसीबी की हैदराबाद टीम ने 3 मार्च को तेलंगाना में बेंगलुरु-हैदराबाद हाईवे पर रायकल टोल प्लाजा के पास एक टाटा सफारी स्टॉर्म कार को रोका। वाहन की तलाशी लेने पर विशेष रूप से बनाए गए गुप्त खांचों से 2 किलोग्राम चरस बरामद हुई। इस मामले में दिल्ली के एक निवासी और उत्तर प्रदेश के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया

गया। शुरुआती जांच में सामने आया कि यह चरस और करीब 78 किलोग्राम हैशिश ऑयल की खेप नेपाल के काठमांडू से भारत लाई गई थी। जांच में पता चला कि ड्रग्स की यह खेप सोनौली भारत-नेपाल सीमा के जरिए भारत में लाई गई थी। गिरफ्तार तस्करों ने करीब 78 किलो हैशिश ऑयल की खेप पहले ही तमिलनाडु के थूथुकुडी में पहुंचा दी थी, जहां से इसे समुद्री रास्ते से श्रीलंका भेजने की योजना थी।

जैसे ही यह जानकारी सामने आई, एनसीबी की चेन्नई टीम सक्रिय हो गई। टीम ने थूथुकुडी में छापेमारी कर करीब 78 किलो हैशिश ऑयल तीन लोगों के कब्जे से बरामद कर लिया। इन तीनों में एक श्रीलंकाई शरणार्थी भी शामिल है। इस कार्रवाई के साथ ही इस नेटवर्क से जुड़े कुल गिरफ्तार आरोपियों की संख्या पांच हो गई। जांच एजेंसियों के अनुसार, तस्करों ने मादक पदार्थों की खेप को थूथुकुडी के समुद्री तट से मछली पकड़ने वाली नाव के जरिए अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा के पास ले जाकर श्रीलंका के एक रिसीवर को सौंपने की योजना बनाई थी। इस योजना को नाकाम करने के लिए एनसीबी ने भारतीय तटरक्षक बल की मदद से कार्रवाई की और अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा के पास संदिग्ध मछली पकड़ने वाली नाव को जब्त कर लिया।

जांच में यह भी सामने आया है कि जब्त किए गए मादक पदार्थों का अंतिम रिसीवर श्रीलंका में रहने वाला एक श्रीलंकाई नागरिक था, जिसने इस पूरे नेटवर्क को वित्तीय मदद देने के साथ-साथ नेपाल से श्रीलंका तक तस्करी की पूरी योजना का समन्वय किया था। एनसीबी ने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है। जांच एजेंसियां इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने, वित्तीय लेन-देन का पता लगाने और पूरे अंतरराष्ट्रीय तस्करी गिरोह को ध्वस्त करने के लिए काम कर रही हैं। एनसीबी के अनुसार, इस वर्ष की शुरुआत से अब तक चेन्नई जोनल यूनिट ने 973.35 किलो गांजा, 87.64 किलो हैशिश ऑयल और 1.045 किलो एम्फेटामाइन जब्त किया है। इन मामलों में 9 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और जब्त मादक पदार्थों की कुल अनुमानित कीमत करीब 12.5 करोड़ रुपए है।

राजस्थान में अब विक्षुब्ध क्षेत्रों में सम्पत्ति विक्रय के लिए अनुमति आवश्यकः संसदीय कार्य मंत्री

एजेंसी

जयपुर। विधानसभा में 'राजस्थान विक्षुब्ध क्षेत्रों में स्थावर संपत्ति के अंतरण का प्रतिषेध और परिसरों से किरायेदारों को बेदखली से संरक्षण के लिए उपबंध विधेयक, 2026' ध्वनिमत से पारित किया गया। इससे पहले विधेयक पर हुई चर्चा के बाद संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम patel ने कहा कि इस विधेयक में किसी हिन्दू, मुस्लिम, वर्ग विशेष, बहुसंख्यक, अल्पसंख्यक, सम्प्रदाय, समुदाय, पूजा पद्धति का उल्लेख नहीं है। हमारे लिए सभी समान है। यह अधिनियम प्रदेश की वर्तमान परिस्थितियों, आवश्यकताओं और प्राप्त सुझावों से विधि विशेषज्ञों की राय से बनाया गया है। पटेल ने सदन को विश्वास दिलाया कि इस अधिनियम के लागू होने से प्रदेश में भाईचारा और सामाजिक सदभावना और अधिक मजबूत होगी। यह सामाजिक न्याय, सुरक्षा और संवैधानिक संतुलन का प्रतीक है। प्रदेश में गंगा-जमुना तहजीब बरकरार रखने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि तनाव, अस्थिरता और सामाजिक अशांति की स्थिति में यह अधिनियम सक्रिय रक्षक की भूमिका निभाएगा। यही हमारा मूल ध्येय भी है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि दंगों, सामुदायिक तनाव, साम्प्रदायिक तनाव से आबादी क्षेत्रों में जनसंख्या की संरचना तेजी से बढ़ती है तो सामाजिक असंतुलन और पारस्परिक अविश्वास का माहौल बनता है। उन्होंने कहा कि राज्य के कई क्षेत्रों में समुदाय विशेष की संख्या बढ़ने से जनसांख्यिकी असंतुलन, साम्प्रदायिक तनाव और सार्वजनिक सद्भाव की कमी का प्रभाव मिश्रित आबादी क्षेत्रों पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि देश के कई हिस्सों में साम्प्रदायिक तनाव और हिंसा की घटनाओं के आधार पर अनुभव किया गया है कि ऐसे समय में भय, असुरक्षा, सामाजिक दबाव के कारण लोग अपनी सम्पत्ति को वास्तविक मूल्य से कम दर पर बेचने को मजबूर हो जाते हैं। यह अधिनियम पलायन रोकेगा, सम्पत्ति का उचित विक्रय मूल्य सुनिश्चित करेगा। तथ्यों, रिपोर्ट, प्रशासनिक आधार व अन्य इनपुट पर राज्य सरकार को आवश्यक प्रतीत होगा तो अधिसूचना जारी कर किसी क्षेत्र को विक्षुब्ध क्षेत्र घोषित कर सकेगी। यह कदम प्रशासन को संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्कता और निगरानी की शक्ति देगा। इससे संभावित सामाजिक विघटन को प्रारंभिक स्तर पर नियंत्रित किया जा सकेगा। ऐसी अधिसूचना 3 वर्ष के लिए लागू रहेगी। इसे जारी करते समय ही इस अवधि को कम अंकित किया जा सकेगा या जारी होने के बाद भी अवधि बढ़ाई जा सकेगी।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 फाइनल में भारत-न्यूजीलैंड की टक्कर, इतिहास रचने उतरेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का बहुप्रतीक्षित फाइनल मुकाबला 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में दोनों टीमें खिताब जीतने के इरादे से मैदान में उतरेंगी। भारतीय टीम के लिए यह मैच कई मायनों में ऐतिहासिक हो सकता है, क्योंकि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया के पास लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप जीतने और नया रिकॉर्ड बनाने का शानदार मौका है। वहीं न्यूजीलैंड की टीम पहली बार इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी को अपने नाम करने की कोशिश करेगी।

डिफेंडिंग चैंपियन भारत इस टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में नजर आया है। टीम ने लीग स्टेज से लेकर सेमीफाइनल तक लगातार दमदार प्रदर्शन किया है। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड को 7 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। यह मुकाबला बेहद रोमांचक रहा था और आखिरी ओवर तक मैच का नतीजा तय नहीं हो पाया था। भारतीय गेंदबाजों ने दबाव के क्षणों में शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को जीत दिलाई और फाइनल का टिकट हासिल किया।

दूसरी ओर न्यूजीलैंड ने भी टूर्नामेंट में बेहतरीन खेल दिखाया है। कीवी टीम ने पहले सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 9 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई। उस मैच में न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने संतुलित प्रदर्शन करते हुए मुकाबले को पूरी तरह अपने नियंत्रण में रखा। मिचेल सैंटनर की कप्तानी में टीम आत्मविश्वास से भरी नजर आ रही है और पहली बार टी20 वर्ल्ड कप जीतने का सपना साकार करने के करीब है। भारतीय टीम के लिए इस टूर्नामेंट में संजू सैमसन का प्रदर्शन बेहद अहम रहा है। उन्होंने कई महत्वपूर्ण मैचों में शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने नाबाद 97 रन बनाए थे, जबकि इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 89 रनों की शानदार पारी खेली थी। इन पारियों ने भारत की फाइनल तक की राह आसान बनाने में बड़ी भूमिका निभाई।

हालांकि फाइनल में भारत के सामने न्यूजीलैंड की कड़ी चुनौती होगी। टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में दोनों टीमों के बीच अब तक तीन मुकाबले खेले गए हैं और तीनों में न्यूजीलैंड को जीत मिली है। ऐसे में भारतीय टीम के पास इस बार अपने पुराने रिकॉर्ड को सुधारने का भी सुनहरा मौका होगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच यह फाइनल मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे शुरू होगा, जबकि टॉस शाम 6:30 बजे किया जाएगा। मैच से पहले शाम 5:30 बजे एक भव्य प्री-शो आयोजित किया जाएगा, जिसमें भारतीय गायक सुखबीर और फाल्गुनी पाठक अपनी प्रस्तुति देंगे। क्रिकेट प्रशंसकों को उम्मीद है कि यह फाइनल मुकाबला रोमांच और यादगार पलों से भरपूर होगा।

टीम इस प्रकार है

भारत - सूर्यकुमार यादव (कप्तान) अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज. रिंकू सिंह और वॉशिंगटन सुंदर।

न्यूजीलैंड- मिचेल सेंटनर (कप्तान), फिन एलन, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फॉर्ग्यूसन, मैट हेनरी, डेरिल मिचेल, जिमी निशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम सईफर्ट, ईश सोढ़ी, काइल जेमिसन, कॉल मैककॉन्ची।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड बेहद खराब

टी20 विश्व कप के इतिहास में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। अब तक इस टूर्नामेंट में दोनों टीमों के बीच तीन मुकाबले खेले गए हैं और तीनों में न्यूजीलैंड ने जीत हासिल की है। टी20 वर्ल्ड कप में भारत और न्यूजीलैंड के बीच आखिरी मुकाबला 2021 में दुबई में खेला गया था। उस समय भारतीय टीम की कप्तानी विराट कोहली के हाथों में थी और उस मैच में न्यूजीलैंड ने भारत को 8 विकेट से हराया था। उस हार ने भारत के अभियान को भी प्रभावित किया था। हालांकि पिछले पांच सालों में दोनों टीमों में काफी बदलाव देखने को मिला है और अब कई नए खिलाड़ी टीम का हिस्सा बन चुके हैं। 2021 के उस मुकाबले में भारतीय टीम की ओर से खेलने वाले खिलाड़ियों में से केवल चार खिलाड़ी ही मौजूदा टी20 वर्ल्ड कप 2026 की टीम में शामिल हैं। इनमें ईशान किशन, हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती शामिल हैं। बाकी खिलाड़ी या तो इस फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं या फिर टीम से बाहर हो गए हैं।

फाइनल से पहले न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स ने दी जसप्रीत बुमराह को चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाड़ी ग्लेन फिलिप्स ने कहा है कि भारतीय तेज गेंदबाजी के स्टार जसप्रीत बुमराह विश्व स्तरीय गेंदबाज हैं, लेकिन उनका भी कभी-कभी प्रदर्शन कमजोर हो सकता है। फिलिप्स ने यह बयान रविवार को टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल से पहले दिया, जिसमें भारत और न्यूजीलैंड आमने-सामने होंगे। फिलिप्स ने बुमराह की प्रशंसा करते हुए कहा, बुमराह एक शानदार गेंदबाज हैं। उनके पास कई तरह के वैरिएशन हैं और वह डेथ ओवरों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं। लेकिन वह भी इंसान हैं और कभी-कभी उनका दिन खराब हो सकता है। हमारी टीम यही उम्मीद रखती है कि फाइनल में कुछ मौके हमें मिलेंगे, जिनका हम पूरा फायदा उठाएंगे।

फिलिप्स ने इंग्लैंड के पिछले मुकाबले का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे इंग्लैंड ने अंतिम ओवरों में बुमराह के खिलाफ आक्रामक खेल खेला और खुद को जीत का मौका बढ़ाया। फिलिप्स ने कहा, इंग्लैंड ने बुमराह के खिलाफ सही रणनीति अपनाई थी और आखिरी दो ओवरों में उनके ऊपर दबाव बनाया। हमें भी फाइनल में उनके किसी भी चूक का फायदा उठाना होगा। फिलिप्स ने यह भी कहा कि न्यूजीलैंड के पास खिलाड़ियों की संख्या भारत की तुलना में कम है, लेकिन टीम का हाई परफॉर्मेंस प्रोग्राम विशेष रूप से तैयार किया गया है ताकि सीमित संसाधनों के बावजूद टीम अच्छा प्रदर्शन कर सके। उन्होंने अहमदाबाद की आबादी का जिक्र करते हुए कहा कि भारत की आबादी लगभग 9.3 मिलियन है, जबकि न्यूजीलैंड की कुल आबादी केवल 5.36 मिलियन है, जो टीम के लिए चुनौतीपूर्ण माहौल बनाता है।

टी20 में डेथ ओवर्स के अविश्वसनीय मास्टर हैं जसप्रीत बुमराह

नई दिल्ली । टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में डेथ ओवर्स में अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया है। इंग्लैंड के खिलाफ हाई-स्कोरिंग सेमीफाइनल में बुमराह ने साबित कर दिया कि उनके मुकाबले डेथ ओवर्स में कोई टिक नहीं सकता। उनके ओवरों की गति, सटीक लाइन और बल्लेबाजों को कमाल की चुनौती देना उन्हें टी20 क्रिकेट का सबसे खतरनाक गेंदबाज बनाता है। टी20 वर्ल्ड कप 2024 से लेकर 2026 के सेमीफाइनल तक बुमराह ने 9 मैचों में डेथ ओवर्स की जिम्मेदारी संभाली। इन 14 ओवरों में उन्होंने केवल एक छक्का खाया और 9 विकेट भारत को दिलाए। 82 गेंदों में उन्होंने विपक्षी टीमों को केवल 60 रन बनाने दिए, जिससे उनका इकॉनमी रेट महज 4.39 रहा। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि उनके सामने कोई भी बल्लेबाज आसानी से रन नहीं बना सकता। खास बात यह है कि उन्होंने पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ भी यह रिकॉर्ड कायम रखा। डेथ ओवर्स में आमतौर पर रन रेट 10 या उससे अधिक होता है, लेकिन बुमराह ने इसे पूरी तरह नियंत्रण में रखा।

बाबर बांग्लादेश दौरे के लिए शामिल नहीं किये गये

लाहौर (एजेंसी)। टी20 विश्वकप में खराब प्रदर्शन की गाज पाकिस्तान टीम के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम पर गिरी है। उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बांग्लादेश में होने वाली एकदिवसीय सीरी के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। विश्वकप में बाबर सहित पाक टीम का प्रदर्शन खराब रहा है। इस टूर्नामेंट में बाबर ने पूरे टूर्नामेंट के 6 मैचों में केवल 91 रन ही बनाए। इस सीरीज के लिए तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी को कप्तान बनाया गया है। शाहीन का भी प्रदर्शन हालांकि टी20 विश्व कप में अच्छा नहीं रहा था। उन्होंने 5 मैचों की 5 पारियों में 8 विकेट लिए। जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 30 रन देकर चार विकेट रहा है। ये सीरीज 11 से 15 मार्च के बीच खेली जाएघी। तीनों ही मुकाबले ढाका के शेरे बंगला नेशनल स्टेडियम में खेले जाएंगे। पहला एकदिवसीय 11 मार्च को दूसरा एकदिवसीय 13 मार्च, तीसरा और अंतिम मैच 15 मार्च को खेला जाएगा।

टी20 वर्ल्ड कप फाइनल से पहले सैंटनर का बड़ा बयान, बोले - भारत पर होगा घरेलू दबाव

अहमदाबाद (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने टी20 के फाइनल से पहले बड़ा बयान देते हुए कहा है कि मेजबान होने के कारण भारत पर खिताब जीतने का अतिरिक्त दबाव रहेगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच यह खिताबी मुकाबला रविवार को नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। फाइनल से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में सैंटनर ने कहा कि घरेलू मैदान पर खेलने के कारण भारतीय टीम को दर्शकों की बड़ी उम्मीदों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य मैच के दौरान भीड़ को शांत करना होगा। सैंटनर के मुताबिक भारत जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन मेजबान होने के कारण उन पर दबाव भी ज्यादा रहेगा।

न्यूजीलैंड कप्तान ने कहा कि उनकी टीम इस बड़े मुकाबले को लेकर काफी उत्साहित है और खिलाड़ी पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने बताया कि टीम पहले भी भारत के खिलाफ खेल चुकी है, इसलिए किसी खास रहस्य की बात नहीं है। उनके अनुसार फाइनल एक मैच का मुकाबला होता है और उस दिन जो टीम बेहतर प्रदर्शन करेगी वही जीत दर्ज करेगी। पिच को लेकर सैंटनर ने कहा कि उन्होंने अभी तक मैदान की सतह नहीं देखी है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि अहमदाबाद में हाई-स्कोरिंग मुकाबला देखने को मिल सकता है, क्योंकि यह मैदान बल्लेबाजों के लिए मददगार माना जाता है।

सैंटनर ने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि बुमराह इस टूर्नामेंट में शानदार गेंदबाजी कर रहे हैं और उनकी यॉर्कर तथा बाउंसर किसी भी बल्लेबाज के लिए चुनौती बन सकती है। बुमराह ने टूर्नामेंट में अब तक 10 विकेट हासिल किए हैं। उन्होंने भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को भी खतरनाक गेंदबाज बताया और कहा कि वह इस प्रतियोगिता में बेहतरीन फॉर्म में हैं। वरुण अब तक 13 विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाजों में शामिल हैं। सैंटनर ने यह भी कहा कि उनकी टीम पूरे टूर्नामेंट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करती आई है और फाइनल में भी वही लय बनाए रखने की कोशिश करेगी। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि अगर मौका मिला तो न्यूजीलैंड भारत को हराकर ट्रॉफी जीतने से पीछे नहीं हटेगी, भले ही इससे भारतीय प्रशंसकों का दिल टूट जाए।

रवि शास्त्री बोले- फायनल में बदलाव करने की जरूरत नहीं

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि टीम प्रबंधन को अभिषेक शर्मा का मनोबल बढ़ाना चाहिए और उन्हें अपनी क्षमता पर विश्वास रखने के लिए प्रेरित करना चाहिए। उनके अनुसार खिलाड़ी को यह भरोसा दिलाना जरूरी है कि टीम उसके साथ खड़ी है और उसे अपनी ताकत के अनुसार खेलना चाहिए। शास्त्री ने उम्मीद जताई कि न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाला फाइनल मुकाबला अभिषेक शर्मा के लिए टूर्नामेंट का सबसे बेहतरीन मैच साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि जब टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही हो तो उसमें बदलाव करने की जरूरत नहीं होती। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि संजू सैमसन बल्लेबाजी के दौरान अब पहले से अधिक मानसिक रूप से मजबूत हो गए हैं और यही बदलाव उनके हालिया प्रदर्शन में साफ दिखाई दे रहा है। शास्त्री के अनुसार टी20 विश्व कप में सैमसन के बेहतर नतीजों के पीछे उनकी बढ़ी हुई एकाग्रता और बेहतर शॉट चयन बड़ी वजह है। शास्त्री ने कहा कि सैमसन के पास हर तरह के शॉट खेलने की क्षमता है, लेकिन पहले अक्सर उनकी एकाग्रता में कमी देखने को मिलती थी। उनका मानना है कि अब सैमसन को इस बात का एहसास हो गया है कि उन्हें अपनी बल्लेबाजी के दौरान ज्यादा फोकस और समझदारी दिखानी होगी। उन्होंने कहा कि सैमसन को अपनी ताकत पर भरोसा रखते हुए उसी के अनुसार बल्लेबाजी करनी चाहिए।

हॉकी वर्ल्ड कप क्वालिफायर में भारत की नजरें विश्व कप टिकट पर

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय महिला राष्ट्रीय फील्ड हॉकी टीम रविवार से हैदराबाद, तेलंगाना में शुरू हो रहे एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप क्वालिफायर 2026 में मजबूत प्रदर्शन करते हुए महिला हॉकी वर्ल्ड कप 2026 में अपनी जगह पक्की करने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी। इस महत्वपूर्ण टूर्नामेंट में मेजबान भारत के अलावा इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, कोरिया, इटली, उरुग्वे, वेल्स और ऑस्ट्रिया की टीमें हिस्सा ले रही हैं। कुल आठ टीमों को चार-चार के दो ग्रुप में बांटा गया है, जहां ग्रुप ए में इंग्लैंड, कोरिया, इटली और ऑस्ट्रिया शामिल हैं, जबकि ग्रुप बी में भारत, स्कॉटलैंड, उरुग्वे और वेल्स की टीमें हैं। टूर्नामेंट के प्रारूप के अनुसार प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी। इसके बाद विजेता टीमें फाइनल में आमने-सामने होंगी, जबकि हारने वाली टीमों के बीच कांस्य पदक के लिए मुकाबला होगा। इस प्रतियोगिता में शीर्ष तीन स्थान हासिल करने वाली टीमों को सीधे 2026 के महिला हॉकी विश्व कप के लिए क्वालिफिकेशन मिल जाएगा। इसके अलावा चौथे स्थान पर रहने वाली टीम में से यदि वह विश्व रैंकिंग में सबसे ऊंचे स्थान पर है तो उसे भी विश्व कप में प्रवेश मिल सकता है। आने वाले विश्व कप में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में 16-16 टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें से प्रत्येक वर्ग में नौ टीमें पहले ही क्वालिफाई कर चुकी हैं।

मेजबान होने के कारण भारतीय टीम को घरेलू मैदान और दर्शकों का भरपूर समर्थन मिलने की उम्मीद है, जिससे टीम का मनोबल और मजबूत होगा। भारतीय टीम हाल ही में नियुक्त मुख्य कोच शोर्ड मारिन के मार्गदर्शन में इस टूर्नामेंट में उतर रही है और टीम का लक्ष्य लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए विश्व कप में जगह सुनिश्चित करना है। वर्तमान में भारतीय महिला हॉकी टीम विश्व रैंकिंग में नौवें स्थान पर है और इंग्लैंड के बाद इस टूर्नामेंट की दूसरी सबसे ऊंची रैंक वाली टीम मानी जा रही है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 8 मार्च को उरुग्वे के खिलाफ मैच से करेगा। इसके बाद टीम 9 मार्च को स्कॉटलैंड और 11 मार्च को वेल्स के खिलाफ मुकाबला खेलेगी। इन शुरुआती मैचों में अच्छा प्रदर्शन भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने की राह आसान कर सकता है।

भारतीय महिला हॉकी टीम अब तक विश्व कप के आठ संस्करणों में हिस्सा ले चुकी है। टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1974 में रहा था, जब भारतीय टीम चौथे स्थान पर पहुंचने में सफल रही थी। टूर्नामेंट से पहले भारतीय कप्तान सलीमा टेटे ने कहा कि घरेलू मैदान पर क्वालिफायर खेलना टीम के लिए बेहद खास अवसर है। उन्होंने बताया कि टीम इस प्रतियोगिता के लिए कड़ी मेहनत कर रही है और सभी खिलाड़ी एक-एक मैच पर ध्यान देते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं, ताकि भारत विश्व कप में अपनी जगह सुनिश्चित कर सके।

रोनाल्डो की चोट गंभीर, पुर्तगाल की तरफ से खेलना संदिग्ध

रियाद। अल-नासर के कोच जॉर्ज जीसस ने कहा कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो की हैमस्ट्रिंग की चोट जितना अनुमान लगाया जा रहा था उससे अधिक गंभीर है। इस चोट के कारण 41 वर्षीय रोनाल्डो का पुर्तगाल की तरफ से आगामी मैत्री मैचों में खेलना भी संदिग्ध है। यह स्टार फुटबॉलर पिछले सप्ताहांत अल-नासर की सऊदी प्रो लीग में अल-फायहा पर 3-1 से मिली जीत के दौरान लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर चला गया था। जीसस ने शुक्रवार को पत्रकारों से कहा, ''पिछले मैच में क्रिस्टियानो को मांसपेशियों में खिंचाव के कारण मैदान छोड़ना पड़ा था। अब जांच से यह स्पष्ट हो गया है कि हमने जितना अनुमान लगाया था उनकी चोट उससे अधिक गंभीर है।'' उन्होंने कहा, ''उन्हें आराम करने और उचित उपचार करने की जरूरत है। क्रिस्टियानो इलाज के लिए स्पेन जाएंगे। उन्हें अपने निजी फिजियोथेरेपिस्ट से इलाज करवाना होगा। हमें उम्मीद है कि वह जल्द ही टीम में वापसी करेंगे।'' पुर्तगाल विश्व कप की अपनी तैयारी के तहत 28 मार्च को मैक्सिको के खिलाफ मैक्सिको सिटी में और इसके बाद एक अप्रैल को अमेरिका के खिलाफ अटलांटा में मैत्री मैच खेलेगा। उन्होंने अल नासर की तरफ से इस सत्र में 22 लीग मैच में 21 गोल किए हैं।

सैम करन के प्रदर्शन पर कड़ी प्रतिक्रिया श्रीकांत ने की कड़ी टिप्पणी

मुंबई। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए हाई-स्कोरिंग मुकाबले में भारत ने 253 रन बनाकर इंग्लैंड को मात्र सात रन से मात दी और फाइनल में प्रवेश किया। इस रोमांचक मुकाबले के बाद पूर्व भारतीय ओपनर कृष्णम्माचारी श्रीकांत ने इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम करन के प्रदर्शन पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। इस मैच में भारत ने 20 ओवर में 253 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया, जिसमें टीम के प्रमुख बल्लेबाजों ने आक्रामक खेल दिखाया। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने रन रोकने के लिए संघर्ष किया और खासकर सैम करन का चार ओवर का स्पेल काफी महंगा रहा, जिसमें उन्होंने 53 रन दिए और कोई विकेट नहीं लिया। पूर्व भारतीय ओपनर क्रिस श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर करन की कड़ी आलोचना की। उनका कहना है कि करन ने मैच के अहम समय में बहुत ज्यादा गेंदें खेलीं और इंग्लैंड की रन गति धीमी कर दी। इसके कारण जैकब बेथेल पर अतिरिक्त दबाव पड़ा। श्रीकांत ने कहा कि इतने बड़े लक्ष्य का पीछा करते समय बल्लेबाज को तेज स्ट्राइक रेट और बड़े शॉट खेलने की जरूरत होती है, लेकिन करन इसमें नाकाम रहे और उनकी पारी मैच के हिसाब से प्रभावी नहीं रही। इंग्लैंड की ओर से सबसे आकर्षक प्रदर्शन जैकब बेथेल का रहा। उन्होंने सिर्फ 48 गेंदों में 105 रन बनाए और टीम को मुकाबले में बनाए रखा, लेकिन अन्य बल्लेबाजों के कमजोर प्रदर्शन ने टीम को जीत से दूर रखा। सैम करन ने 14 गेंदों पर केवल 18 रन बनाए। इसके अलावा श्रीकांत ने जोस बटलर और फिल सॉल्ट के प्रदर्शन पर भी सवाल उठाए। बटलर ने 17 गेंदों पर 25 रन बनाए और पूरे टूर्नामेंट में आठ पारियों में केवल 87 रन ही जुटाए। फिल सॉल्ट भी निर्णायक मौके पर प्रभावी नहीं रहे। इस मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड को 246/7 पर रोकते हुए जीत दर्ज की और फाइनल में जगह बनाई। इंग्लैंड के लिए यह हार निराशाजनक रही, खासकर जब जैकब बेथेल ने शतक लगाकर टीम को जीत के करीब पहुंचाया था।

मैकुलम के बचाव में उतरे ब्रूक

मुंबई । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान हैरी ब्रुक ने टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम का समर्थन करते हुए कहा है कि टीम विश्वकप से बाहर होने बाद भी उन्हें पद पर बनाये रखना चाहेगी। ब्रुक ने कहा कि सभी खिलाड़ी कोच के मार्गदर्शन से प्रेरित हैं और चाहेंगे कि वह टीम के साथ बने रहें। वहीं सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम के हाथों मिली हार के बाद आलोचकों ने कोच पर सवाल उठाये हैं और उनकी आक्रामक रणनिति की समीक्षा की बात कही है। हार के बाद सबसे ज्यादा आलोचना मैकुलम की ही हुई है। यहां तक कि उनके भविष्य पर भी सवाल उठने लगे हैं। वहीं ब्रूक उनके बचाव में उतरें है। ब्रूक चाहते हैं कि मैकुलम अपने पद पर बने रहें। ब्रूक ने कहा कि अगर ईसीबी ब्रेंडन मैकुलम को हेड कोच बनाए रखने के बारे में उनकी राय पूछेगी तो वह उनके पक्ष में रहेंगे। ब्रूक ने कहा, जिस तरह से वह सबसे बात करते हैं, जिस तरह से ड्रेसिंग रूम में उनका अपना एक आभामंडल है, हर कोई उनसे प्रेरणा लेता है। पिछले चार सालों में उन्होंने जो कुछ किया है, उसने इंग्लिश क्रिकेट काफी लाभ भी हुआ है। ब्रुक का समर्थन मिलने से कोच के रूप में मैकुलम के भविष्य को एक मजबूत सहारा जरुर मिला है। अब देखना होगा कि इंग्लैंड बोर्ड (ईसीबी) मैकुलम पर क्या फैसला लेती है। गौरतलब है कि टी20 विश्व कप में इंग्लैंड का प्रदर्शन सामान्य शुरुआत के बाद अच्छा रहा। पहले मैच में नेपाल के खिलाफ करीबी जीत के बाद टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन इसके बाद इंग्लैंड बिना कोई मैच हारे सुपर-8 में जगह बनाई। सुपर-8 में इंग्लैंड ने पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और श्रीलंका को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी पर सेमीफाइनल में 7 रनों से हार गयी।

ऑल इंग्लैंड ओपन 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचे लक्ष्य सेन

- वर्ल्ड नंबर 6 को हराकर रचा इतिहास, बर्मिंघम में अकेले भारतीय खिलाड़ी के रूप में लक्ष्य की स्वर्णिम दौड़

बर्मिंघम (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन के युवा स्टार लक्ष्य सेन ने ऑल इंग्लैंड ओपन 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। शुक्रवार रात खेले गए क्वार्टरफाइनल मुकाबले में लक्ष्य ने दुनिया के छठे नंबर के खिलाड़ी और पूर्व चैंपियन चीन के ली शि फेंग को सीधे गेमों में 21-13, 21-16 से शिकस्त दी। ठीक एक घंटे चले इस कड़े मुकाबले में लक्ष्य ने शुरुआत से ही आक्रामक रवैया अपनाया और लंबी रैलियों के बीच धैर्य बनाए रखा। इस जीत के साथ ही लक्ष्य अब प्रतिष्ठित ऑल इंग्लैंड खिताब जीतने से महज दो कदम दूर रह गए हैं।

2022 के फाइनलिस्ट रहे 24 वर्षीय लक्ष्य सेन इस टूर्नामेंट में बचे एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं। उनके अन्य साथी खिलाड़ी पहले ही राउंड में बाहर हो गए थे, जबकि स्टार शटल पैल पीवी सिंधु मध्य पूर्व में जारी तनाव के कारण बर्मिंघम नहीं पहुंच सकीं। लक्ष्य ने अपने अभियान की शुरुआत डिफेंडिंग चैंपियन शि यू की को हराकर की थी, जिससे उनका आत्मविश्वास सातवें आसमान पर है। ली शि फेंग के खिलाफ मिली इस जीत ने उनके 'हेड टू हेड' रिकॉर्ड को भी बेहतर कर दिया है। अब सेमीफाइनल में लक्ष्य का मुकाबला कनाडा के विक्टर लाई से होगा, जिन्होंने जापानी खिलाड़ी को हराकर अंतिम चार में जगह बनाई है।

मैच के बाद लक्ष्य सेन ने बताया कि लंबी रैलियों के कारण दोनों खिलाड़ी शारीरिक रूप से थक रहे थे, लेकिन कोच की सलाह पर उन्होंने अपनी गलतियों को कम किया और जीत पक्की की। लक्ष्य ने फिलहाल खिताब के बारे में सोचने के बजाय अपना पूरा ध्यान रिकवरी पर केंद्रित करने की बात कही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका लक्ष्य एक समय में एक ही मैच पर ध्यान देना है। भारतीय खेल प्रेमी अब रविवार को होने वाले संभावित फाइनल की उम्मीद लगाए बैठे हैं, जहाँ लक्ष्य भारत के लिए वर्षों पुराना सूखा खत्म कर इतिहास रच सकते हैं।

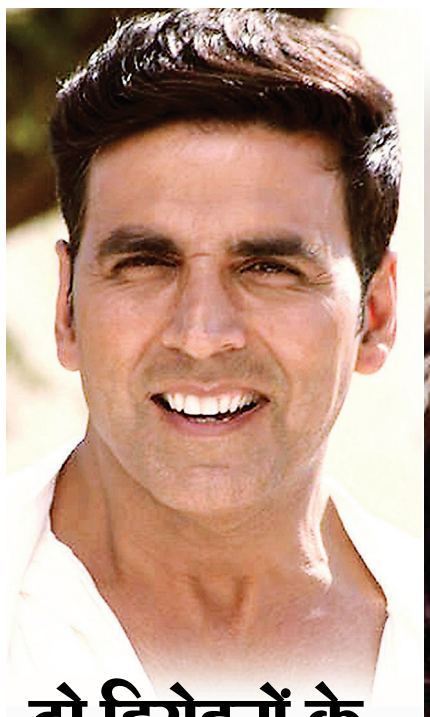

दो हिरोइनों के साथ इश्क लड़ाएंगे अक्षय कुमार?

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म के जरिए अक्षय कमुार और निर्देशक प्रियदर्शन की जोड़ी सोलह साल बाद लौट रही है। इसके अलाव अक्षय की पाइपलाइन में 'भागम भाग 2' भी है। इसकी कास्टिंग को लेकर भी लगातार नई-नई जानकारियां सामने आ रही हैं। अब ऐसी खबरें हैं कि अक्षय 'भागम भाग 2' में दो अभिनेत्रियों के साथ रोमांस करते नजर आ सकते हैं।

इन दोनों अभिनेत्रियों के साथ रोमांस करेंगे अक्षय

फिल्म की फीमेल कास्टिंग को लेकर वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट में ऐसा दावा किया गया है कि फिल्म में एक नहीं बल्कि दो अभिनेत्रियां हो सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अक्षय फिल्म में जिन दो अभिनेत्रियों के साथ नजर आएंगे, उनमें मीनाक्षी चौधरी और 'धुरंधर के 'शरारत' गाने से सुर्खियां बटोरने वाली आयशा खान के नाम शामिल हैं। फिल्म में तीनों के बीच रोमांटिक एंगल देखने को मिलेगा।

मनोज बाजपेयी के अपोजिट एक्ट्रेस का नहीं हुआ चयन

रिपोर्ट में आगे ये भी बताया गया है कि दोनों अभिनेत्रियां फिल्म की नई कहानी में अहम भूमिकाएं निभाने वाली हैं। 'भागम भाग 2' की कहानी गलत पहचान, कन्फ्यूजन और क्लासिक कॉमेडी-ऑफ-एरर्स से भरपूर होगी। हालांकि, अभी मनोज बाजपेयी के साथ एक्ट्रेस का चयन होना बाकी है।

प्रियदर्शन ने किया था 'भागम भाग' का निर्देशन

साल 2006 में आई 'भागम भाग' का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया था। यह एक पॉलिटिकल सटायर फिल्म थी, जिसमें अक्षय कुमार, परेश रावल और गोविंदा प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए थे। इसके अलावा फिल्म में लारा दत्ता, राजपाल यादव, जैकी श्रॉफ, अरबाज खान, शक्ति कपूर, मनोज जोशी और असरानी ने भी अहम भूमिकाएं निभाई थीं।'

प्रतिभा रांटा ने बताया 'एक्यूज्ड' के किरदार में ढलने का पूरा प्रोसेस

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इन दिनों ऐसी कहानियां ज्यादा पसंद की जा रही हैं, जो समाज के संवेदनशील मुद्दों को ईमानदारी से सामने लाती हैं। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'एक्यूज्ड' भी ऐसी ही एक कहानी लेकर आई है, जिसने लोगों को सोचने पर मजबूर किया है। इस फिल्म में अभिनेत्री प्रतिभा रांटा के अभिनय को खास सराहना मिल रही है। अपने किरदार की जटिल मानसिक स्थिति को समझने और निभाने के लिए उन्होंने खास तैयारी की, जिसके बारे में उन्होंने खुलकर बात की। प्रतिभा रांटा ने बताया कि उनके लिए इस किरदार की तैयारी आसान नहीं थी। उन्होंने कहा, ''सबसे पहले मैंने स्क्रिप्ट को कई बार पढ़ा। बार-बार पढ़ने से मुझे किरदार की सोच और भावनाएं बेहतर ढंग से समझ में आईं। जब तक कलाकार अपने किरदार को अंदर से नहीं समझता, तब तक उसका अभिनय अधूरा रहता है, इसलिए मैंने रीडिंग सेशन को अपनी तैयारी का अहम हिस्सा बनाया।''

प्रतिभा ने कहा, ''फिल्म की डायरेक्टर अनुभूति कश्यप और को-स्टार कोंकणा सेन शर्मा के साथ कई वर्कशॉप्स की। इनमें खास-खास सीन्स पर विस्तार से बात की गई। जब हम तीनों एक साथ बैठकर किसी सीन की बारीकियों पर चर्चा करते तो उस सीन को लेकर मन में उठने वाले सवाल क्लियर हो जाते थे। इससे यह समझने में मदद मिली कि कैमरे के सामने जाते समय मुझे किस मानसिक स्थिति में रहना है और सीन को किस दिशा में ले जाना है।''

उन्होंने आगे कहा, ''शूटिंग के दौरान माहौल काफी सहज था। सेट पर पहुंचने के बाद कई बार कलाकार सीन में नए एक्सपेरिमेंट भी करते हैं। जब आप किरदार की भावनाओं में पूरी तरह डूब जाते हैं तो कई चीजें खुद-ब-खुद सामने आने लगती हैं। कभी-कभी इम्प्रोवाइजेशन से सीन और भी ज्यादा प्रभावी बन जाता है। इस फिल्म में ऐसा कई बार हुआ, जब सीन इतने असली लगे जैसे वे किसी की वास्तविक जिंदगी का हिस्सा हों।''

फिल्म 'एक्यूज्ड' की कहानी एक ऐसी महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जिस पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया जाता है। यह विषय काफी संवेदनशील है और समाज में कई तरह की बहस को जन्म देता है। फिल्म आरोप, सच और भावनाओं के टकराव को गंभीरता से दिखाती है। इसमें कोंकणा सेन शर्मा और प्रतिभा रांटा मुख्य भूमिकाओं में हैं। प्रतिभा ने कहा, ''मेरे लिए यह किरदार इसलिए खास था क्योंकि इसमें भावनाओं की कई परतें थीं। कभी वह मजबूत दिखती है तो कभी टूटती हुई नजर आती है। इस तरह के किरदार को निभाने के लिए मानसिक रूप से तैयार रहना जरूरी होता है। रीडिंग और वर्कशॉप्स ने मुझे अपने रोल की परतों को समझने में सबसे ज्यादा मदद की।''

'एक्यूज्ड' ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है।

एक्टिंग डेब्यू के सवाल पर अमृता फडणवीस

प्लेबैक सिंगर और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस इन दिनों अपने नए भक्ति गीत 'शंभू रे' को लेकर चर्चाओं में हैं। उनके इस गीत को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। इस बीच उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए अपने संगीत सफर के बारे में बताया। साथ ही अभिनय क्षेत्र में कदम रखने के सवाल पर भी सटीक जवाब दिया। आईएएनएस ने अमृता फडणवीस से सवाल किया कि वह मनोरंजन जगत से काफी नजदीक से जुड़ी हैं, ऐसे में क्या उन्होंने कभी एक्टिंग करने के बारे में सोचा है? इस पर उन्होंने बताया, ''मुझे कई बार फिल्मों के ऑफर आते रहे हैं। लेकिन, हर बार मैंने इन ऑफर्स को विनम्रता के साथ मना किया है। मेरा मानना है कि हर इंसान का जीवन में एक रास्ता तय होता है और अभिनय मेरा रास्ता नहीं है। संगीत मेरा पहला और आखिरी प्यार है। यह वह कला है जो मुझे स्वाभाविक रूप से आती है और इसमें मैं खुद को पूरी तरह व्यक्त कर पाती हूं। मैं वही काम करना चाहती हूं, जिससे मैं पूरी ईमानदारी से जुड़ी रहूं और वह काम मेरे लिए संगीत ही है।''

अपने पैशन के बारे में बात करते हुए अमृता ने कहा, ''संगीत मेरे लिए सांस लेने जैसा है। जिस तरह इंसान बिना सांस के नहीं रह सकता, उसी तरह मैं संगीत के बिना खुद को अधूरा महसूस करती हूं। चाहे देर रात हो या सुबह का सुकून भरा वक्त, जब भी समय मिलता है, मैं शास्त्रीय संगीत का अभ्यास करती हूं। सुरों की साधना और रियाज मेरी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा है।'' गौरतलब है कि 14 फरवरी को रिलीज हुआ भक्ति गीत 'शंभू रे' बेहद कम समय में दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बना चुका है। इस गीत को अब तक 9 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। अमृता फडणवीस की आवाज में 'शंभू रे' का संगीत मोटी शर्मा ने तैयार किया है, जिन्होंने सुरों के जरिए शिवभक्ति को नई गहराई दी है। वहीं, गीत के बोल सृजन विनय वैष्णव ने लिखे हैं। गाने का निर्देशन राजीव वालिया ने किया है और इसे भगवान शिव से जुड़े '27 पवित्र स्थलों' पर फिल्माया गया है।

नीरज पांडे डायरेक्ट करेंगे आरडी बर्मन की बायोपिक

लेजेंड्री सिंगर और कंपोजर आरडी बर्मन की बायोपिक मेगा स्कैल पर बन रही है। ये भारत की सबसे चर्चित अपकमिंग फिल्मों में से है, जिसे कमल जैन प्रोड्यूस कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन नीरज पांडे करने वाले हैं। सूत्रों के अनुसार, आरडी बर्मन की बायोपिक के प्रोड्यूसर इस फिल्म को मेगा-स्केल पर, भारत में पहले कभी न देखे गए सिनेमाई अनुभव के रूप में बनाने की योजना बना रहे हैं। यह बायोपिक पहले ही भारत से आने वाली सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक के रूप में सुर्खियां बटोर रही है। और ऐसा होना स्वाभाविक भी है, एक ऐसे देश में जो संगीत को जीता है, वहां महानतम दिग्गज आरडी बर्मन के असाधारण जीवन और विरासत को बड़े पर्दे पर लाने से बड़ा विषय और कोई नहीं हो सकता। फिल्ममेकर एवं निर्देशक नीरज पांडे अपनी प्रशंसित फिल्मों जैसे ए वेंसडे, बेबी, स्पेशल और ब्लॉकबस्टर बायोपिक एम.एस.धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी के लिए जाने जाते हैं।

प्रोड्यूसर कमल जैन ने हाल ही में अत्यंत सफल पीरियड ड्रामा मणिकर्णिका: द क्वीन ऑफ झांसी का निर्माण किया था, जिसमें कंगना रनौत मुख्य भूमिका में थीं।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी बने हॉरर फिल्म तुम्बाड-2 का हिस्सा

हॉरर कॉमेडी फिल्म 'तुम्बाड' के दूसरे सीजन में नए किरदार की एंट्री हो चुकी है और फिल्म को और ज़्यादा इंटरेस्टिंग बनाने के लिए फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी को महत्वपूर्ण किरदार के साथ फिल्म में लाया गया है। उनका जुड़ना निर्माताओं के लिए एक साहसिक रचनात्मक कदम का संकेत है, क्योंकि अब सीक्वल पहले से और ज्यादा मजेदार होने वाला है। साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'तुम्बाड' की सफलता के बाद मेकर्स ने फिल्म का दूसरा पार्ट बनाने का फैसला लिया था। फिल्म के दूसरे सीजन में विनायक राव का किरदार निभाने वाले सोहम शाह को नवाजुद्दीन सिद्दीकी का हाथ मिल गया है। सोहम शाह ने इंस्टाग्राम पर मजेदार फोटो शेयर की है जिसमें दोनों अभिनेताओं को एक रस्सी के सहारे मस्ती करते देखा जा रहा है। नए किरदार का परिचय कराते हुए सोहम ने लिखा, 'हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हमारे समय के बेहतरीन अभिनेताओं में से एक नवाजुद्दीन सिद्दीकी तुम्बाड-2 से जुड़ गए हैं।'

इस घोषणा के बाद भावनात्मक रूप से गहन अभिनय शैली के लिए जाने जाने वाले नवाजुद्दीन से सीक्वल की कहानी में जबरदस्त गहराई लाने की उम्मीद है। हालांकि उनके किरदार के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन माना जा रहा है कि अभिनेता का किरदार मनोवैज्ञानिक तरीके से बहुत मजबूत होने वाला है। घोषणा के बाद फैंस अभिनेता के किरदार और फिल्म के रिलीज के बारे में जानने के लिए बेताब हैं। तुम्बाड-2 का हिस्सा बनकर अभिनेता भी बहुत खुश हैं। उनका कहना है, 'मैं हमेशा से ही 'तुम्बाड' की मौलिकता और माहौल बनाने वाली कहानी की खूब तारीफ करता आया हूं। जब सोहम ने सीक्वल का विजन साझा किया, तो मुझे कहानी पसंद आई और मैं उनके साथ इस सफर में जुड़ गया।

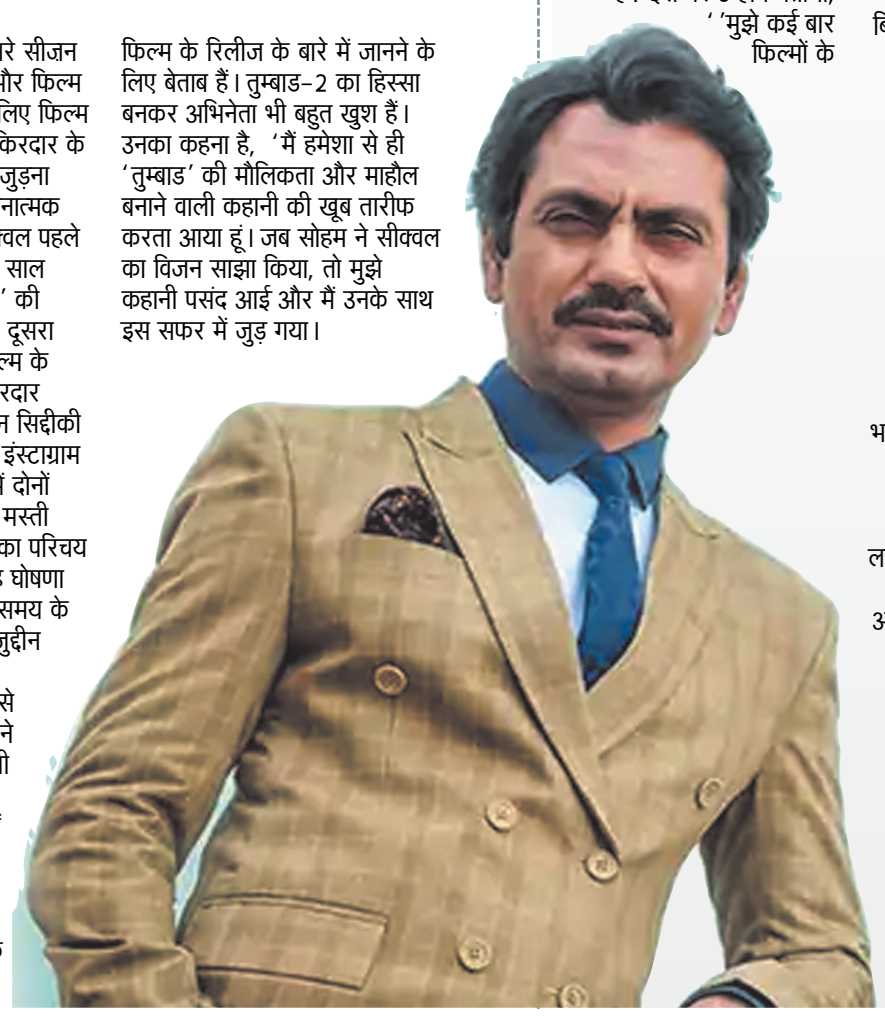

विनीत कुमार ने 'हैलो बच्चों' को बताया खास प्रोजेक्ट

विनीत कुमार सिंह स्टारर आगामी वेब सीरीज 'हेल्लो बच्चों' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। यह शो शिक्षक अलख पांडे और उनकी टीचिंग से प्रभावित छात्रों से प्रेरित है। यह शो अलग-अलग पृष्ठभूमियों के उन छात्रों की कहानी बताता है, जो अपने सपनों को एक ऐसे शिक्षक के समर्थन से पूरा करते हैं जो उन पर विश्वास करता है। बातचीत में विनीत ने बताया कि यह किरदार कितना चुनौतीपूर्ण था। बातचीत के दौरान उन्होंने शिक्षा व्यवस्था, बदलाव की जरूरत और अपने निजी अनुभवों पर भी खुलकर बात की।

'हैलो बच्चों' आपके लिए क्या मायने रखती है?

यह मेरे लिए सिर्फ एक सीरीज नहीं, बल्कि उन लाखों छात्रों की कहानी है जो बड़े सपने देखते हैं और उन्हें पूरा करने के लिए लगातार मेहनत करते हैं। इसमें उनके माता-पिता भी शामिल हैं, जो बच्चों की सफलता के लिए दिन-रात संघर्ष करते हैं और शिक्षक भी, जो उन्हें सही दिशा देते हैं। यह शो इन सभी की भावनाओं, उम्मीदों और संघर्षों को सेलिब्रेट करता है। एक एक्टर के तौर पर यह जर्नी मेरे लिए इसलिए भी खास है क्योंकि मैं खुद मेडिकल बैकग्राउंड से हूं और स्टूडेंट लाइफ की मेहनत और दबाव को नजदीक से जानता हूं। यह दुनिया हमेशा कहीं न कहीं मेरी जिंदगी का हिस्सा रही है।

इस किरदार की तैयारी कैसी रही?

इस किरदार की तैयारी गहरी रिसर्च और लगातार ऑब्जर्वेशन मांगती थी, क्योंकि यह अलख पांडे से प्रेरित है, जिन्हें लाखों बच्चे फॉलो करते हैं। कोशिश यही थी कि मेरी तरफ से कोई कसर न रह जाए। असली फीडबैक दर्शक ही देंगे जब शो देखेंगे। मेरे लिए एक व्यक्तिगत फायदा यह था कि बचपन से ही मेरे घर में टीचिंग का माहौल रहा है। मेरे पिता गणितज्ञ हैं इसलिए शिक्षकों के धैर्य, समर्पण और स्टूडेंट्स की जर्नी को मैं बहुत करीब से समझता हूं।

बचपन की कोई ऐसी घटना जो आज भी दिल में बसी हो?

मेरे घर में शिक्षा और मदद का माहौल हमेशा रहा है। एक बार पापा मंदिर गए तो उन्हें एक लड़का मिला जो फीस न दे पाने की वजह से कॉलेज नहीं जा पा रहा था। पापा उसे घर लाए और हम सबको साफ निर्देश दिया कि उसकी हर जरूरत का ध्यान रखना है। पापा ने उसे हमें पढ़ाने के लिए लगा दिया और इस तरह वो खुद भी पढ़ता था और पैसे भी कमाता था। आगे जाकर उसी एक घंटे की क्लास ने उसकी पूरी हायर एजुकेशन का खर्च संभाल लिया। जिस दिन उसे अच्छी नौकरी मिली उसने पापा के पैर छूकर धन्यवाद कहा। यह घटना मेरे लिए जीवन भर की सीख रही।

क्या हमारे एजुकेशन सिस्टम में बदलाव जरूरी है?

यह एक बहुत जटिल विषय है और मैं इसमें विशेषज्ञ नहीं पर एक बात जरूर कहूंगा कि शिक्षा बुनियादी अधिकार है। किसी भी बच्चे की पढ़ाई सिर्फ पैसे की कमी की वजह से रुक जाए वो सही नहीं। हमारा सिस्टम ऐसा होना चाहिए जो बच्चों को आगे बढ़ने में मदद करे, न कि उनके सपनों के रास्ते में रुकावट बने।

भारत में कोचिंग इंस्टिट्यूट्स और शिक्षा व्यवस्था को कैसे देखते हैं?

समय के साथ शिक्षा का स्वरूप लगातार बदलता रहा है। इंटरनेट आने से पहले यह सोचना मुश्किल था कि कोई छात्र घर बैठकर पढ़ सकता है। लेकिन कोविड के दौरान यह जरूरी हो गया। स्कूल बंद थे और पढ़ाई को किसी नए तरीके से आगे बढ़ना था। उस समय ऑनलाइन टीचर्स की अहमियत बहुत बढ़ी। उन्होंने ऐसे समय में भी बच्चों की पढ़ाई को जारी रखा, जब कोई और विकल्प नहीं था। मेरा मानना है कि शिक्षा व्यवस्था को समय के अनुसार खुद को अपग्रेड करते रहना चाहिए। जैसे हम फोन अपग्रेड करते हैं, वैसे ही शिक्षा का सिस्टम भी नए समय और जरूरतों के हिसाब से आगे बढ़ना चाहिए।

एक पिता के रूप में आपकी जिंदगी कैसे बदल गई है?

पिता होना बेहद खूबसूरत अहसास है। इसके साथ भावनात्मक पल भी आते हैं। हाल ही में जब मैं बाहर से लौटा तो मेरे बेटे ने मुझे पहचाना ही नहीं, क्योंकि पिछली बार मेरी दाढ़ी थी। इस बार मैंने शेव कर रखी थी तो वह मेरे पास नहीं आया। यह पल मेरे लिए बहुत गहरा था। अब काम जल्दी खत्म करके घर जाने का मन पहले से ज्यादा होता है। हम उसे स्क्रीन से दूर रखते हैं, इसलिए वीडियो कॉल भी कम करता हूं, ताकि उसे न लगे कि पापा फोन के अंदर रहते हैं।

नाश्ते में रवा उपमा खाने से मिलेंगे ये लाभ

नाश्ते में अगर कुछ अच्छा (स्वादिष्ट और हेल्दी) खाने को मिल जाए तो पूरा दिन मूड अच्छा रहता है और आप अपनी प्रॉडक्टिविटी में भी अच्छा परिणाम देखते हैं। बस, जरूर इस बात की है कि हम सभी अपने काम और अपने शरीर की जरूरतों को समझें.लेकिन हममें से ज्यादातर लोग बस यहीं मात खा जाते हैं। आइए, जानते हैं दिन की बेहतर शुरुआत करने में रवा उपमा किस तरह हमारी सहायता कर सकता है.

रवा खाने के फायदे

- दक्षिणी भारत में सूजी को रवा कहा जाता है। उत्तर भारत और हिंदी भाषी राज्यों में सूजी का हलवा जिस तरह आय दिन घरों में बनता है और सभी बहुत चाव से खाते हैं। ठीक इसी तरह सूजी से तैयार उपमा यानी रवा उपमा दक्षिण भारत में बहुत अधिक लोकप्रिय भोजन है।
- रवा यानी सूजी गेहूं से तैयार होती है। यह फाइबर से भरपूर होती है इसलिए इसे पचाना हमारे पाचनतंत्र के लिए आसान होता है।
- फाइबर धीमी गति से डायजेस्ट होता है इसलिए यह लंबे समय तक हमारे शरीर को ऊर्जा देने का काम करता है।
- यानी रवा से बना उपमा खाने के बाद जल्दी से भूख नहीं लगती, नींद नहीं आती और आप लंबे समय स्वयं को तक ऊर्जावान महसूस करते हैं।
- रवा उपमा तैयार करते समय इसमें मौसमी सब्जियां मिलाई जाती हैं। यानी इसे खाने से आपको संपूर्ण पोषण प्राप्त होता है। सब्जियों से विटमिन्स और मिनरल्स साथ ही रवा से दिनभर के लिए ऊर्जा।
- रवा उपमा बनाने में मूंगफली और ड्राई फ्रूट्स का उपयोग किया जाता है। इन्हें खाने से आपको सभी जरूरी अमीनो एसिड्स, ओमेगा-3 फैटी एसिड, फॉलिक एसिड और विटमिन्स तथा मिनरल्स की प्राप्ति होती है।
- रवा उपमा फैट यानी वसा और हानिकारक कॉलेस्ट्रोल से पूरी तरह फ्री होता है। इसलिए यह आपके हार्ट की सेहत के लिए भी एक शानदार नाश्ता है। जो हृदय की पंपिंग को सही बनाए रखने और अपने पौषक तत्वों से रक्त का प्रवाह बनाए रखने का काम करता है।
- रवा उपमा खाने में बहुत अधिक स्वादिष्ट और साथ ही सेहत के गुणों से भरपूर होता है। इसलिए साउथ इंडिया से निकलकर इस फूड ने देश के हर हिस्से और घर में अपनी जगह बना ली है।
- आज के समय में पोहा (मुख्य रूप से मध्य भारतीय आहार) दही चूड़ा (मुख्य रूप से बिहार का भोजन) और रवा उपमा तथा इडली (दक्षिण भारतीय भोजन) अपने-अपने राज्यों की सीमाए पार कर नैशनल फूड बन चुके हैं।
- इसकी खास वजह है कि इन फूड्स को तैयार करने में कम समय लगता है। ये पौषक तत्वों से भरपूर होते हैं और कम ऑइली होने के कारण फिटनेस को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। इसके साथ ही पाचन के लिहाज से बहुत अच्छे होते हैं तो इन्हें खाने के बाद आलस भी नहीं आता है।

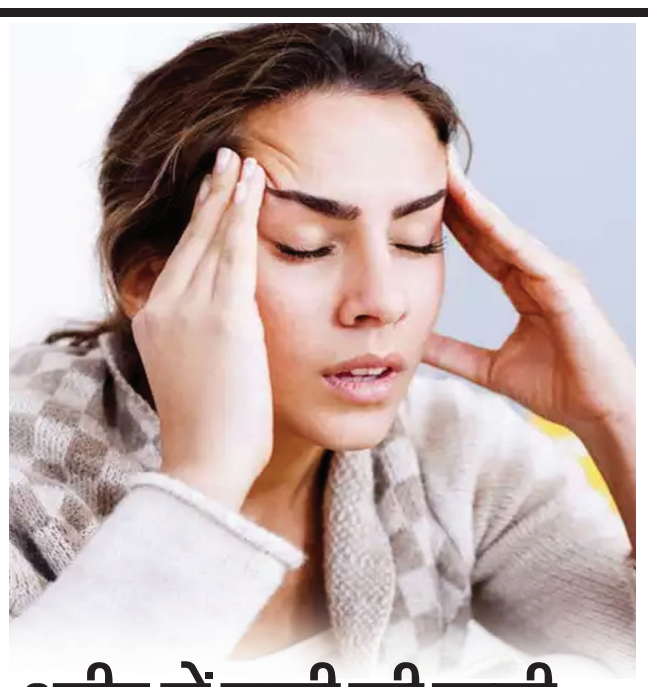

शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें

शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें। ये आपको कई गंभीर बीमारियों की तरफ धकेल सकती है. चिकित्सा विज्ञान के अनुसार, हमारे शरीर का 30 प्रतिशत हिस्सा तरल है और बाकी 70 प्रतिशत में अस्थि और मज्जा शामिल है। यही वजह है कि जल को जीवन की संज्ञा दी गई है। क्योंकि मनुष्य बिना भोजन के कुछ समय रह सकता है लेकिन बिना पानी के रहना असंभव होता है। यानी जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। पानी तो हम सभी लोग पीते हैं लेकिन ज्यादातर लोग शरीर की जरूरत के अनुसार उचित मात्रा में पानी नहीं पीते हैं। यही कारण है कि हमारे समाज में बड़े स्तर पर सूखे की बीमारी से पीड़ित पेशंट देखे जा सकते हैं। खासतौर पर गर्मी के मौसम में डिहाइड्रेशन के मरीजों की मानो बाढ़ आ जाती है।

हल्के में ना लें यह समस्या

- आमतौर पर शरीर में पानी की कमी होने को हम सभी बहुत हल्के में लेते हैं। यह एक बड़ी वजह है कि डिहाइड्रेशन के कारण बड़ी संख्या में रोगियों की मृत्यु हो जाती है। आइए, यहां जानते हैं शरीर के उन सामान्य लक्षणों के बारे में जो आपके शरीर में पानी की कमी को दर्शाते हैं। ताकि इन लक्षणों के आधार पर आप तुरंत इस समस्या से निजात पा सकें.

पानी की कमी के सामान्य लक्षण

- जब शरीर में पानी की कमी होती है तो आपके होंठ बहुत सूखे-सूखे हो जाते हैं और उनकी बाहरी त्वचा फटने लगती है। कई बार होठों से खून भी आने लगता है।
- पानी की कमी के कारण गला लगातार सूखा बना रहता है और बार-बार प्यास लगने पर पानी पीने के बाद भी प्यास नहीं मिटती है।
- शरीर में पानी की कमी के कारण सीने पर हल्की जलन, पेट में एसिडिटी या असहजता हो सकती है। साथ ही मुंह से सांसों के साथ लगातार दुर्गंध आती है। ब्रश करने के बाद भी आप सांसों की दुर्गंध फील कर पाते हैं।

यूरिन, स्किन और मसल्स पर असर

- जब शरीर में पानी की कमी होती है तो पेशाब गाढ़े पीले रंग का आता है। इसके साथ मात्रा में सामान्य से कम होता है और पेशाब के बाद प्राइवेट पार्ट में जलन या खुजली की समस्या हो सकती है।
- डिहाइड्रेशन से जूझ रहे लोगों के शरीर की त्वचा भी बहुत रूखी और बेजान नजर आती है। जो लोग लंबे समय से पानी की कमी से जूझ रहे होते हैं, उनकी त्वचा पर कम उम्र में ही झुर्रियां नजर आने लगती हैं।
- पानी की कमी से मांसपेशियों में दर्द, ऐंठन और जकड़न की समस्या हो सकती है। इसके साथ ही सिर में लगातार दर्द बना रहता है। इस कारण रोगी का चेहरा मुर्झाया हुआ और तेजहीन लगता है।
- जो लोग शरीर की जरूरत के अनुसार पानी नहीं पीते हैं, उनकी आंखों के नीचे काले घेरे साफ देखे जा सकते हैं। इन लोगों की आंखें अंदर धसने लगती हैं और इन्हें हर समय कमजोरी का अहसास बना रह सकता है।

सेहत समस्याओं से निजात पाने के लिए पुदीने के घरेलू नुस्खे

गर्मियों का मौसम आते ही भूख कम लगने लगती है, पेट व त्वचा की गर्मी बढ़ जाती है। ऐसे मौसम में ऐसी चीजें खाने की जरूरत होती है जो आपको ठंडक दे और पुदीना इस मौसम के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। गर्मियों में पुदीना या मिंट के अलग-अलग इस्तेमाल से कई सेहत लाभ पाए जा सकते हैं। आइए, जानते हैं पुदीना के ये 8 बेहतरीन घरेलू नुस्खे

- पेट की गर्मी को कम करने के लिए पुदीने का प्रयोग बेहद फायदेमंद है। इसके अलावा यह पेट से संबंधित अन्य समस्याओं से भी जल्द निजात दिलाने में लाभकारी है। इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है।
- दिनभर बाहर रहने वाले लोगों को पैर के तलवों में जलन की शिकायत रहती है, ऐसे में उन्हें फ्रिज में रखे हुए पुदीने को पीसकर तलवों पर लगाना चाहिए ताकि तुरंत राहत मिल सके। इससे पैरों की गर्मी भी कम होगी।
- सूखा या गीला पुदीना छाछ, दही, कच्चे आम के पने के साथ मिलाकर पीने पर पेट में होने वाली जलन दूर होगी और ठंडक मिलेगी। गर्मी हवाओं और लू से भी बचाव होगा।
- अगर आपको अक्सर टॉसिल्स की शिकायत रहती है और इसमें होने वाली सूजन से भी आप परेशान हैं तो पुदीने के रस में सादा पानी मिलाकर इस पानी से गरारे करना आपके लिए फायदेमंद होगा।
- गर्मी में पुदीने की चटनी का रोजाना सेवन सेहत से जुड़े कई फायदे देता है। पुदीना, काली मिर्च, हींग, सेंधा नमक, मुनक्का, जीरा, छुहारा सबको मिलाकर चटनी पीस लें। यह चटनी पेट के कई रोगों से बचाव करती है व खाने में भी स्वादिष्ट होती है। भूख न लगने या खाने से अरुचि होने पर भी यह चटनी भूख को खोलती है।
- पुदीने व अदरक का रस थोड़े से शहद में मिलाकर चाटने से खांसी ठीक हो जाती है। वहीं अगर आप लगातार हिचकी आने से परेशान हैं तो पुदीने में चीनी मिलाकर धीरे-धीरे चबाएं। कुछ ही देर में आप हिचकी से निजात पा लेंगे।
- पुदीने की पत्तियों का लेप करने से कई प्रकार के चर्म रोगों को खत्म किया जा सकता है। घाव भरने के लिए भी यह उत्तम है। इसके अलावा गर्मी में इसका लेप चेहरे पर लगाने से त्वचा की गर्मी समाप्त होगी और आप ताजगी का अनुभव करेंगे।
- पुदीने का नियमित रूप से सेवन आपको पीलिया जैसे रोगों से बचाने में सक्षम है। वहीं मूत्र संबंधी रोगों के लिए भी पुदीने का प्रयोग बेहद लाभदायक है। पुदीने के पत्तियों को पीसकर पानी और नींबू के रस के साथ पीने से शरीर की आंतरिक सफाई होगी।

हल्की-हल्की भूख में लें इन तीन सूप का मजा

नाश्ते के बाद और लंच से पहले वाली भूख को हैंडल करने के लिए ज्यादातर लोग चाय, कॉफी या फास्ट फूड और डिब्बाबंद फूड्स का सेवन करते हैं। लेकिन हम यहां आपको चंद मिनट में तैयार होनेवाले उन 3 खास सूप के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको 'अपनी तो लाइफ सेट है!' जैसा फील देंगे.

वेजिटेबल सूप

- मौसमी सब्जियों के साथ आप मिक्स वेज सूप तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आप किसी एक सब्जी को उबालकर उसका सूप बनाएं और शिमला मिर्च, बीन्स, मशरूम, हरी प्याज और आलू को महीन टुकड़ों में काटकर इन्हें अलग उबाल लें।
- पहले से तैयार सूप में इन सब्जियों को मिलाएं और अपने स्वाद के हिसाब से काला नमक, जीरा पाउडर आदि मिलाएं। ध्यान रखें सूप को गाढ़ा करने के लिए कॉर्नफ्लोर मिलाया जाता है। आप इसका उपयोग कर सकते हैं लेकिन अधिक मात्रा में इसे मिलाने से बचें। नहीं तो यह आपके वजन को बढ़ाने की वजह बन सकता है।

चुकंदर का सूप

- चुकंदर का सूप बनाने के लिए आप टमाटर, आलू, प्याज, लहसुन, काली मिर्च का पाउडर और नींबू का रस जैसी चीजों का उपयोग करते हैं। ये सभी बहुत पौष्टिक और सेहत को फिट रखनेवाली चीजें हैं।
- चुकंदर का सूप तैयार करने के लिए एक कुकर में बारीक कटे प्याज और लहसुन भून लें। इसके बाद कटे हुए चुकंदर, आलू और टमाटर डालकर भूनें। इन्हें दो मिनट पकाने के बाद कुकर को बंद कर दें और इसमें धीमी आंच पर 4 सीटी आने दें।
- तैयार मिश्रण को मिक्सी में डालकर पीसें और गाढ़ा लिक्विड तैयार करें। इसे छान लें और काली मिर्च पाउडर तथा नींबू का रस मिलाकर सूप तैयार करें और इसे हरी धनिया पत्तियों के साथ गार्निश करके सूप का लुत्फ उठाएं।

मूंग दाल का शोरबा

- मूंग दाल का शोरबा मात्र 10 मिनट में तैयार हो जाता है। इसके लिए आप बिना छिलके की मूंग दाल को धुलकर कुकर में 3 से 4 सीटी लगा लें। इसे तैयार करते समय आपको पानी की मात्रा सामान्य दाल बनाने से दोगुना रखें और गैस की धीमी आंच पर रखकर ही पकाएं।
- अब इसमें हरी धनिया पत्ती, बारीक कटी हरी मिर्च, बारीक कटा कच्चा प्याज मिलाकर तड़का लगा दें। मसलों के नाम पर इसमें सिर्फ हल्दी पाउडर का उपयोग करें, हल्का काला नमक मिलाएं और काली मिर्च पाउडर मिक्स करके गर्मागर्म शोरबा का लुत्फ उठाएं।

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डायट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डायट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए।

मेटाबोलिज्म बढ़ाने के लिए चाय आजमाएं

अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एपल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस (अजमोद का रस)

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

वजन घटाने के पांच बुनियादी नियम भी जानें

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।